THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

मणिपुर में फिर हिंसा, मैतेई गांव पर फायरिंग

इंफाल, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के जिरीबाम जिले में शनिवार, 28 सितंबर को फिर हिंसा हुई। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध उपद्रवियों ने सुबह करीब 11.30 बजे मोंगबुंग मैतेई गांव में अंधाधुंध फायरिंग की। गांव के वालंटियर ने जवाबी कार्रवाई की। फिलहाल गोलीबारी जारी है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है।

दूसरी तरफ, चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों में आज बंद का दूसरा दिन है। इसके कारण बाजार बंद रहे। सड़कें वीरान दिखीं। अधिकारियों ने बताया कि कुकी-जो समूहों ने दोनों जिलों में रविवार, 29 सितंबर तक बंद का आह्वान किया है।

वर्ष-29 अंक : 188 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन कृ.12 2081 रविवार, 29 सितंबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर * **पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये**

आज की रात ही सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी

कोई हिमाकत की तो मोदी पाताल से ढूंढ निकालेगा : पीएम

जम्मू, 28 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जम्मू में एक रैली को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की रात ही सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी। साल 2016 में 28 सितंबर की रात सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी। भारत ने दुनिया को बता दिया था कि ये नया भारत है घर में घुस कर मारता है। आतंक के आकाओं को पता है कि अगर कुछ भी हिमाकत की तो मोदी पाताल में भी उन्हें खोज निकालेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवादियों को पता है अगर कोई भी हिमाकत की तो मोदी पाताल में भी उनको ढूंढ निकालेगा। कांग्रेस पर हमला करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की जो कांग्रेस है वह पूरी तरह अर्बन नक्सलियों के कब्जे में है जब विदेशों से घुसपैठ होती है तो न जाने क्या वजह है लेकिन कांग्रेस को अच्छा लगता है। उनमें इनको अपना वोट बैंक दिखता है, लेकिन अपने ही लोगों की पीड़ा पर यह उनका मजाक उड़ाते हैं।

कांग्रेस ने सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे

कांग्रेस पर हमलावर होते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस वो पार्टी है, जिसने हमारी फौज से सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे थे। कांग्रेस वो पार्टी है, जो आज भी सर्जिकल स्ट्राइक को लेकर पाकिस्तान की भाषा बोलती है। क्या आप ऐसी कांग्रेस कपो माफ कर सकते हैं? देश के लिए मर-मिटने वालों का कांग्रेस कभी सम्मान नहीं कर सकती।

कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी, ये संविधान के दुश्मन हैं

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी, ये संविधान के दुश्मन हैं। इन्होंने संविधान की स्पिरिट का गला घोंटा है। यहीं जम्मू में कई-कई पीढ़ियों से यहां रह रहे अनेक परिवारों को वोट देने तक का हक नहीं था। उन्हें कांग्रेस, एनसी और पीडीपी ने इस हक से वंचित किया था। आज जम्मू-कश्मीर में आ रहे बदलाव से कांग्रेस-एनसी और पीडीपी वाले भड़के हुए हैं। इन्हें आपका विकास पसंद नहीं है। ये लोग कह रहे हैं कि उनकी सरकार बनी, तो फिर वो पुराना सिस्टम लाएंगे। ये फिर वो भेदभाव वाला निजाम लाएंगे, जिसका सबसे बड़ा शिकार हमारा जम्मू रहा है।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने जम्मू के साथ हमेशा अन्याय किया है। ये तुष्टिकरण के लिए कुछ भी कर सकते हैं। आप इनके भाषण सुनिए कि कैसे डोगरा विरासत पर ये हमला करते हैं, महाराज हरी सिंह को बदनाम करने के लिए ये कैसे-कैसे लांछन लगाते हैं। पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के योगदान पर कहा, इस धरती ने देश की रक्षा के लिए खुद को न्योछावर करने वाली अनेक संतान दी, मैं इस धरती को नमन करता हूं।

कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़, दो आतंकी ढेर

श्रीनगर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में शनिवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। दोपहर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। इलाके में दो-तीन आतंकियों के छिपे होने की आशंका थी। सेना के 3 जवान और कुलगाम के एएसपी घायल हुए हैं। चारों को इलाज के लिए श्रीनगर शिफ्ट किया गया है।

कश्मीर जोन पुलिस ने शनिवार सुबह 7:05 बजे एक्स पर पोस्ट के जरिए मुठभेड़ की जानकारी दी। बताया कि पुलिस और सेना ने जॉइंट ऑपरेशन के तहत आदिगाम में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। फिलहाल ऑपरेशन जारी है। कुलगाम मुठभेड़ में घायल सुरक्षाकर्मियों को इलाज के लिए श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एएसपी मुमताज अली भट्टी, सिपाही सोहन कुमार, सिपाही योगिंदर और मोहम्मद इसरान शामिल हैं।

सीतारमण पर चुनावी बॉन्ड से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश

बेंगलूरू, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बेंगलूरू की एक अदालत ने चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली के मामले में वित्त मंत्री निर्मला सीतारण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। वहीं, इस मामले को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब भाजपा नेता कब इस्तीफा मांगेंगे।

सीएम ने कसा तंज

किसने दी शिकायत :

जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह अध्यक्ष आदेश अय्यर ने सीतारमण और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि चुनावी बॉन्ड के जरिए डरा-धमकाकर जबरन वसूली की गई। इस मामले में बेंगलूरू की पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव कोर्ट ने प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद पुलिस ने वित्त मंत्री और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

बता दें कि केंद्र सरकार ने 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत सरकार राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में नकद दान को खत्म करना था, ताकि राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बनी रहे। इसके बाद एसबीआई के चुनावी बॉन्ड के जरिए लोग राजनीतिक दलों को चंदा दे सकते थे। इसका खुलासा नहीं किया जाता था। पिछले साल विपक्षी दलों के आरोपों और इसके खिलाफ तमाम याचिकाओं के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि यह नागरिकों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करता है।

इन लोगों के खिलाफ शिकायत :

अब आदर्श अय्यर ने आरोप लगाया कि चुनावी बॉन्ड के जरिए धमकी देकर जबरन वसूली की गई। जन अधिकार संघर्ष परिषद ने पिछले साल अप्रैल में अदालत में याचिका दायर कर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ईडी अधिकारियों, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के अन्य राष्ट्रीय नेताओं, भाजपा के तत्कालीन कर्नाटक अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, बी वाई विजयेंद्र के खिलाफ शिकायत की थी। अदालत ने शिकायत पर सुनवाई करते हुए बेंगलूरू के तिलक नगर पुलिस थाने को चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली का मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

'न्याय व्यवस्था को दिव्यांग बच्चों की परेशानियों पर ध्यान देने की जरूरत'

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बयान

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि पुलिस थानों से लेकर अदालतों तक पूरी न्याय व्यवस्था को दिव्यांग बच्चों की परेशानियों को समझने और उसके समाधान पर ध्यान देना चाहिए। बाल संरक्षण पर नौवें राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक चर्चा कार्यक्रम में बोलते हुए सीजेआई ने कहा कि दिव्यांग लोगों की चुनौतियां शारीरिक से भी ज्यादा हैं। उन्हें शारीरिक चुनौतियों के साथ-साथ समाज में व्याप्त पूर्वाग्रहों, रूढ़ियों और गलत धारणाओं से भी जूझना होता है। मुख्य न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पुलिस थानों से लेकर न्यायालयों तक न्याय प्रणाली इन बच्चों की परेशानियों को समझें और उनका समाधान करें। किशोर न्याय अधिनियम दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामुदायिक सेवा जैसे विभिन्न पुनर्वास और पुनः एकीकरण उपायों की रूपरेखा तैयार करता है। दिव्यांग बच्चों के लिए, इन उपायों को अनुकूलित किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें वह विशेष सहायता मिले जिसकी उन्हें सफल होने के लिए जरूरत है।

तिरुपति लड्डू मामले में कल होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। तिरुपति लड्डू विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को इस मामले में सुनवाई होगी।

बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व अध्यक्ष और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी से राज्यसभा सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी ने याचिकाएं दाखिल की हैं। इन याचिकाओं पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ सुनवाई करेगी। तिरुपति के लड्डू बनाने में कथित तौर पर पशुओं की चर्बी के इस्तेमाल को लेकर देश का सियासी पारा हाई है। इस मामले में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू और पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के बीच भी जुबानी जंग तेज हो गई है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू के पिछले हफ्ते लगाए गए आरोपों के बाद यह विवाद खड़ा हुआ था। उन्होंने दावा किया था कि जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली वाईएसआर कांग्रेस सरकार के दौरान तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में प्रसाद के रूप में दिए जाने वाले प्रसिद्ध लड्डू बनाने में पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल किया जाता था। इस हफ्ते की शुरूआत में दायर अपनी जनहित याचिका में बीजेपी नेता ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि वह आंध्र प्रदेश सरकार को लड्डू बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी पर एक विस्तृत रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दे, और एक विस्तृत फोरेंसिक रिपोर्ट भी मांगे। राज्य सरकार ने गुजरात की एक प्रयोगशाला की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया था कि लड्डू में इस्तेमाल होने वाले घी में बीफ टैलो, फिश ऑयल और लार्ड (सुअर की चर्बी) के अंश पाए गए थे।

इच्छामृत्यु को लेकर गाइडलाइन

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा-मरीज का लाइफ सपोर्ट हटाया जाए या नहीं, चार शर्तों से तय होगा

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु यानी गंभीर रूप से बीमार मरीजों का लाइफ सपोर्ट हटाने को लेकर नई गाइडलाइन का ड्राफ्ट जारी किया है। इसमें कहा गया है कि डॉक्टरों को कुछ शर्तों को ध्यान में रखकर बेहद सोच-समझकर ये फैसला लेना होगा कि मरीज का लाइफ सपोर्ट हटाया जाना चाहिए या नहीं। गाइडलाइन्स में चार शर्तें तय की गई हैं, जिनके आधार पर यह फैसला लिया जाएगा कि लाइफ सपोर्ट को रोकना मरीज के हित में उचित है। यह तब किया जाएगा जब यह साफ हो कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज को लाइफ सपोर्ट से कोई फायदा होने की संभावना नहीं है, या लाइफ सपोर्ट पर रखने से मरीज की तकलीफ बढ़ने और गरिमा को नुकसान पहुंचने की संभावना हो।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने तय की ये चार शर्तें :

> मरीज को ब्रेनस्टेम डेड घोषित किया जा चुका है।

> डॉक्टरों ने मरीज के हालात की अच्छी से जांच-पड़ताल की है, जिसमें ये साफ हुआ है कि मरीज की बीमारी एडवांस स्टेज में पहुंच गई है और इलाज से कोई फायदा नहीं होगा।

> मरीज/परिजन की तरफ से लाइफ सपोर्ट जारी रखने से इनकार किया गया हो।

> लाइफ सपोर्ट हटाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की तरफ से तय किए गए दिशा-निर्देशों के तहत की जाए।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में नाच गाना था अंबानी-अडानी थे पर किसान नहीं थे : राहुल

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने बीजेपी पर निशाना साधा है। इस बार उन्होंने अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बीजेपी को आड़े हाथ लिया। राहुल ने इस समारोह को 'नाच-गाना' वाला समारोह करार दिया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जहां नाच-गाना हो रहा था, वहीं उद्योगपति अंबानी और अडानी को आमंत्रित किया गया था, लेकिन बीजेपी ने एक भी किसान को बुलाना भूल गई।

राम मंदिर में नहीं दिखा कोई किसान

राहुल गांधी हरियाणा के हिसार में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब अयोध्या में मंदिर खुला तो आप अडानी, अंबानी, अमिताभ बच्चन को देख सकते थे, लेकिन आपको एक भी किसान नहीं दिखाई दिया। इस तरह ने आगे कहा, उसके बाद उन्होंने अमिताभ बच्चन, अडानी, अंबानी को आमंत्रित किया, लेकिन एक मजदूर को अनुमति नहीं दी। क्या आपने (वहां) एक कार्यकर्ता या एक किसान देखा? नाच-गाना चल रहा है, मीडिया हाय-हाय कर रहा है... यही आपकी हकीकत है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि बीजेपी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कहा कि वह मंदिर के अंदर नहीं आ सकतीं, क्योंकि वह एक आदिवासी हैं।

यह पहली बार नहीं था जब राहुल गांधी ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर भाजपा पर हमला बोला हो। अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान छत्तीसगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने 22 जनवरी को राम मंदिर समारोह में गरीबों की गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाया था।

बीजेपी ने किया पलटवार:

राहुल गांधी के इस बयान पर बीजेपी की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता की नफरत भरी टिप्पणी उन्हें न केवल 'हिंदू विरोधी' बल्कि 'एक नंबर का झूठा' भी बनाती है। पूनावाला ने सवाल किया, उन्होंने कहा कि वहां कोई गरीब व्यक्ति या मजदूर नहीं था! क्या वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा फूलों की वर्षा के साथ श्रमिकों के स्वागत को नहीं देख पाए?

साइबर क्राइम के शिकार बच्चों को लेकर केंद्रीय मंत्री ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने साइबर बुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों के शिकार हो रहे कम उम्र के युवाओं को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि, नाबालिग लगातार साइबर क्राइम के शिकार हो रहे हैं। बाल संरक्षण पर नौवें राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श में केंद्रीय मंत्री ने बाल संरक्षण, विशेषकर देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों (सीएनसीपी) और कानून से संघर्षरत बच्चों (सीआईसीएल) के प्रति सरकार की बढ़ती प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण बजट में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। बाल संरक्षण के लिए बजट आवंटन 2009-10 में लगभग 60 करोड़ रुपये था। उसे 2024-25 में बढ़ाकर लगभग 1,500 करोड़ रुपये कर दिया गया है। दिव्यांग बच्चों के सामने आ रही समस्याओं पर बात करते हुए मंत्री ने कहा कि ये बच्चे अक्सर सामाजिक अपराध करने वालों के लिए आसान निशाना बन जाते हैं। उन्होंने साइबर बुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता जैसे मुद्दों के समाधान पर बल दिया। उन्होंने कहा, बच्चे (विशेषकर विकलांग बच्चे) सबसे अधिक असुरक्षित होते हैं। समाज और सरकार के रूप में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

खड़गे ने बेरोजगारी के मुद्दे पर पीएम मोदी को घेरा

> *सिद्धारमैया मामले में भाजपा ने राहुल से पूछा सवाल*

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को रोजगार के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जबरदस्त हमला बोला है। खड़गे ने कहा कि देश में बेरोजगारी से बड़ा कोई मुद्दा नहीं है। मोदी जी, याद रखिए... भारत का एक-एक युवा जिसके रोजगार को आपकी सरकार ने छीनने का काम किया है, वो चुनाव दर चुनाव भाजपा को हराने का एकमात्र काम करेगा।

उन्होंने आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि तमाम प्रयासों के बावजूद यह सरकारी आंकड़ा युवाओं की लाचारी को छुपा नहीं पा रहा है। खरगे ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि, बेरोजगारी से बड़ा देश में कोई मुद्दा नहीं है। युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने में मोदी जी का सबसे बड़ा योगदान है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे लिखा कि, नरेंद्र मोदी जी को बताना चाहिए- क्या 2023-24 में युवा बेरोजगारी 10.2 प्रतिशत के भयावह स्तर पर नहीं है? रंगबिरंगे नारे देने और फोटोबाजी करने के बजाय मोदी जी ने युवाओं को नौकरियां देने के लिए क्या किया? क्या ये सच नहीं है कि जिन महिलाओं के पास रेग्युलर सैलरी वाली नौकरी है उनकी संख्या अब 7 वर्षों में सबसे कम हो गई है? मात्र 15.9 प्रतिशत पर? क्या गांव-देहात में बिना मेहनताने के मजदूरी करने वाली महिलाओं की संख्या 51.9 प्रतिशत (2017-18) से बढ़कर अब 67.4 प्रतिशत (2023-24) नहीं हुई है, जो ग्रामीण बेरोजगारी को दर्शाता है? खड़गे ने कहा कि, विनिर्माण क्षेत्र पर रोजाना ढिंढोरा पीटने वाली मोदी सरकार ने इसमें पिछले 7 वर्षों में रोजगार में बढ़ोतरी क्यों नहीं की है? ये आंकड़ा 15.85 प्रतिशत (2017-18) से लुढ़कर मात्र 11.4 प्रतिशत (2023-24) कैसे रह गया?

भारतीय सेना चीन सीमा पर बढ़ा रही युद्धक क्षमता हाइपरसोनिक मिसाइलें की जा रहीं तैयार

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सेना चीन सीमा पर अपनी युद्धक क्षमता को बढ़ा रही है। तोपखाना यूनिटों की जंगी क्षमता को बढ़ाने के लिए सेना विभिन्न हथियार प्रणालियों की खरीद कर रही है। इसमें 100 के-9 वज्र हॉवित्जर, स्वार्म ड्रोन, लोइटर हथियार और निगरानी प्रणालियां शामिल हैं।

सेना में तोपखाना महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अदोष कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों पर विचार करते हुए तोपखाना यूनिटों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न भविष्योन्मुखी प्लेटफॉर्म और उपकरण खरीदे जा रहे हैं।

उन्होंने शनिवार को आर्टिलरी रेजिमेंट की 198वीं वर्षगांठ से पहले कहा कि हम अभूतपूर्व गति से और निर्धारित समयसीमा के अनुसार आधुनिकीकरण कर रहे हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास का कार्य भी प्रगति पर है। रॉकेटों के बारे में लेफ्टिनेंट जनरल अदोष ने कहा कि अब पिनाक रॉकेट की मारक क्षमता को 300 किमी तक बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। पिनाक मार्क-1 की अधिकतम मारक क्षमता 40 किमी है, जबकि पिनाक मार्क-2 की मारक क्षमता 90 किमी है।

निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के साथ मिलकर काम :

लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने कहा कि सेना सेंसर फ्यूज्ड म्यूनिशन (एसएफएम) और विस्तारित रेंज गोला-बारूद के विकास के लिए निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों और शिक्षाविदों के साथ मिलकर काम कर रही है।

कांग्रेस का घोषणा पत्र 'हाथ बदलेगा हालात' जारी

हरियाणा विदेशी रोजगार बोर्ड बनाने का वादा

चंडीगढ़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र 'हाथ बदलेगा हालात' के नाम से जारी कर दिया है। चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, पार्टी के प्रदेश प्रधान उदयभान और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत उपस्थित रहे। कांग्रेस ने विदेशों में नौकरियों के लिए युवाओं की राह आसान बनाने के लिए हरियाणा विदेशी रोजगार बोर्ड बनाने का वादा किया है। घोषणा पत्र में हिमाचल सरकार की तर्ज पर 18 से 60 साल तक महिलाओं को हर महीने 2 हजार रुपये, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी व फसल खराब पर तुरंत मुआवजा देने का वादा किया गया है। कांग्रेस ने ओबीसी की क्रीमीलेयर की सीमा 10 लाख तक करने और 25 लाख तक मुफ्त इलाज देने का वादा किया है। घोषणा पत्र में कांग्रेस ने सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत बुजुर्गों, विकलांगों और विधवाओं को 6 हजार रुपये की मासिक पेंशन, कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) देने का वादा किया है।

एमसीडी स्टैंडिंग कमेटी मेंबर के चुनाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी आप

मुख्यमंत्री आतिशी ने की घोषणा

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी की आखिरी खाली सीट के लिए शुक्रवार यानी कल मतदान हुआ। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस हिस्सा नहीं लिया। आप ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) स्थायी समिति के चुनाव को 'असंवैधानिक और अवैध' करार दिया। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी का कहना है कि कल का जो गैर-कानूनी चुनाव करवाया गया उसमें उपराज्यपाल, भाजपा और उनके अफसरों ने उसमें संविधान और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाईं।

दिल्ली में एमसीडी में शुक्रवार को हुए स्टैंडिंग कमिटी के 18वें सदस्य के चुनाव के खिलाफ आम आदमी पार्टी सुप्रीम कोर्ट जाएगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने घोषणा करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में हमारी याचिका आज ही दाखिल होगी। आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को हुए इस चुनाव को और असंवैधानिक और अवैध बताते हुए इसमें हिस्सा नहीं लिया था। इस चुनाव में केवल भाजपा के पार्षदों ने हिस्सा लिया और वोटिंग के बाद भाजपा के उम्मीदवार को विजयी घोषित किया गया था। दिल्ली नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य चुनाव पर

दिल्ली की मुख्यमंत्री अतिशी ने कहा, हमारा भारत देश संविधान से चलता है और संविधान के अनुसार बनाए गए कानूनों से चलता है। दिल्ली के नगर निगम को चलाने के लिए भारत की संसद ने एक कानून पारित किया हुआ है जो है दिल्ली नगर निगम अधिनियम 1957... उन नियम कानूनों को हम देखने जाएं तो 'रेगुलेशन 51' जो स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव के बारे में है उसमें स्पष्ट है कि स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों का चुनाव निगम बैठक में होगा। उसकी तारीख, समय और जगह केवल मेयर निर्धारित कर सकती हैं और निगम बैठक की अध्यक्षता भी केवल मेयर कर सकती हैं। सीएम आतिशी ने कहा, 'भाजपा को लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने से कोई फर्क नहीं पड़ता और लोकतंत्र और संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए उपराज्यपाल के पास शक्तियां न होते हुए, उपराज्यपाल आदेश देते हैं और कमिश्नर वो आदेश मानते हैं, निगम की बैठक बुलाते हैं, चुनाव करवाते हैं और एक चुने हुए मेयर की जगह एक आईएएस अधिकारी को अध्यक्ष बना देते हैं। कल का जो गैर-कानूनी चुनाव करवाया गया उसमें उपराज्यपाल ने, भाजपा ने और उनके अफसरों ने उसमें संविधान और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाईं।'

शुक्रवार को विवादों के बीच हुआ चुनाव, भाजपा के सुंदर बने स्थायी समिति के सदस्य सियासी उठापटक के बीच शुक्रवार को एमसीडी स्थायी समिति के एक सदस्य का चुनाव हुआ। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बहिष्कार से एकतरफा वोटिंग हुई और 115 वोट हासिल कर भाजपा के पार्षद सुंदर सिंह तंवर विजयी घोषित हो गए। इससे एमसीडी की सबसे अधिकार संपन्न स्थायी समिति में भाजपा का बहुमत हो गया है।

लोकसभा स्पीकर ने कहा, मिजोरम में खाद्य और प्रसंस्करण क्षेत्र में अपार संभावनाएं

आइजोल, 28 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मिजोरम में खाद्य और प्रसंस्करण के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने मिजोरम में एमएसएमई और व्यापार एवं वाणिज्य विकास पर जोर देते हुए कहा, जैविक खेती और उत्पादों पर ध्यान देने पर बल दिया। उन्होंने राज्य में प्रसंस्करण संयंत्रों के विकास के लिए बिजली आपूर्ति में सुधार की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने यह बात मिजोरम विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए), भारत क्षेत्र जोन-III के 21वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन के बाद कही।

उन्होंने कहा, अंतिम लक्ष्य यह है कि विकास का लाभ समाज के हर सदस्य तक पहुंचे। इस मौके पर राज्यसभा के उपाध्यक्ष हरिवंश नारायण सिंह, नागालैंड विधानसभा के स्पीकर और इंडिया रीजन जोन-III के चेयरमैन शेरिंगेन लोंगकुमेर, मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा सहत गणमान्य लोग उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि सड़कों, हवाई मार्ग और रेल के माध्यम से कनेक्टिविटी में सुधार के साथ, मिजोरम खाद्य और प्रसंस्करण क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, जन कल्याण के लिए हमें डिजिटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना चाहिए। विधायी प्रक्रिया में जन भागीदारी बढ़ानी चाहिए।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के प्लांट में लगी भीषण आग, भारी नुकसान की आशंका

चेन्नई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले के होसुर में स्थित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के प्लांट में भीषण आग लगने की घटना हुई है। आग काफी भीषण है, जिसके चलते प्लांट में धमाके की खबर है। आग से प्लांट में भारी नुकसान की आशंका है। आग प्लांट के सेलफोन मैन्युफैक्चरिंग सेक्शन में लगी, जिसके बाद प्लांट के सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। आग से प्लांट को भारी नुकसान हुआ है। आग शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे लगी। इसके बाद प्लांट से धुएं का गुबार उठता देखा गया।

मेक इन इंडिया की बड़ी छलांग

मोरक्को की सेना के लिए 150 डब्ल्यूएचएपी बख्तरबंद गाड़ियां बनाएगी टाटा

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार के मेक इन इंडिया अभियान को बड़ी सफलता मिली है। दरअसल भारतीय कंपनी टाटा मोरक्को की सेना के लिए 150 व्हील आर्मर्ड प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूएचएपी) वाहनों का निर्माण करेगी। डब्ल्यूएचएपी एक बख्तरबंद वाहन है, जिसे भारत के सरकारी रक्षा संस्थान डीआरडीओ द्वारा विकसित किया गया है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि टाटा और मोरक्को के बीच 150 डब्ल्यूएचएपी वाहन बनाने के समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं। व्हैप को डीआरडीओ की व्हीकल रिसर्च एंड डेवलेपमेंट विंग द्वारा टाटा कंपनी के साथ मिलकर बनाया गया है। समझौते के अनुसार, मोरक्को की सेना को ये बख्तरबंद गाड़ियां अगले तीन साल में सप्लाई की जाएंगी। बख्तरबंद गाड़ियों का यह भारत को मिला सबसे बड़ा कॉन्ट्रैक्ट है। भारत की पैरामिलिट्री फोर्सेस ने भी इन बख्तरबंद गाड़ियों व्हैप का ऑर्डर दिया है। मोरक्को में व्हैप के परीक्षण बीते करीब सात माह चल रहे थे। भारत में डिजाइन और निर्मित किए गए आठ पहियों वाले इस बख्तरबंद वाहन को भारतीय सेना में भी शामिल किया जा चुका है।

एनओसी की जगह सेल्फ एफिडेविट पर भी लड़ सकेंगे प्रत्याशी

राज्य चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

चंडीगढ़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में पंचायत चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। प्रत्याशियों को नामांकन दाखिल करने से पहले एरिया बीडीपीओ या संबंधित अथॉरिटी से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) या नो ड्यू सर्टिफिकेट (एनडीसी) लेना जरूरी होता है। इस बार चुनाव आयोग ने पंचायत चुनाव की नामांकन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य चुनाव आयुक्त राज कमल चौधरी ने बताया कि अगर किसी कारण से प्रत्याशी एनओसी नहीं ले पाता है तो वह सेल्फ एफिडेविट देकर भी नामांकन पत्र भर पाएगा। इससे उसका नामांकन रद्द नहीं किया जाएगा। ऐसा इसलिए किया है, क्योंकि अकसर पंचायत चुनाव में नामांकन के साथ एनओसी सर्टिफिकेट संलग्न न होने की वजह से नामांकन रद्द कर दिए जाते थे। राज कमल चौधरी ने बताया कि प्रत्याशी को एफिडेविट में बताना होगा कि जिस ग्राम पंचायत के चुनाव में वह प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ने जा रहा है या प्रदेश की अन्य किसी पंचायत का उस पर कोई टैक्स या फीस के रूप में कोई धन राशि बकाया तो नहीं है।

इसके अलावा यह घोषणा करनी होगी कि वह पंजाब स्टेट इलेक्शन कमीशन एक्ट-1994 के सेक्शन-11 के तहत पंचायत की किसी भी संपत्ति या जमीन पर काबिज या उस संपत्ति का लाभ नहीं उठा रहा है। दरअसल अभी तक प्रत्याशी को इसके लिए अपने बीडीपीओ या संबंधित अथॉरिटी से इन नियमों के तहत एनओसी लेना अनिवार्य था।

महाराष्ट्र में 26 नवंबर से पहले होंगे विधानसभा चुनाव

सीईसी ने वोटरों की उदासीनता पर जताई चिंता

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तारीखों को लेकर नया अपडेट आया है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा करने पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने संभावित समय बताया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसलिए चुनाव उससे पहले पूरा कराना होगा। उन्होंने चुनाव में शहरी मतदाताओं की उदासीनता पर चिंता भी जताई।

मुंबई में चुनावी तैयारियों की समीक्षा के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि महाराष्ट्र में 288 निर्वाचन क्षेत्र हैं। इनमें एसटी निर्वाचन क्षेत्र 25 और एसटी निर्वाचन क्षेत्र 29 हैं। राज्य में कुल मतदाता 9.59 करोड़ हैं। इनमें पुरुष मतदाता 4.59 करोड़ और महिला मतदाता 4.64 करोड़ हैं। 18-19 साल के पहली बार मतदाता 19.48 लाख हैं। इनमें काफी उत्साह है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई और उसके आसपास के कोलाबा-कल्याण जैसे क्षेत्रों में लोकसभा चुनावों में सबसे कम मतदान हुआ था। इसके लिए दैनिक वेतन भोगियों और असंगठित क्षेत्र के अन्य लोगों को प्रशासन को बताना चाहिए कि उनको मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास यह तय करना होगा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अधिकतम नामांकन और मतदान हो। हमने महाराष्ट्र सरकार से उन अधिकारियों को स्थानांतरित करने के लिए कहा है जिन्होंने वर्तमान पोस्टिंग में तीन साल से अधिक समय तक सेवा की है। इसकी अनुपालन रिपोर्ट मांगी है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि यह जानना मतदाताओं का अधिकार है कि क्या किसी उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को लोगों को ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का कारण भी बताना चाहिए। महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के दौरान उपयोग किए जाने वाले सभी हेलीकॉप्टरों की जांच की जाएगी।

अवैध पटाखा फैक्टरी में दर्दनाक हादसा, तीन की मौत

सोनीपत, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सोनीपत के रिढाऊ गांव में एक दर्दनाक हादसे ने इलाके में सनसनी फैला दी है। गांव के एक मकान में अवैध रूप से चलाई जा रही पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों के शरीर बुरी तरह से झुलस गए, और कई मजदूरों की हालत नाज़ुक बताई जा रही है। यह फैक्टरी वेद नाम का शख्स अपने ही घर में अवैध रूप से चला रहा था। हादसे के तुरंत बाद, दमकल विभाग, पुलिस के आला अधिकारी, और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों ने कठिन प्रयासों के बाद शवों को घर से बाहर निकाला, जबकि पुलिस अब इस दुर्घटना की गहराई से जांच कर रही है। वेद नाम का यह व्यक्ति, जो इस अवैध फैक्टरी को चला रहा था, हादसे के बाद से फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

मुंबई में आतंकी हमले का अलर्ट, बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में एक बार फिर से आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। देश की आर्थिक राजधानी को आतंकी फिर से दहलाने की साजिश रच रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे इनपुट खुफिया एजेंसी ने दिए है। आतंकी खतरे को देखते हुए मुंबई में सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।जगह-जगह पर पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसी के अलर्ट के बाद मुंबई के कई धार्मिक स्थलों और अन्य भीड़भाड़ वाली जगहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस को भीड़भाड़ वाली जगहों और धार्मिक स्थलों पर "मॉक ड्रिल्स" करने का निर्देश दिया गया है। शहर के सभी डीसीपी को अपने-अपने जोन में सिक्योरिटी अरेंजमेंट पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा गया है। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस ने क्रॉफर्ड मार्केट इलाके में मॉक ड्रिल किया था। यह वह इलाका है जहां भारी भीड़ होती है। यहां दो प्रमुख धार्मिक स्थल भी है। पुलिस ने सिक्योरिटी ड्रिल के संदर्भ में आधिकारिक तौर पर कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर यह एक एक्सरसाइज़ थी।

अचानक से ये सब क्यों किया जा रहा है इसके बारे में उन्होंने कुछ भी नहीं बताया। पुलिस का कहना है कि आगामी त्योहारों और चुनावों को देखते हुए क्रॉफर्ड मार्केट और मुंबई के अन्य स्थानों पर मॉक ड्रिल किए जा रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि शहर के सभी मंदिरों को सतर्क रहने का निर्देश दिए गए हैं और एहतियात के तौर पर किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

चार बेटियों के साथ पिता ने की खुदकुशी

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक ही परिवार के पांच लोगों ने खुदकुशी कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है।

पुलिस ने सड़ी गली हालत में शव बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, वसंत कुंज के रंगपुरी गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों ने खुदकुशी कर ली। एक व्यक्ति और उसकी चार बेटियों ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी है। पड़ोसियों और मकान मालिक से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने फ्लैट का ताला तोड़कर शवों को बाहर निकाला है।

राहुल गांधी का विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र

कहा-37 तमिल मछुआरों की श्रीलंका से कराएं रिहाई

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका की नौसेना द्वारा बार-बार पकड़े जा रहे तमिल मछुआरों की रिहाई कराने की मांग को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने मछुआरों की रिहाई कराने और जब्त की गई नावों को छोड़ने के लिए श्रीलंका के अधिकारियों से बात करने के लिए कहा है। पत्र में राहुल गांधी ने लिखा कि 21 सितंबर 2024 को श्रीलंकाई अधिकारियों ने 37 तमिल मछुआरों की गिरफ्तारी की। साथ ही उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया था। मयिलादुथुराई से कांग्रेस की सांसद आर सुधा ने मुझे मामले से अवगत कराया। पत्र में लिखा गया कि गिरफ्तार मछुआरे छोटे पैमाने पर तट के करीब काम करते हैं। घटना वाले दिन उन्होंने संकट में फंसी एक श्रीलंकाई नाव को बचाने का प्रयास किया था।

बताया गया कि मछुआरों ने बचाव में सहायता के लिए श्रीलंकाई अधिकारियों से संपर्क किया। इसके बावजूद श्रीलंका के अधिकारियों ने मछुआरों को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। वहीं जब्त की गईं मछली पकड़ने वाली नावें सामूहिक संसाधनों के माध्यम से खरीदी गईं थीं।

खबरें जरा हटके

दुनिया में सबसे ज्यादा सॉफ्ट टॉयज है इस महिला के पास

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है नाम

कई लोगों के पास बहुत सारे सॉफ्ट टॉय होते हैं. पर सबसे ज्यादा सॉफ्ट टॉयज किसके पास है. आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि इसका भी एक रिकॉर्ड है जो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज है. यह रिकॉर्ड एक महिला के नाम है जिसके पास कुल 1,523 सॉफ्ट है. अमेरिका के इलिनोइस की रहने वाली सबरीना डॉसमैन के पास यह खास कलेक्शन है. एक बच्चे की मां सबरीना के पास दुनिया में सबसे ज़्यादा सक्विशमैलो हैं. सॉफ्ट टॉय 2017 में केली टॉयज़ होल्डिंग्स एलएलसी ने लॉन्च किए थे. इसके बाद वे अपने सक्विशी, मार्शमैलो जैसे एहसास के कारण बेहद लोकप्रिय हो गए. सबरीना के पास इतने सारे प्यारे खिलौने हैं कि वह उनके ऊपर सो सकती है. उसका कलेक्शन उसके घर के हर कमरे में फैला हुआ है और उन्हें रंगों से लेकर "मज़ेदार संग्रह" और एक विशाल हैलोवीन डिस्प्ले तक, अलग-अलग हिस्सों में व्यवस्थित किया गया है. उन्होंने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को बताया, "मुझे लगता है कि मैं सक्विशमैलो इकट्ठा करना तभी बंद करूंगी जब वे सक्विशमैलो का उत्पादन बंद कर देंगे." उन्होंने आगे कहा कि कई मौकों पर "मैं सबसे नए सक्विशमैलो को लाने के लिए दो घंटे की दूरी तय करती हूं. मैंने ठंड में स्टोर खुलने का दो घंटे तक इंतज़ार भी किया है ताकि मैं यह सुनिश्चित कर सकूं कि मुझे एलेक्सी द काउ सक्विशमैलो मिल जाए जिसकी मुझे तलाश थी!" सबरीना का संग्रह जनवरी 2018 में शुरू हुआ था. उस सयम उन्होंने अपने स्थानीय वॉलमार्ट की अलमारियों पर फर्न द वैलेंटाइन फॉक्स को देखा. यह पहली बार नहीं है जब उन्हें खिलौने इकट्ठा करना पसंद है; जब वह छोटी थी तो उनके पास ब्राट्ज़ गुड़िया, बार्बी गुड़िया और बिल्ड-ए-बियर थे. उन्होंने कहा कि संग्रह होने से उसे "संपूर्ण" महसूस होता है. उसका कुत्ता सक्विशमैलो संग्रह उसे उसके बचपन के कुत्ते की याद दिलाता है, जबकि अन्य उसके पसंदीदा फिल्म फ्रैंचाइजी के किरदारों पर आधारित हैं, और उसके कुछ खिलौनों का नाम 'सबरीना' है, जिससे उन्हें अपने नाम वाले सभी खिलौने चाहिए।

जुगाड़ में एक्सपर्ट ठेकेदार ने बनाया ऐसा घर, जिसे देख नहीं होगा यकीन

पूछेंगे-छत पर कैसे जाएंगे?

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक इमारतों का निर्माण हुआ है, जिसे देखकर ऐसा लगता है कि ये कोई अजूबा हो. इन बिल्डिंग्स को देखने के बाद नजरें हटाए नहीं हटतीं. दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा हो या फिर छोटी सी जमीन में बना कोई बंगला. बेहतर डिजाइन और आर्किटेक्ट की वजह से ये लोगों को पसंद आते हैं. इन इमारतों को बनाने का श्रेय एक बेहतर इंजीनियर को जाता है. लेकिन गांवों में बिल्डिंग बनाने का जिम्मा ठेकेदारों को दे दिया जाता है. गांव वालों की नजर में ये भी किसी इंजीनियर से कम एक्सपर्ट नहीं माने जाते. लेकिन ठेकेदारों का भरोसा ज्यादातर जुगाड़ पर ही होता है. ऐसे में कई बार बड़ी गलतियां भी हो जाती हैं. ऐसा ही कुछ इस वायरल हो रहे वीडियो में देखने को मिलेगा. दो मंजिला इमारत में सीढ़ियां तो बनी हुई हैं, लेकिन दूसरी मंजिल की छत पर जाएं कैसे? ये सवाल जरूर उठेगा.

वीडियो पर लिखे कैप्शन में इकबाल ने लिखा है कि ठेकेदार ने ये कैसा सीढ़ी बना दिया, अब छत पर कोई कैसे जाएगा? वायरल हो रहे इस पोस्ट में आप खुद देख सकते हैं कि खेतों के बीच में दो मंजिला इमारत बना दी गई है. जोर-शोर से उसका काम चल रहा है. पाइप लगाकर पानी की तराई भी की जा रही है. लेकिन सवाल ये है कि पहली मंजिल पर जाने वाली सीढ़ी के ठीक ऊपर दूसरी मंजिल के लिए सीढ़ी बनी है. ऐसे में कोई पहली मंजिल पर पहुंच तो जाएगा, लेकिन दूसरी मंजिल की छत पर जाने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है. हालांकि, हो सकता है कि घर के अंदर से घुसकर छत पर जाने का रास्ता बना हो. लेकिन ऐसा डिजाइन भला कौन बनाता है? इस घर को देखने के बाद आपको भी यकीन नहीं होगा और कंफ्यूजन बढ़ जाएगा. सोचेंगे कि वाकई में छत पर कैसे जा सकते हैं.

83 साल पुरानी फोटो में दिखा टाइम ट्रैवल का सबूत

सोशल मीडिया पर देखकर लोग हैरान

दुनिया में लंबे समय से टाइम ट्रैवल को लेकर चर्चा चल रही है। अक्सर टाइम ट्रैवेलिंग की कहानियां सुनने और पढ़ने को मिलती हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या कोई व्यक्ति समय यात्रा कर सकता है? कई हॉलीवुड फिल्मों में बेहद अनोखे अंदाज में समय यात्रा को दिखाया गया है। इन फिल्मों को देखकर लोगों को समय यात्रा (टाइम ट्रैवल) पर यकीन हो जाता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि समय यात्रा सिर्फ कल्पना है, लेकिन कई बार ऐसे सबूत सामने आते हैं, जो टाइम ट्रैवल को सच साबित करते हैं। अब इन दिनों सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें समय यात्रा को लेकर एक हैरान करने वाली चीज दिख रही है। अब इस तस्वीर को लेकर लोगों के बीच बहस छिड़ गई है। इस पुरानी फोटो में एक डरावनी डिटेल दिख रही है, जिसके देखने के बाद लोग सवाल खड़े रहे हैं। एडवर्ड रॉस्कम ने साल 1941 में शिकागो के साउथ साइड पर दिमाग चकरा देने वाली इस ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर को खींची थी। अब तस्वीर ने कुछ गंभीर सवाल खड़े किए। दरअसल, यह तस्वीर में एक सिनेमाघर के बाहर कही है। इसमें बच्चों की एक कतार दिखाई दे रही है। सबसे खास बात यह है कि सबसे आगे खड़े लड़के के हाथ में आईपैड जैसी दिखने वाली कोई चीज दिख रही है। टाइमट्रैवलरकॉट नामक रेडिट थ्रेड पर इस तस्वीर को शेयर किया गया है। लोगों ने कहा है कि कोई टाइम ट्रैवलर है जो पास्ट यानी भूतकाल में गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 29 सितंबर, 2024

सुविचार: असल बात प्यार करना है, प्यार पाना नहीं।

फैमिली डिजिटल कार्ड में मालकिन के रूप में महिला की पहचान की जानी चाहिए : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया है कि फैमिली डिजिटल कार्ड में घर की मालकिन के रूप में महिला की पहचान की जानी चाहिए और कार्ड के पीछे परिवार के अन्य सदस्यों के नाम और विवरण दर्ज किए जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को सचिवालय में फैमिली डिजिटल कार्ड (एफडीसी) के संबंध में समीक्षा की। इस अवसर पर, 25 से 27 सितंबर तक राजस्थान, हरियाणा, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्यों का दौरा करने वाले अधिकारियों द्वारा फैमिली डिजिटल कार्ड पर किए गए अध्ययन पर एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया गया। अधिकारियों ने कार्ड के डिजाइन, कार्ड के फायदे और नुकसान के बारे में संबंधित राज्यों से एकत्र किए गए विवरणों को समझाया। बाद में, मुख्यमंत्री ने फैमिली डिजिटल कार्ड के डिजाइन पर अधिकारियों को कई निर्देश दिए। रेवंत रेड्डी ने यह भी सुझाव दिया कि मौजूदा राशन, राजीव आरोग्यश्री, आईटी, कृषि और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के आंकड़ों के आधार पर परिवारों की पहचान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के कार्डों के डिजाइन और जारी करने के सर्वोत्तम पहलुओं को अपनाया जाना चाहिए और दोषों को ठीक किया जाना चाहिए।

सीएम ने कहा कि बैंक खातों और पैन कार्ड जैसी अनावश्यक जानकारी एकत्र करने की कोई आवश्यकता नहीं है। बाद में, मुख्यमंत्री ने सलाह दी कि तेलंगाना के 119 विधानसभा क्षेत्रों में से दो क्षेत्रों, एक ग्रामीण और एक शहरी, को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चुना जाना चाहिए। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, दामोदर राजा नरसिम्हा और पोन्नम प्रभाकर, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव शांति कुमारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह को उनकी जयंती पर जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आसिफाबाद में रास्ता रोको प्रदर्शन

कुमराम भीम आसिफाबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को आसिफाबाद मंडल के बुरुगु गुडा गांव में एक नाबालिग छात्रा के साथ कथित रूप से बलात्कार करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर छात्रों और स्थानीय लोगों ने एनएच 363 पर रास्ता रोको प्रदर्शन किया। जिला परिषद हाई स्कूल के छात्रों, पीड़िता के माता-पिता और बुगुरु गुडा गांव के निवासियों ने न्याय की मांग करते हुए और अपराधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मंचेरियल-चंद्रपुर राजमार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात जाम कर दिया। उन्होंने अपराधी के खिलाफ नारे लगाए। वे चाहते थे कि पुलिस जल्द से जल्द मामला दर्ज करके उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

पुलिस ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया तो उन्होंने विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को स्कूल और गांव की आठवीं कक्षा की छात्रा को उसके पड़ोसी ने घर में बंद करके कथित तौर पर बलात्कार किया। आरोपी व्यक्ति नशे की हालत में था। कुछ पड़ोसियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पड़ोसी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हाइड्रा जिम्मेदारी का प्रतीक है, डर का नहीं : रंगनाथ

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति निगरानी और संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के आयुक्त रंगनाथ ने सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया है।

शनिवार को यहां सचिवालय में मीडिया से बात करते हुए, रंगनाथ ने नगर प्रशासन और शहरी विकास (एमएएंडयूडी) के प्रमुख सचिव दाना किशोर के साथ कहा कि हाइड्रा का प्राथमिक लक्ष्य झीलों, नहरों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों की रक्षा करना है। अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए, जो जीवन के अधिकार के हिस्से के रूप में स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार को बरकरार रखता है, उन्होंने दोहराया कि हाइड्रा इन संपत्तियों को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है। रंगनाथ ने जोर देकर कहा कि नदियां, झीलें और नहरें सार्वजनिक संपत्ति हैं, फिर भी सोशल मीडिया पर हाइड्रा के बारे में गलत जानकारी प्रसारित हो रही है। उन्होंने खुलासा किया कि अमीनपुर में हजारों एकड़ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया गया है। रंगनाथ ने कहा कि अमीनपुर में एक अवैध संरचना को ध्वस्त करने के बावजूद, इसे जल्दी से फिर से बनाया गया और झूठे दावे किए गए कि इमारत में एक अस्पताल है, जबकि ऐसा नहीं था। आयुक्त ने यह भी उल्लेख किया कि कुछ शक्तिशाली व्यक्ति अनधिकृत निर्माण में शामिल हैं। उन्होंने खुलासा किया कि अब तक 21 से 22 क्षेत्रों में अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया गया है। डुंडीगल और अमीनपुर में, कुछ व्यक्तियों ने फर्जी परमिट जारी किए और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा, इस तरह की फर्जी अनुमति जारी करने में शामिल होने के लिए एक पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया था। आयुक्त ने जनता से हाइड्रा को एक राक्षसी या डराने वाले संगठन के रूप में चित्रित नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि हाइड्रा जिम्मेदारी और विश्वास का प्रतीक है, उन्होंने कहा कि देश में इसके जैसा कोई अन्य तंत्र नहीं है।

आज से मानसून की बारिश शुरू होने की उम्मीद

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। थोड़े समय की शांति के बाद, हैदराबाद में बारिश की वापसी होने की उम्मीद है, मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले 48 से 72 घंटों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। रविवार से शहर में भारी बारिश होने की संभावना है, जिससे शहर के उन हिस्सों को राहत मिलेगी जहां शुष्क स्थिति बनी हुई है। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी के मौसम अनुसंधान एवं पूर्वानुमान (डब्ल्यूआरएफ) मॉडल मानचित्रों के अनुसार, विशेष रूप से रविवार और 29 सितंबर को वर्षा की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। सिकंदराबाद और अलवाल जैसे क्षेत्रों सहित शहर के पूर्वी हिस्सों में भारी वर्षा होने का अनुमान है। इस बीच, सेरिलिंगमपल्ली और कुथबुल्लापुर जैसे मध्य और पश्चिमी क्षेत्रों में हल्की वर्षा होने की उम्मीद है। मौसम विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि बारिश के बावजूद शहर में नमी का स्तर ऊंचा बना रहेगा। दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा ऊपर रहने की उम्मीद है।

7 देशी बंदूकों, 11 जिंदा कारतूसों के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशन टीम ने शनिवार को एक ऐसे व्यक्ति को पकड़ा जिसके पास कथित तौर पर देसी हथियार थे। पुलिस ने उसके पास से 7 देसी हथियार और 11 जिंदा कारतूस बरामद किए। आंध्र प्रदेश के मूल निवासी और सुरराम में रहने वाले बी साई राम रेड्डी नामक व्यक्ति ने एक पिस्तौल, एक रिवॉल्वर, एक टेपंचा और चार एयर पिस्तौल के साथ-साथ 11 जिंदा कारतूस सहित सात हथियार खरीदे थे। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने कहा कि साई राम ने हथियार बेचकर पैसे कमाने की योजना बनाई थी। विशेष सूचना मिलने पर एसओटी ने उसे पकड़ लिया और हथियार जब्त कर लिए। साईं राम पहले भी चोरी के मामलों में शामिल रहा है और उसे जेल भेजा गया था। पुलिस उस व्यक्ति को पकड़ने का प्रयास कर रही है जिसने साईं राम को हथियार बेचे थे।

आरटीसी शुरू करेगी जेबीएस मार्ग पर ई-बसें

33 इलेक्ट्रिक सुपर लग्जरी बसें आज से चलेंगी सड़कों पर

परिवहन मंत्री करेंगे उद्घाटन

करीमनगर, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीआरटीसी के करीमनगर क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए मंच तैयार हो गया है। शुरुआत में, करीमनगर और हैदराबाद के जुबली बस स्टेशन के बीच 33 इलेक्ट्रिक सुपर लग्जरी बसें चलाई जाएंगी। आरटीसी अधिकारियों ने रविवार को यहां अंबेडकर स्टेडियम में होने वाले इलेक्ट्रिक बसों के शुभारंभ के लिए व्यापक व्यवस्था की है। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, मंत्री डी. श्रीधर बाबू और एन. उत्तम कुमार रेड्डी तथा आरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार बसों का उद्घाटन करेंगे।

पर्यावरण की रक्षा करने के साथ-साथ ईंधन के बोझ को कम करने के लिए, टीजीआरटीसी विभिन्न मार्गों पर इलेक्ट्रिक बसें शुरू कर रहा है। अपनी योजनाओं के हिस्से के रूप में, करीमनगर क्षेत्र को 70 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की गई हैं, जबकि क्षेत्रीय अधिकारियों ने 100 बसों के लिए अनुरोध किया था। इनमें से 35 बसें पहले ही करीमनगर पहुंच चुकी हैं। शुरूआत में करीमनगर-जेबीएस के बीच ग्रॉस-कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीएस) सिस्टम पर 33 बसें चलाई जाएंगी। दो गाड़ियां स्टैंडबाय पर रखी जाएंगी। एक निजी फर्म जेबीएम इन सभी इलेक्ट्रिक बसों को करीमनगर-2 डिपो से चलाएगी, जिसे पहले ही निजी ऑपरेटर को सौंप दिया गया है।

इस संबंध में निजी फर्म और टीजीआरटीसी दोनों ने पहले ही एक समझौता कर लिया है। ड्राइवरों की नियुक्ति के अलावा बसों का संचालन निजी फर्म द्वारा किया जाएगा, जबकि आरटीसी कंडक्टरों की आपूर्ति करेगा और संचालन की निगरानी करेगा। डिपो में कुल 14 चार्जिंग पॉइंट बनाए गए हैं। 11 केवी बिजली आपूर्ति लाइन बिछाने के अलावा तीन बिजली ट्रांसफार्मर भी लगाए गए हैं।

70 वाहनों का पूरा बेड़ा मिलने के बाद, अधिकारी करीमनगर-जेबीएस मार्ग पर 39 बसें, करीमनगर-गोदावरीखानी मार्ग पर नौ, करीमनगर-मंथनी मार्ग पर चार, करीमनगर-कामारेड्डी मार्ग पर छह, करीमनगर-जगतियाल में छह और करीमनगर-सिरसिल्ला मार्ग पर छह बसें चलाएंगे। आरटीसी सूत्रों ने बताया कि निजी प्रबंधन के तहत इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के राज्य सरकार के निर्णय के तहत करीमनगर-2, निजामाबाद, वारंगल, नलगोंडा, सूर्यापेट और हैदराबाद-2 डिपो सहित कुछ डिपो को निजी ऑपरेटरों को सौंप दिया गया है।

अब खनन विभाग में हुआ 150 करोड़ रुपये का रेत घोटाला

केटीआर ने लगाया गंभीर आरोप

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के अधीन खनन विभाग में 150 करोड़ रुपये का बड़ा रेत घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि फर्जी दस्तावेज और रसीदें तैयार की गईं, जिससे 150 करोड़ रुपये मूल्य की 1,50,000 टन रेत का दुरूपयोग किया गया। अपराधियों ने कथित तौर पर झूठे कागजात बनाकर रेत का दुरूपयोग किया, यह दावा करते हुए कि यह हैदराबाद मेट्रो वाटर वर्क्स की जरूरतों के लिए था।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी के विभाग के भीतर हुए इस घोटाले ने सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता या जानकारी पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने रेत चोरी की तत्काल जांच की मांग की और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बीआरएस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि इतने बड़े पैमाने पर घोटाला उच्च अधिकारियों की जानकारी के बिना नहीं हो सकता और मामले से निपटने में पारदर्शिता की मांग की।

ऐतिहासिक बावड़ियों का कायाकल्प करने में जुटा भारत बायोटेक

वास्तुशिल्प बहाल करने का काम हुआ तेज

स्थायी जल प्रबंधन को दिया जा रहा बढ़ावा : सुचित्रा

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत बायोटेक ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), तेलंगाना और एसएएचई (द सोसाइटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ ह्यूमन एंडेवर) के साथ साझेदारी में अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत अम्मापल्ली मंदिर और सालार जंग संग्रहालय में ऐतिहासिक बावड़ियों का कायाकल्प और वास्तुशिल्प बहाल करने का काम किया है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन बावड़ियों को बहाल करके भारत बायोटेक का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना, जल संरक्षण को बढ़ावा देना और तेलंगाना में पारिस्थितिक विरासत पर्यटन को बढ़ावा देकर जीवन और आजीविका में सुधार करना है। भारत बायोटेक की एमडी सुचित्रा एला ने कहा कि हम इन महत्वपूर्ण, प्राचीन बावड़ियों में नई जान फूंकने के दूरगामी उद्देश्य का समर्थन कर रहे हैं, समुदाय को अपनी समृद्ध विरासत से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं और स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा दे रहे हैं।

इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए, भारत बायोटेक पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और इको-हेरिटेज पर्यटन का समर्थन करने के लिए सीआईआई के साथ सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय सरकार और उद्योग हितधारकों के साथ साझेदारी न केवल अम्मापल्ली मंदिर और सालार जंग संग्रहालय की इन बावड़ियों को बहाल करने के लिए बल्कि उनके सांस्कृतिक महत्व के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए साझा समर्पण को भी दर्शाती है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पानी के महत्वपूर्ण स्रोत रहे बावड़ियां, प्राचीन इंजीनियरिंग और वास्तुकला के उल्लेखनीय उदाहरण हैं। माना जाता है कि अम्मापल्ली मंदिर की बावड़ी 13वीं शताब्दी की है, जिसने सदियों तक तीर्थयात्रियों और स्थानीय समुदायों को पानी उपलब्ध कराया। इसी तरह, सालार जंग संग्रहालय में बावड़ी, जो कुतुब शाही काल की है, कला और कलाकृतियों के अपने उत्कृष्ट संग्रह के लिए जानी जाती है, सामुदायिक संसाधन के रूप में ऐतिहासिक महत्व रखती है। आज, दिल्ली में अग्रसेन की बावली जैसी प्रतिष्ठित बावड़ियां कई पर्यटकों को आकर्षित करती हैं, और अहमदाबाद के पास रानी की वाव को यूनेस्को विरासत का दर्जा भी मिला है। हालांकि, छोटी, कम अलंकृत बावड़ियों के लिए स्थिति काफी अलग है। घरों में पानी की निरंतर आपूर्ति के साथ, इन पारंपरिक संरचनाओं ने अपना महत्व खो दिया है। शहरी क्षेत्रों के विस्तार के लिए कई को ध्वस्त कर दिया गया है, जबकि अन्य को दुर्भाग्य से डंपिंग ग्राउंड के रूप में फिर से इस्तेमाल किया गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना। एडमिन यूनिट/जोन : लखनऊ-पू.उ.रे.मण्डल-वाणिज्य/पू.उ.रे. नीलामी सूची सं./लॉट सं : LJN-FSLR-19-24 नीलामी सूची प्रकाशन तिथि: 24.09.2024 समय 14:25 बजे नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट): 14.10.2024 समय 13:00 बजे नीलामी बन्द करने की तिथि व समय : 14.10.2024 समय 13:40 बजे नीलामी का प्रकार : Close Ended वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है। : E-Auction Module of www.ireps.gov.in

मुजाधि/वा.-148

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

ठेका मजदूरों के लिए वेतन बढ़ाने की मांग

सीआईटीयू ने कलेक्ट्रेट में दिया धरना

खम्मम, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीआईटीयू कार्यकर्ताओं ने अनुबंध, आउटसोर्सिंग और अस्थायी श्रमिकों के वेतन में वृद्धि की मांग को लेकर शनिवार को यहां कलेक्ट्रेट पर धरना दिया। सीआईटीयू के राज्य सचिव बी मधु और जिला सचिव के वेंकटेश्वर राव ने सभा को संबोधित करते हुए सरकार से खम्मम में ईएसआई अस्पताल स्थापित करने और अनुबंध, आउटसोर्सिंग श्रमिकों की सेवाओं को नियमित करने या उन्हें सरकारी कर्मचारियों के बराबर वेतन देने की मांग की। नेताओं ने बताया कि यूनियन ने निजी उद्योगों, राज्य और केंद्र सरकारों में अनुबंध, आउटसोर्सिंग और अस्थायी श्रमिकों, विश्वविद्यालयों, स्वास्थ्य, बिजली, एससीसीएल, टीएसआरटीसी और अन्य में गैर-शिक्षण कर्मचारियों के सामने आने वाले मुद्दों पर 5 सितंबर से एक अभियान चलाया है।

उन्होंने कहा कि न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने, श्रम कानूनों और अंतर-राज्यीय प्रवासी श्रमिक अधिनियम 1979 को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग को लेकर गेट मीटिंग, समूह बैठकें और हस्ताक्षर अभियान जैसी गतिविधियां चलाई गईं। नेताओं ने शिकायत की कि अनुबंध, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को ठीक से छुट्टियां नहीं दी जा रही हैं और खम्मम नगर निगम में सफाई कर्मचारियों को नगर निगम के जवानों द्वारा परेशान किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जवानों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो व्यापक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। सीटू के जिलाध्यक्ष टी विष्णुवर्धन, नेता पी राम्या, टी तिरुमाला चारी, जे उपेंदर, जनक श्रीनु आदि उपस्थित थे।

विस्थापितों को मकान आवंटन का विरोध

2बीएचके लाभार्थियों ने किया विरोध

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मूसी नदी के किनारे छोटे-छोटे शेडों में रहने वाले परिवारों को चंचलगुडा और अन्य क्षेत्रों में सरकारी 2बीएचके घरों में स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है, लेकिन डबल बेडरूम के वास्तविक लाभार्थी चिंतित हो रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि वे उनसे वादा किए गए घरों को खो सकते हैं और अब वे सरकार के कदम पर सवाल उठा रहे हैं। चंचलगुडा के पास पिल्लीगुडीसेलु में करीब 284 घर बनाए गए थे, जिनमें से 142 लाभार्थियों को वितरित किए गए जबकि शेष 142 खाली पड़े थे। शुक्रवार को अधिकारियों ने चंचलगुडा और जियागुडा सरकारी स्थलों पर स्थित 2बीएचके घरों के दस्तावेज मूसी नदी के किनारे रहने वाले 20 परिवारों को सौंपे। जैसे ही यह खबर फैली कि सरकार खाली पड़े घरों को मूसी परियोजना के विस्थापितों को आवंटित कर रही है, कई लाभार्थी 2बीएचके स्थलों पर पहुंच गए और अपने भाग्य के बारे में पूछताछ करने लगे।

जियागुडा और अन्य स्थानों के लाभार्थी, जहां पिछली सरकार द्वारा 2बीएचके आवासों का निर्माण किया गया था, चिंतित हैं, क्योंकि कांग्रेस सरकार ने घोषणा की है कि वह मूसी नदी क्षेत्र से विस्थापित होने वाले 15,000 से अधिक परिवारों को आवास उपलब्ध कराएगी। उन्होंने तर्क दिया कि अधिकारियों ने जीएचएमसी सीमा में लाभार्थियों को 68,841 2बीएचके सौंपे हैं और लगभग 31,000 निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। अगर सरकार मूसी नदी के किनारे से विस्थापित होने वाले परिवारों को 15,000 घर सौंपती है, तो इन घरों का इंतजार कर रहे बड़ी संख्या में लोग वंचित रह जाएंगे। लाभार्थियों ने दावा किया कि उन्हें उनके आवेदनों की जांच और लॉटरी के बाद घर मिले हैं और अगर सरकार ने उनके घर मूसी नदी के किनारे से विस्थापित लोगों को देने की कोशिश की तो वे चुप नहीं बैठेंगे। लाभार्थियों ने सरकार के इस कदम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

दीक्षा को लेकर भाजपा ने की बैठक

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में इस महीने की 30 तारीख को सुबह 11 बजे से शुरू होकर 1 अक्टूबर को सुबह 11 बजे तक होने वाले दीक्षा को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भाजपा विधायक दल के नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी, भाजपा प्रदेश महासचिव किसान मार्चा राज्य प्रभारी गुज्जुला प्रेमेंदर रेड्डी, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कोंडापल्ली श्रीधर रेड्डी, भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य गोली मधुसूदन रेड्डी, पपैया गौड़ और अन्य ने भाग लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि बीजेपी चाहती है कि 30 तारीख को होने वाली दीक्षा में तेलंगाना राज्य से बड़े पैमाने पर किसान शामिल हों और राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए बीजेपी का समर्थन करें।

॥ हरि ॐ ॥ शवयात्रा ॥ हरि ॐ ॥

स्व. श्रीमती हेमलता सेन

धर्मपत्नी : निर्मलकुमार सेन । मरुधर मे मुसालिया

शवयात्रा, आज, दि. 29 सितम्बर रविवार प्रातः 11 बजे हमारे निवास स्थान बी.जे.आर. कॉलोनी, जमीगड्डा से सब्जी मार्केट रोड़ शमशान वाटिका जायेगी

: शोकाकुल :

नारायणलाल, गुलाबचन्द, प्रकाशचन्द, गौतमचन्द, सुरेशकुमार, रमेशकुमार (जेठ), देवीलाल, श्रवणकुमार, अभिषेक, महावीर, विशाल, उगमराज, दिलीपकुमार, अजय, विशाल (जेठुता), अनिल, हर्ष, मोहित (पुत्र), खुशवीर (पौत्र) एवं समस्त खुडालिया चौहान परिवार

हेमलता ज्वैलर्स

जमीगड्डा, जयकिसान कॉलोनी, कापरा

9440531159, 9441082190

P.Solankey

अधिकारियों के नाम से पहले 'ऑनरेबल' लगाने का कोई नियम है क्या

हाई कोर्ट ने यूपी सरकार से पूछा जवाब

प्रयागराज, 28 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा है कि क्या अधिकारियों के नाम के आगे 'ऑनरेबल' इस्तेमाल करने का कोई नियम है या फिर नहीं। कोर्ट ने इस प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी तलब की है। जस्टिस जे जे मुनीर की बेंच ने राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव से इस संबंध में ऐफिडेविट तलब किया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कृष्ण गोपाल राठौर नामक शख्स की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश जारी किया है। राठौर ने याचिका में इटावा के कलेक्टर की तरफ से कानपुर के डिविजनल कमिश्नर को लिखे आधिकारिक पत्र में 'ऑनरेबल कमिश्नर' लिखे जाने का हवाला दिया। हाई कोर्ट ने इस दौरान पाया कि सरकार में विभिन्न पदों पर बैठे लोगों के लिए इसका यूज किया जाता है। कोर्ट ने कहा कि यह तो स्पष्ट है कि 'ऑनरेबल' का इस्तेमाल मंत्री या फिर विशिष्ट पदों पर आसीन लोगों के लिए किया जाता है। लेकिन यह जानकारी में नहीं है कि क्या राज्य सरकार में सेवारत सचिव या अधिकारियों के लिए 'ऑनरेबल' का प्रयोग होता है या फिर नहीं। क्या इस संबंध में कोई प्रोटोकॉल है? अब आगामी एक अक्टूबर को मामले की सुनवाई फिर से की जाएगी।

लखनऊ में रिटायर्ड आईएएस के साथ लूट

छीना झपटी में जमीन पर गिरे; कंधा फ्रैक्चर हुआ, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी

लखनऊ, 28 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के विकास नगर सेक्टर-3 इलाके में टहलने निकले पूर्व आईएएस के साथ लूट हुई। बाइक सवार लुटेरों ने विरोध करने पर धक्का दे दिया, जिससे वो जमीन पर गिर गए। कंधा फ्रेक्चर हो गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक विकास नगर इलाके में रहने वाले प्रेम नारायण द्विवेदी रिटायर्ड आईएएस हैं। शुक्रवार रात घर के पास ही टहलने निकले थे। तभी करीब 10 बजे बाइक से दो लुटेरे आए और छीना झपटी करने लगे। जिसका प्रेम नारायण ने विरोध किया तो उन्हें धक्का दे दिया।

गिरने से कंधे में हुआ फ्रैक्चर

बदमाशों के धक्के से प्रेम नारायण द्विवेदी जमीन पर गिर गए। शोर-शराबा सुनकर आसपास भीड़ जुटने लगी। तभी मौका देखकर लुटेरे भाग निकले। जमीन पर गिरने से उनके कंधे फ्रैक्चर हो गया है। परिजनों ने प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराया है।

मामले में विकास नगर इंस्पेक्टर का कहना है, कि शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। संदिग्ध लुटेरों की तलाश में घटनास्थल के आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

अमेठी में हादसा, ट्रेन की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत

अमेठी, 28 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के अमेठी जिले के गौरीगंज थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन के निकट प्रतापगढ-कानपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक लखीमपुर के रहने वाले प्रमोद यादव (28) और रोहित विश्वकर्मा (24) आज सुबह इंटरटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आ गये और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार घटना उस समय हुई जब दोनों सुबह के समय कान में मोबाइल की लीड लगाकर रेल की पटरी पर चहलकदमी कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि दोनों गौरीगंज के ऐंधी गांव मे निर्माणाधीन अनाज गोदाम में टीन शेड लगाने आये थे। गौरीगंज के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अखिलेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

29 सप्ताह की प्रेगनेंट पीड़िता को लेकर कोर्ट ने दिया निर्णय

इन आदेशों के साथ दी अबॉर्शन की इजाजत

प्रयागराज, 28 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में हाल ही में एक मामला सामने आया, जहां पीड़िता के परिजन कोर्ट से पीड़िता के गर्भपात के लिए इजाजत मांगने पहुंचे। नाबालिग पीड़िता 29 सप्ताह की गर्भवाती है। एमटीपी अधिनियम में 2021 के संशोधन के बाद महिलाओं को अनचाही प्रेगनेंसी (अपराध का शिकार हुई हो) में 24 सप्ताह तक अबॉर्शन कराने की छुट है। जहां एक्ट के मुताबिक 24 सप्ताह तक अबॉर्शन कराने की छुट है। वहीं, इस मामले में पीड़िता 29 सप्ताह की गर्भवाती थी। नाबालिग पीड़िता और उसके परिवार ने अबॉर्शन कराने की अनुमति के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए मेडिकल बोर्ड के गठन का निर्देश दिया, जिसने अपनी रिपोर्ट पेश की।

मेडिकल बोर्ड ने क्या कहा?

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया कि गर्भ लगभग 29 सप्ताह का है। रिपोर्ट में कहा गया कि अगर पीड़िता गर्भपात नहीं कराती है और प्रेगनेंसी जारी रखती है तो इससे पीड़िता के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचेगा। इस केस में पीड़िता और उसके परिवार के सदस्य मेडिकल अबॉर्शन चाहते थे। इसी के चलते न्यायालय ने उनकी याचिका स्वीकार कर ली और अबॉर्शन की अनुमति दे दी।

कोर्ट ने क्या कहा?

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में डॉक्टरों को लेकर कहा कि प्रदेश में चीफ मेडिकल ऑफिसर और डॉक्टरों को महिला की जांच करते समय अनचाहे गर्भ को हटाने (टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी) के मामलों में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी नहीं होती। हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव मेडिकल हेल्थ और परिवार कल्याण को मानक संचालन प्रक्रिया (एस ओ पी) जारी करने का निर्देश दिया है, जिसका पालन सभी मुख्य मेडिकल ऑफिसर और गठित बोर्डों करेंगे। जज शेखर बी।सराफ और जज मंजीव शुक्ला की बेंच ने कहा, कई मामले ऐसे आए जिनसे पता चला कि जिलों के चीफ मेडिकल ऑफिसर सहित मेडिकल कॉलेजों और पीड़िता की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त डॉक्टरों को पीड़िता की जांच करते समय और उसके बाद मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में उचित जानकारी नहीं है।

"पीड़िता के नाम को गुप्त रखा जाए"

कोर्ट ने कहा, इस मामले में उसी प्रक्रिया का इस्तेमाल किया जाना चाहिए जोकि मेडिकल अबॉर्शन एक्ट 1971 में निर्धारित की गई है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी रूल्स, 2003 और मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी रेगुलेशन, 2003 के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों में भी इसका उल्लेख किया गया। कोर्ट ने कहा, पूरी प्रक्रिया में संवेदनशीलता को ध्यान में रखना होगा। कोर्ट ने डॉक्टर्स को लेकर कहा, यह गंभीर चिंता की बात है कि कुछ जिलों के डॉक्टर उन प्रक्रिया से बिल्कुल अनजान है जिनको इन मामलों में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने स्थापित किया है।

बीएचयू के 11 वैज्ञानिकों पर भारत बायोटेक ने किया पांच करोड़ की मानहानि का दावा

वाराणसी, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बीएचयू के विवादित रिसर्च कोवैक्सीन के नुकसान वाले शोध पत्र को इंटरनेशनल जर्नल ड्रग सेफ्टी ने वापस ले लिया है। संपादक ने बताया कि लोगों पर वैक्सीन के नुकसान को गलत तरीके से दिखाया गया है। शोध पत्र की समीक्षा के बाद उसे पब्लिक प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया है। कोवैक्सीन बनाने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने 13 सितंबर को जर्नल और बीएचयू के प्रो. शंख शुभ्रा चक्रवर्ती समेत 11 वैज्ञानिकों पर पांच करोड़ की मानहानि का दावा किया है।

ये शोध 1024 लोगों पर हुआ था। लोगों से फोन पर बातचीत कर शोध पत्र तैयार किया गया था। इसमें 635 किशोर और 291 वयस्क शामिल थे। 304 को सांस संबंधी दिक्कत थी। किशोरियों में मासिक धर्म में अनियमितता की बात कही गई थी। शोध पत्र 13 मई को कौवैक्सीन के 'सुरक्षा विश्लेषण' (बीबीवी152) नाम से जर्नल में प्रकाशित हुआ था। बताया गया था कि उत्तर भारत में कोवैक्सीन ले चुके लोगों पर एक साल तक अध्ययन किया गया। शोध में शामिल एक-तिहाई लोगों में सांस संबंधी संक्रमण, खून के थक्के जमने, नर्वस सिस्टम डिसऑर्डर और त्वचा संबंधी रोग मिले। एलर्जी का सामना कर रहे लोगों को वैक्सीन से खतरा बताया गया था।

शोध पत्र बीते लोकसभा चुनाव के दौरान आया था। इस वजह से देश भर में खूब राजनीतिक हंगामा हुआ था। विपक्ष ने सरकार पर जोरदार हमला बोला था। शोध पत्र में आईसीएमआर का भी नाम था। जिसके बाद आईसीएमआर ने 28 मई को इस पेपर पर बैन लगाने की मांग की। वैज्ञानिकों को आईसीएमआर का नाम हटाने की बात कही थी। आईसीएमआर द्वारा आईएमएस बीएचयू के डायरेक्टर प्रो। एसएन संखवार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था।

अवैध मस्जिद की दीवार तोड़ने पर जमकर बवाल दो गुटों में चले ईंट पत्थर भारी पुलिस बल तैनात

बरेली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के बरेली में विवादित धार्मिक स्थल को तोड़े जाने के बवाल मच गया, दिसके बाद दो समुदायों के लोग आमने-सामने आ गए. इस दौरान दोनों तरफ से ईट-पत्थर चले और जमकर नारेबाजी हुई. घटना की खबर मिलते हैं बीजेपी विधायक भी मौके पर पहुंच गए और धरने पर बैठ गए. बीजेपी विधायक ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस की सरपरस्ती में अवैध मस्जिद का निर्माण कराया जा रहा है. बरेली के क्योलडिया थाना क्षेत्र के ग्राम केलाडांडी में विवादित स्थल पर नमाज पढ़े जाने के बाद हिंदू समुदाय के लोगों ने उसकी दीवार को तोड़ दिया. जिसके बाद दोनों पक्षों के लोगों में विवाद हो गया. बताया जा रहा है कि यहां एक कमरा बनाकर उसे मस्जिद का रूप दे दिया गया था,

स्कूल की 'तरक्की' के लिए बच्चे की बलि देने पर कांग्रेस नेता बोलीं- 'मैं स्तब्ध, मेरे पास शब्द नहीं'

हाथरस, 28 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के हाथरस जिले के सहपऊ क्षेत्र में बच्चे की हत्या मामले में पुलिस ने घिनौनी घटना का खुलासा किया है। जानकारी के अनुसार, स्कूल की तरक्की के लिए तांत्रिक क्रिया के तहत कृतार्थ की बलि दी गई। अब इस मामले पर कांग्रेस ने योगी सरकार को घेरा है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि 21वीं सदी के भारत में, 78 साल आजादी के बाद हम ऐसी चीजें देख रहे हैं। हम अपने बच्चों को स्कूल इसलिए भेजते हैं कि वो पढ़े-लिखें और समाज में सुरक्षित रहें। आज कौन सा बच्चा कहां सुरक्षित है? इसके खिलाफ कार्रवाई जरूर होनी चाहिए।'

क्या बोली कांग्रेस

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, 'आज ऐसा लगता है कि पिछले कुछ सालों में हमारा देश सदियों पीछे चला गया है। जब स्कूल में खुलेआम भेदभाव किया जाएगा, इतिहास बदला जाएगा, नफरत फैलाई जाएगी बजाय कि स्कूल में विज्ञान पढ़ाया जाए तो स्कूलों में फिर ऐसे ही तंत्र और जादू-टोने की आहुति हमारे बच्चे चढ़ेंगे।' उन्होंने कहा कि मैं स्तब्ध हूं। मेरे पास शब्द नहीं है इस मामले की भर्त्सना करने के लिए। वहीं सहपऊ पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना रासगवां गांव स्थित एक आवासीय स्कूल डीएल पब्लिक स्कूल से संबंधित है। दूसरी कक्षा के छात्र कृतार्थ कुशवाहा (11 साल) की हत्या गला दबाकर की गई थी।

कई लोगों से पूछताछ

छात्र का शव स्कूल प्रबंधक की कार से बरामद किया गया था। इस मामले में कई लोगों से पूछताछ करने के बाद पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। मृतक के पिता कृष्ण कुमार की ओर से 23 सितंबर को सहपऊ थाना में तहरीर दी गई थी, जिसके आधार पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक ने इस मामले में आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए थाना सहपऊ पुलिस को निर्देश दिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में राम प्रकाश सोलंकी, दिनेश बघेल, जशोधन सिह उर्फ भगत, लक्ष्मण सिंह, और वीरपाल सिंह उर्फ वीरू शामिल हैं। सभी आरोपी अलग-अलग गांव के रहने वाले हैं।

योगी के मंत्री का फरमान, विधायकों के फोन पर डीएम और एसपी को 'जी सर' कहना पड़ेगा

कुशीनगर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह अपने एक फरमान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। मंत्री जी ने साफ कर दिया है कि कुशीनगर मंडल में अब से डीएम और एसपी किसी भी जनप्रतिनिधि के फोन के नजरअंदाज नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर किसी विधायक का इन अधिकारियों के पास फोन जाता है तो एसपी हो या डीएम उन्हें 'जी सर' कहना पड़ेगा। ये सुनकर भले ही आपको हैरानी हो लेकिन दिनेश प्रताप सिंह ने इस संबंध में डीएम और और एसपी समेत जनपद के तमाम बड़े अधिकारियों को ये आदेश दिया है। दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि कुशीनगर में बीजेपी मण्डल अध्यक्ष के क्षेत्र में जितने भी थाना, तहसील, एसडीएम, तहसीलदार आते हैं उन्हें अपने मोबाइल में मंडलअध्यक्ष का मोबाइल नंबर सेव करना होगा। उन्होंने कहा कि डीएम, एसपी, एडीएम के मोबाइल फोन में भी बीजेपी जिला संगठन के सभी पदाधिकारियों का नंबर सेव होगा। अगर भाजपा का कोई पदाधिकारी फोन करेगा तो उसे फोन उठाना पड़ेगा यही नहीं अधिकारियों को फोन उठाने के बाद भाई साहब! या 'जी सर' बोलना पड़ेगा। दिनेश प्रताप सिंह उत्तर प्रदेश सरकार में उद्यान विभाग के मंत्री है। इसके साथ ही उन्हें कुशीनगर का प्रभारी मंत्री भी बनाया गया है। इसी सिलसिले में मंत्री जी ने कुशीनगर स्थित बीजेपी कार्यालय में संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें मंडल के सभी सांसद और विधायकों ने हिस्सा लिया,

दशहरा की छुट्टी को लेकर शिक्षकों की मांग के समर्थन में गिरिराज सिंह, सीएम नीतीश से क्या कहा?

पटना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले साल शिक्षकों की दशहरा की छुट्टी को लेकर काफी सियासत हुई थी. शिक्षा विभाग ने छुट्टियों की कटौती कर दी थी. शिक्षा विभाग ने पिछले साल दशहरा में तीन दिन की छुट्टी दी थी. इस बार भी सिर्फ तीन की ही छुट्टी है जिसे लेकर शिक्षक हंगामा कर रहे हैं और दस दिन की छुट्टी की मांग कर रहे हैं. वहीं, इस मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी शुक्रवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर ट्वीट किया है. उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से अनुरोध किया है कि 2 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक की छुट्टी दी जाए।

'तेजस्वी यादव बेशर्म हैं', स्मार्ट मीटर को लेकर छिड़ी बहस के बीच आरजेडी पर भड़की बीजेपी

पटना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। स्मार्ट मीटर के मुद्दा पर तेजस्वी यादव नीतीश सरकार पर हमलवार हैं। इस पर सियासी बहस छिड़ गई है। वहीं, बीजेपी ने प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को कहा कि तेजस्वी यादव भ्रष्टाचार के हर पहलू को समझते है वे अनुभवी व्यक्ति हैं। उनके सत्ता में रहने के दौरान यह अभियान तेजी से चला था उस समय क्यों चुप थे? वहीं, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि ये सब बेशर्म लोग हैं। जब सत्ता में थे तो उस समय स्मार्ट मीटर नजर नहीं आया था। सत्ता में रहते हैं तो सबकुछ भूल जाते हैं।

विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में बिजली चोरी रोकने के लिए स्मार्ट मीटर शुरू किए गए थे। जिस तरह प्रीपेड मोबाइल सेवाएं काम करती हैं वैसे ही बिहार में स्मार्ट मीटर प्रीपेड तकनीक है। इसमें अगर कोई कमी है तो उसे रिपोर्ट करना प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी है। सरकार उस मुद्दे को गंभीरता से स्वीकार करेगी और सुधारेगी, लेकिन केवल आरोप लगाना पर्याप्त नहीं है।

वही, इस पर स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि तेजस्वी यादव ट्वीट करने के अलावे क्या करते हैं? तेजस्वी यादव को बिहार की कोई चिंता नहीं है, न ही वे यहां के मुद्दों को समझते हैं। विकास के नाम से ही उन्हें चिढ़ होती है। सरकार किसी भी क्षेत्र में विकास का काम करती है तो उन्हें कमी दिखती है। केंद्र सरकार ने बजट में बिहार के लिए 60 हजार करोड़ रुपये दिए तो ये लोग आगबबूला हो गए थे। सदन का बहिष्कार कर दिया था। इनका काम सिर्फ ट्वीट करना है।

गाजियाबाद में बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़, तमंचा और कारतूस बरामद

गाजियाबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, उसका दूसरा साथी भागने में सफल रहा। गिरफ्तार आरोपी का नाम राहुल बताया जा रहा है। राहुल पर एनसीआर के अलग-अलग थानों में लूट, हत्या और चोरी के 18 मामले दर्ज हैं। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, थाना शालीमार गार्डन पुलिस की टीम ईएसआई अस्पताल के सामने शालीमार गार्डन की तरफ से आने वाले रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार दो व्यक्ति आराधना की ओर से आने वाले रास्ते की तरफ से आते दिखाई दिये। पुलिस ने उन्हें चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया। वह रुके नहीं और अपनी बाइक को रफ्तार से भागने लगे। पुलिस ने जब पीछा किया तो उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। इसी बीच बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

तिरुपति विवाद के बाद अयोध्या भी सतर्क, राम मंदिर के प्रसाद के नमूने जांच के लिए भेजे गए

अयोध्या, 28 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसाद में मिलावट का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि अब यूपी के अयोध्या से बड़ी खबर सामने आई है। अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में प्रसाद के रूप में बांटे जा रहे इलायची दाने के नमूने जांच के लिए झांसी की एक सरकारी प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।

क्या है पूरा मामला?

राम जन्मभूमि मंदिर में प्रसाद के रूप में वितरित किए जा रहे इलायची दाने के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जमा किए गए हैं और उन्हें झांसी की एक सरकारी प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है। सहायक खाद्य आयुक्त ने यह जानकारी दी है।

राम मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी का सामने आया बयान

राम मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया, 'औसतन, हर दिन पवित्र प्रसाद के रूप में इलायची दाने के 80 हजार पैकेट वितरित किए जाते हैं। सहायक खाद्य आयुक्त मानिक चंद सिंह ने कहा कि एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के माध्यम से दर्ज की गई शिकायत के बाद हैदरगंज में उस स्थान से नमूने खरीदे गए, जहां इलायची दाने का प्रसाद तैयार किया जाता है। इन नमूनों को व्यापक परीक्षण और मूल्यांकन के लिए झांसी राज्य प्रयोगशाला भेजा गया है।'

क्या है तिरुपति प्रसाद विवाद?

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने एनडीए विधायक दल की बैठक के दौरान तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में पशु चर्बी की मिलावट करने का आरोप लगाया था। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने इसे राजनीतिक बयानबाजी बताया था। देश के सबसे अमीर मंदिर का प्रबंधन करने वाले बोर्ड ने शुक्रवार को खुलासा किया था कि उसे गुणवत्ता की जांच के लिए भेजे गए नमूनों में घटिया गुणवत्ता के घी और पशु चर्बी की मिलावट का पता चला है।

लड्डू में पशु चर्बी की मिलावट का दावा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने किया था। इस मुद्दे को लेकर पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार पर आरोप लगाए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने इसे ध्यान भटकाने की राजनीति और मनगढ़ंत कहानी बताया था। यहां बता दें कि राम मंदिर में किसी भक्त द्वारा प्रसाद नहीं चढ़ाया जाता है, बल्कि राम भक्तों को इलायची दाने को प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। राम मंदिर में पेड़ा या रबड़ी का जो भोग लगता है, उसे सेवादार और पुजारी द्वारा तैयार किया जाता है।

बाप रे बाप! समस्तीपुर को लेकर ये क्या बोल गईं शांभवी चौधरी, सोशल मीडिया यूजर्स और जेडीयू ने जमकर लताड़ा

समस्तीपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। लोकजनशक्ति (रामविलास) की युवा सांसद शांभवी चौधरी ने अपने ताजा बयान से खुद की फजीहत करा ली है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी के समस्तीपुर जिले को लेकर दिए गए बयान पर एनडीए के घटक दल जेडीयू के प्रवक्ता नीरज सिंह ने नसीहत दे डाली है। वहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोग शांभवी को लोग 'पापा की परी' कहकर तंज कस रहे हैं। युवा सांसद शांभवी चौधरी ने एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि संसद में उनकी तरफ से समस्तीपुर का जिक्र करने के बाद ही लोगों को पता चला कि समस्तीपुर बिहार के नक्शे में कहां है। शांभवी का

यह बयान आते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें घेरना शुरू कर दिया। साथ ही, एनडीए की सहयोगी पार्टी जेडीयू ने भी इस पर नाराजगी जताई है। जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने शांभवी चौधरी का नाम लिए बिना कहा कि समस्तीपुर को विद्यापति और जननायक कर्पूरी ठाकुर की धरती के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा, 'अगर मैं बोलूं कि मेरे जन्म लेने के बाद मेरे जन्मस्थल मोकामा को सबने जाना तो यह दुखद बाद है।' नीरज कुमार ने कहा कि किसी भी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने से उस क्षेत्र का सम्मान बढ़ता है। शांभवी चौधरी ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था, 'संसद में मेरी तरफ से समस्तीपुर की बात रखने से लोगों को पता चला कि समस्तीपुर बिहार के मैप में कहां है? पहले लोगों को पता नहीं था कि समस्तीपुर नक्शे में कहां है?' शांभवी के इस बयान पर जेडीयू ने कड़ी आपत्ति जताई है। जदयू नेता नीरज कुमार ने कहा कि समस्तीपुर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि उन्हें (शांभवी) को समस्तीपुर के इतिहास के बारे में पता होना चाहिए।

समस्तीपुर के थे कर्पूरी ठाकुर

नीरज कुमार ने आगे कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर समस्तीपुर से ही थे। उन्होंने कहा, 'झोपड़ी के लाल कर्पूरी ठाकुर जब मुख्यमंत्री थे तब उनकी पत्नी बकरी चराती थी।' उन्होंने नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर को मंत्री बनाया। नीरज कुमार ने सांसदों को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें अपने शब्दों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि वह किस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सहारनपुर में महिला और बॉयफ्रेंड को आजीवन कारावास

महिला ने प्रेमी को टास्क देकर अपने पति की कराई थी हत्या, ससुर ने खोला था राज

सहारनपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कोर्ट ने पति की हत्या के मामले में महिला और उसके बॉयफ्रेंक को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतारने वाली महिला और उसके लवर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने दोनों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जिला जज बबीता रानी की कोर्ट ने पत्रावली पर आए साक्ष्यों और गवाहों की गवाही के आधार पर ये फैसला सुनाया है। शासकीय अधिवक्ता राजवीर सिंह ने बताया कि थाना नागल के गांव नैनसोब की रहने वाली सुनीता ने अपने पति मोनू उर्फ मनोज की हत्या की रिपोर्ट 20 अगस्त को दर्ज कराई थी। महिला ने गांव के ही चार लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए नामजद मुकदमा दर्ज कराया। आरोप था कि उसके पति को मजदूरी के लिए लेकर गए थे। पति देर रात तक नहीं लौटा। रिश्तेदारी में भी तलाश की। दो दिन बाद महिला के पति का शव साखन नहर के पास पड़ा मिला था। पुलिस मामले की जांच कर ही रही थी। तभी मृतक मोनू के पिता तेलूराम थाने में पहुंच गए और अपने बेटे की बहू सुनीता के खिलाफ ही तहरीर दे दी। आरोप था कि सुनीता के गांव के रहने वाले मनोज से अवैध संबंध है। दोनों ने ही मिलकर उसके बेटे मोनू की हत्या की है और नहर के पास शव फेंक दिया है। पुलिस ने मामले की जांच की और सुनीता और मनोज को अरेस्ट कर लिया। पूछताछ में हत्या करना भी कबूल किया। जांच में आरोप पत्र दाखिल किया। जिला जज बबीता रानी की कोर्ट ने पत्रावली पर आए साक्ष्यों और गवाहों की गवाही के आधार पर दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

डूसू चुनाव: 35 फीसदी हुई वोटिंग

रिजल्ट पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ का चुनाव हो चुका है। नॉर्थ और साउथ कैंपस में लगभग 1.45 लाख छात्रों ने मतदान किया है। डूसू के मुख्य चुनाव कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, 52 कॉलेजों के कुल 1,45,893 छात्रों ने नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव के चुनाव के लिए शाम 5:45 बजे तक वोट डाले। इस बार आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन, छात्र युवा संघर्ष समिति, ने चुनाव में भाग नहीं लिया। अब छात्र नेता वोटों की गिनती का इंतज़ार कर रहे हैं। बताया जा रहा है, वोटों की गिनती 21 अक्टूबर के बाद ही होगी। पहले वोटों की गिनती शनिवार को होनी थी, लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है।चुनाव को पारदर्शी तरीके से चलाने के लिए नॉर्थ और साउथ कैंपस में भारी सुरक्षा का इंतजाम किया गया था। पुलिस कर्मियों को मोटरसाइकिलों पर परिसर में गश्त करते देखा गया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने नाराजगी जताई

चुनाव के नतीजों को लेकर गहरा सस्पेंस बना हुआ है, क्योंकि दिल्ली हाईकोर्ट ने चुनाव प्रचार में नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताई थी और आदेश दिए जाने तक चुनाव के नतीजे जारी करने पर रोक लगा दी थी। वहीं, छात्र संगठनों से जुड़े छात्रों का कहना है कि इस बार के चुनाव में विश्वविद्यालय की ओर से समुचित निगरानी नहीं की गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने डूसू चुनाव में वोट देने वाले सभी छात्रों का धन्यवाद किया है। परिषद ने कहा कि सभी छात्रों ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र की पहली सीढ़ी में भागीदारी की है।

परिषद ने लगाया एनएसयूआई पर आरोप

वहीं, चुनाव के दौरान विद्यार्थी परिषद ने आरोप लगाया है कि एनएसयूआई के संयुक्त सचिव पद के उम्मीदवार ने वोटिंग के पहले ही दिन एक प्रोफेसर के साथ मारपीट की है। परिषद का कहना है कि यह घटना दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज की जाएगी। एनएसयूआई की हार निश्चित है, इसलिए वे बौखलाए हुए हैं।

टूर पर जा रही स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त, 15 छात्रों और दो शिक्षकों समेत 17 लोग घायल

चेन्नई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। शनिवार को तमिलनाडु के थेनी जिले के अंदीपट्टी क्षेत्र के पास एक स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में 15 छात्रों और दो शिक्षकों समेत 17 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए। जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थेनी के पुलिस अधीक्षक शिव प्रसाद के अनुसार, बस कन्याकुमारी जिले से थेनी जिले की ओर भ्रमण के लिए जा रही थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि छात्रों और शिक्षकों को आगे के उपचार के लिए थेनी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। चोटें गंभीर नहीं हैं और पुलिस ने मामले में मामला दर्ज कर लिया है।

बेंगलुरु के ताज वेस्ट एंड होटल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

अफरा-तफरी के बीच जांच में जुटी पुलिस

बेंगलुरू, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरू के ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी अज्ञात बदमाशों ने ईमेल के जरिए दी है। प्रमुख राजनेताओं और क्रिकेटरों की मेज़बानी करने वाले इस होटल को आज सुबह ही यह धमकी मिली थी। स्थानीय पुलिस और बम निरोधक दस्ता घटनास्थल पर पहुंच गया है और फिलहाल गहन जांच कर रहा है। शनिवार को पुलिस ने बताया कि बेंगलुरु के रेस कोर्स इलाके में स्थित ताज वेस्ट एंड होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ईमेल के ज़रिए दी गई थी। होटल के हर कोने की बारीकी से जांच की गई है। बेंगलुरु के पुलिस उपायुक्त शेखर एचटी ने समाचार एजेंसी एएनआई से पुष्टि की कि बम की धमकी अज्ञात व्यक्तियों से मिली थी। धमकी के पीछे लोगों की पहचान करने के लिए फिलहाल जांच चल रही है। हाल के दिनों में, बम धमकी से जुड़े ईमेल्स का चलन बढ़ा है, जो स्कूल, अस्पताल, सरकारी दफ्तर और हवाई अड्डों को भी निशाना बना रहे हैं। हालांकि, ज्यादातर धमकियां फर्जी साबित हुई हैं, लेकिन प्रशासन फिर भी पूरी सतर्कता बरत रहा है।

विधायक उषा बोलीं

दुराचारियों को चौराहों पर लटकाओ, चील-कौवों को नोचने दो, बताया क्या नहीं होना चाहिए

इंदौर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सितंबर महीने में मध्य प्रदेश में बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में भोपाल में पांच साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। पुलिस ने तीन बाद उसका शव उसी मल्टी से बरामद किया, जिसमें वह रही थी। पड़ोसी में रहने वाले एक आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म कर मासूम का गला घोंट दिया था।

बच्चियों के साथ हो रही वारदातों को लेकर मध्य सरकार में मंत्री रह चुकीं और वर्तमान में महू विधायक उषा ठाकुर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वालों को सार्वजनिक चौराहों पर फांसी देनी चाहिए, उनका अंतिम संस्कार भी नहीं होना चाहिए। जब उनके मृत शरीर चील कव्वे नोचेंगे तब दूसरे लोगों को पता चलेगा कि बच्चियों के साथ दुराचार करने वालों का क्या हश्र होता है। विधायक उषा ठाकुर ने कहा कि बच्चों और युवा वर्ग में संस्कार के बिजारोपित करना भी आवश्यक है। परिजनों को अपने बच्चों को अध्यात्म और नैतिकता की शिक्षा देना चाहिए, ताकि वे गलत और सही कामों में फर्क कर सके। विधायक उषा ठाकुर ने यह बयान इंदौर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान मीडिया को दिया। बता दें कि इससे पहले मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर बड़ा बयान दे चुके हैं।

असम पुलिस ने 17 बांग्लादेशियों को बॉर्डर से वापस भेजा

सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा- 'गुड जॉब'

गुवाहाटी, 28 सितंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को बताया कि राज्य की पुलिस ने तड़के 8 बच्चों सहित 17 बांग्लादेशियों को बॉर्डर से वापस भेज दिया। शर्मा ने भारत में रोहिंग्याओं को लेकर चेतावनी देते हुए कहा कि घुसपैठ में काफी वृद्धि हुई है, और जनसांख्यिकीय आक्रमण का खतरा वास्तविक और गंभीर दोनों है। उन्होंने कहा कि असम भारत-बांग्लादेश सीमा के केवल एक हिस्से की सुरक्षा कर रहा है, लेकिन एक बड़े इलाका ऐसा भी है जहां से घुसपैठ की कोशिश हो सकती है। शर्मा ने कार्रवाई के लिए असम पुलिस की पीठ भी थपथपाई और 'गुड जॉब' कहा।

पिछले हफ्ते भी वापस भेजे गए थे 5 घुसपैठिए

असम पुलिस की सराहना करते हुए सीएम हिमंत ने 'एक्स' पर किए गए अपने पोस्ट में कथित घुसपैठियों के नाम भी बताए। जिन बांग्लादेशी वयस्कों को असम पुलिस ने बॉर्डर से वापस भेजा उनकी पहचान हारुल लामिन, उमाई खुनसुम, मोहम्मद इस्माइल, संसीदा बेगम, रूफिया बेगम, फातिमा खातुन, मोजुर रहमान, हबी उल्लाह, सोबिका बेगम के रूप में हुई। इससे पहले पिछले हफ्ते असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि राज्य की पुलिस ने करीमगंज जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से घुसपैठ कर रहे 4 बांग्लादेशियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।

असम से लगातार वापस भेजे जा रहे घुसपैठिए

शर्मा ने पिछले हफ्ते कहा था कि इस महीने अब तक लगभग 25 घुसपैठियों को असम से बांग्लादेश वापस भेजा जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा था,'भारत-बांग्लादेश सीमा पर कड़ी निगरानी करते हुए असम पुलिस ने करीमगंज में सीमा के पास 4 बांग्लादेशी नागरिकों को देखा। उनकी पहचान रोमिदा बेगम, अब्दुल इलाही, मारिजना बेगम और अब्दुल सुक्कुर के रूप में की गई।

उन्हें तुरंत सीमा पार बांग्लादेश वापस भेज दिया गया। टीम ने बेहतरीन कार्य किया।' सुरक्षा बलों द्वारा इस महीने अब तक करीब 25 बांग्लादेशियों को वापस भेजा गया है, जबकि बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा शुरू होने के बाद से अगस्त माह के अंत तक लगभग 50 बांग्लादेशियों को वापस भेजा गया था।

सीमा पर 'हाई अलर्ट' बनाए हुए है असम पुलिस

हिमंत विश्व शर्मा ने बांग्लादेश में हुई सियासी उथलपुथल के बाद बड़ी मात्रा में घुसपैठ की आशंका जताई थी। शर्मा ने कहा था कि बांग्लादेशी नागरिक, कपड़ा उद्योग में काम करने के लिए दक्षिणी शहरों तक पहुंचने के वास्ते असम का इस्तेमाल मार्ग के तौर पर कर रहे हैं। बांग्लादेश में हिंसा के बाद बीएसएफ ने पूर्वोत्तर में 1,885 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। असम के पुलिस महानिदेशक जी। पी। सिंह ने कहा था कि राज्य पुलिस बल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भी 'हाई अलर्ट' बनाए हुए है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से राज्य में प्रवेश न कर सके।

'बीजेपी और सीएम शिंदे ने की मुंबई यूनिवर्सिटी चुनाव रोकने की कोशिश'

उद्धव गुट के नेता संजय राउत का गंभीर आरोप

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संजय राउत ने बीजेपी और सीएम एकनाथ शिंदे पर मुंबई यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव को रोकने का आरोप लगाया। शनिवार को मुंबई में मीडिया से बात करते हुए राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कहा कि मुंबई यूनिवर्सिटी बहुत बड़ी ऐतिहासिक संस्था है। उन्होंने कहा कि यहां पर बीते 2 साल से भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री चुनाव रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव की तारीख दो बार घोषित की गई, इस दौरान एक लाख तक मतदाताओं का रजिस्ट्रेशन भी हो गया, लेकिन डर के मारे सरकार और चुनाव टालते रहे।

सभी 10 सीटें जीतने का दावा

संजय राउत ने कहा कि इसके बाद मुंबई यूनिवर्सिटी में हाई कोर्ट के आदेश से चुनाव हुआ और उसमें शिवसेना का पूरे पैनल ने जीत दर्ज की। उन्होंने ने कहा मुंबई यूनिवर्सिटी के छात्र संघ चुनाव में शिवसेना के सभी 10 उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की, जिनमें से 9 उम्मीदवारों ने कोटा से भी ज्यादा वोट हासिल किया।

'महाराष्ट्र के लोग शिवसेना के साथ'

शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि हमारे आखिरी उम्मीदवार ने 9.6 वोट हासिल किया, इसके उलट पूरे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को मिलाकर सिर्फ 700 वोट मिले। जो यह दर्शाता है कि महाराष्ट्र का और मुंबई का सुशिक्षित युवा शिवसेना के साथ खड़ा है। महिलाएं शिवसेना के साथ हैं।

संजय राउत ने कहा, यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ये वोट खरीदे नहीं जा सकते हैं और यह शिक्षित मतदाता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और सीएम शिंदे के लोग वोट खरीदने में यकीन करते हैं, लेकिन यह वोट खरीदे नहीं जा सकते हैं। यह शिक्षित और पक्के वोट हैं।

संजय राउत ने ईवीएम पर साधा निशाना

ईवीएम पर पर एक बार फिर सवाल खड़ा करते हुए संजय राउत ने कहा, यहां वोटिंग बैलेट पेपर पर होती है न कि ईवीएम पर, इसलिए वहां कोई छेड़छाड़ भी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि मुंबई यूनिवर्सिटी के ऊपर एक बार फिर शिवसेना का भगवा झंडा लहराया है।

सीडीएफडी में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता,)। डीएनए फिंगरप्रिंटिंग एवं निदान केंद्र (सीडीएफडी) द्वारा राजभाषा हिन्दी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य व्याख्याता के रूप में श्रीमती बेला, उप निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, सिकंदराबाद ने "सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी" पर व्याख्यान दिया। सभी स्टाफ ने कार्यशाला में उत्साहपूरक भाग लिया। राजभाषा सलाहकार वी। संतोषी दीपिका ने कार्यशाला में उपस्थित सभी का स्वागत किया। हिन्दी संपर्क अधिकारी बी येसुदासु ने अपने संबोधन में कहा कि – हमारे संस्थान में 14 – 29 सितंबर, 2024 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान स्टाफ के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसाकि - हिन्दी भाषी एवं हिन्दीतर भाषी स्टाफ के लिए निबंध लेखन, टिप्पण / मसौदा लेखन, वाग्मिता जस्ट-ए-मिनट, अनुवाद और हिन्दी अंताक्षरी आयोजित की गई है। उन्होंने यह भी कहा है कि - हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम दि01/10/2024 को आयोजित किया जाएगा। मुख्य व्याख्याता श्रीमती बेला ने भारत सरकार की राजभाषा अधिनियम से सभी को अवगत कराया। उन्होंने अपने व्याख्यान में सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का महत्व पर प्रकाश डाला। हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि संबंधी जानकारी साझा की है।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में टिप्पण व आलेखन पर हिंदी कार्यशाला सह प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता,)। भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में जारी हिंदी चेतना मास समारोह की कडी में 26 सितंबर, 2024 को टिप्पण एवं आलेखन पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला सह प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने हिंदी कार्यशाला के दौरान सहभागियों को टिप्पण व आलेखन की भाषा तथा अन्य नियमादि के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात सहभागियों को प्रशासनिक कार्य संबंधी विभिन्न विषयों पर टिप्पणी व मसौदा तैयार करने के लिए प्रश्न-पत्र दिया गया। संस्थान में कार्यरत सभी (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, युवा पेशेवर आदि) संवर्ग के

पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता में बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। श्रीमती ऋतु दलाल तथा डॉ। वी एम मालती, वैज्ञानिक ने प्रतियोगिता के दौरान निर्णायकों की भूमिका निभाई। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ। बी दयाकर राव, प्रभारी निदेशक के दिशा-निर्देश में डॉ। जिनु जेकब, वैज्ञानिक तथा डॉ। महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) के द्वारा किया गया।

पावरग्रिड दक्षिण क्षेत्र-1 में हिंदी पखवाड़ा-2024 का आयोजन

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता,)। दिनांक- 14 से 28 सितंबर, 2024 के दौरान दक्षिण क्षेत्र-1 मुख्यालय एवं इसके अधीनस्थ उपकेन्द्रों में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया । इस पखवाड़े के दौरान क्षेमु। सिकंदराबाद सहित समस्त अधीनस्थ कार्यालयों में कार्मिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं (जैसे- टिप्पणी/मसौदा लेखन, टंकण, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, काव्यपाठ, समाचारवाचन एवं अंताक्षरी) का आयोजन किया गया। दिनांक- 27.09.2024 को क्षेत्रीय मुख्यालय सिकंदराबाद में आयोजित पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह की शुरुआत सीएमडी पावरग्रिड की एआई। द्वारा निर्मित अपील के माध्यम से की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अखिलेश पाठक, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी(दक्षे-1) ने सभी कार्मिकों से अपने कार्यालयीन कार्यों को हिंदी में करने हेतु आग्रह किया, साथ ही विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया ।

इस समापन समारोह के दौरान कमिकों हेतु "वर्तमान एवं भविष्य में हिंदी भाषा द्वारा निर्मित रोजगार की संभावनाएँ" नामक विषय पर सत्र का संचालन डॉ। करण सिंह उटवाल, प्रोफेसर-हिंदी विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा किया गया।

जिला चिकित्सालय में भर्ती कई बच्चों की एकसाथ बिगड़ी तबीयत, अधिकारियों में मचा हड़कंप

नीमच, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नीमच जिला चिकित्सालय के शिशु वार्ड में भर्ती करीब 20 से 26 बच्चों की बीती रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ बच्चों की तबीयत खराब होने पर अधिकारियों में हड़कंप मच गया। आनन फानन में 5 से 6 बच्चों को जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया। इनमें से कुछ बच्चों को उनके परिजन अपने साथ निजी अस्पताल में ले गए। इन बच्चों की उम्र 2 से 4 साल की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, एंटीबायोटिक इंजेक्शन लगाने से हुआ रिएक्शन। जिससे इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की तबियत खराब हो गई।

घटना की जानकारी के मिलते ही अधिकारियों और जिला चिकित्सालय में हड़कंप मच गया। इस घटना के बाद जिला अस्पताल में बच्चों के परिजनों की भीड़ इकट्ठी हो गई।

आला अधिकारी सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंच गए। फिलहाल सभी बच्चों की स्थिति सामान्य है। बता दें, नीमच के अस्पताल में भर्ती 26 बच्चों की गलत इंजेक्शन लगाने से तबीयत बिगड़ गई है।

मरीज के परिजनों द्वारा पीटे जाने के बाद डॉक्टर्स ने दूसरे दिन भी रोका काम, सुरक्षा की मांग पर अड़े

कोलकाता, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है और अब राज्य के उत्तर 24 परगना जिले में भी एक सरकारी अस्पताल के डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ को पीटे जाने का मामला गरमा गया है। अस्पताल के डॉक्टर्स की काम रोकों हड़ताल लगातार दूसरे दिन भी जारी है। दरअसल शुक्रवार को एक मरीज के परिजनों ने उत्तर 24 परगना जिले के कमरहाटी इलाके में स्थित सागर दत्ता अस्पताल में डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ के साथ मारपीट की। इस घटना के विरोध में डॉक्टर्स ने काम रोक दिया और हड़ताल शुरू कर दी। डॉक्टर्स की मांग है कि सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर किया जाए।

एक नर्स ने बताया कि शुक्रवार को एक महिला को सांस की तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला की हालत ठीक नहीं थी और जब तक उसे ऑक्सीजन देने की कोशिश की जाती, तब तक उसकी मौत हो गई। महिला के परिजनों का आरोप है कि मरीज को समय पर इलाज नहीं मिला, जिसकी वजह से उसकी मौत हुई। नर्स ने बताया कि पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में मरीज के परिवार के 15-20 लोगों ने महिला मेडिसिन वार्ड में घुसकर वहां मौजूद डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ के साथ मारपीट की। एक जूनियर डॉक्टर ने बताया कि इस घटना में तीन जूनियर डॉक्टर, तीन नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मी घायल हो गए।

इस घटना के विरोध में डॉक्टर्स ने काम रोकों हड़ताल शुरू कर दी। शनिवार को दूसरे दिन भी यह हड़ताल जारी है। एक जूनियर डॉक्टर ने कहा, 'हम बार-बार बाह्य रोगी विभाग और अस्पताल के वार्डों में उचित सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। लेकिन यह घटना साबित करती है कि राज्य प्रशासन अभी भी हमारी सुरक्षा की मांग के प्रति नहीं जागा है। जब तक पर्याप्त सुरक्षा की हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक 'काम बंद' हड़ताल जारी रहेगी।'

पत्नी की कुल्हाड़ी से काटकर कर दी थी हत्या आरोपी पति को कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

सीहोर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पति द्वारा पत्नी की हत्या करने के मामले में कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उक्त मामले में शासन की ओर से पैरवीकर्ता अपर लोक अभियोजक पंकज रघुवंशी ने बताया कि दिनांक 12 दिसंबर 2022 को फरियादी शिवकुमार परते ने रिपोर्ट लिखाई कि पिता रमेश परते और मां रामरती बाई के बीच विवाद हो रहा था। करीब 7.30 बजे फरियादी का भाई अरविंद परते सत्रामऊ में वरुण चौहान के यहां चला गया था। उसके बाद करीबन 8 बजे फरियादी सनखेड़ी में दुकान पर सामान लेने लगा था। करीबन 9.30 बजे जब फरियादी सनखेड़ी से वापस अपने घर आया तो उसने देखा कि घर के पास मवेशी बांधने की टापरी में उसकी मां रामरती बाई का धड़ पड़ा हुआ है, जिससे खून निकल रहा था। फरियादी की मां रामरती बाई का सिर टापरी के कोने में पड़ा हुआ था। फरियादी के पिता का काले रंग का जैकेट भी वहीं पड़ा हुआ था, जिस पर की खून लगा हुआ था। फरियादी के पिता रमेश परते ने गुस्से में उसकी मां रामरती बाई की कुल्हाड़ी से सिर काटकर हत्या कर दी तथा फरियादी का पिता रमेश परते घर से भाग गया। फरियादी की उक्त रिपोर्ट पर थाना शाहगंज में अपराध क्रमांक 353/22 अंतर्गत धारा 302 भादवि के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट पर प्रकरण विवेचना उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रकरण में अभियोजन द्वारा अपना मामला युक्ति युक्त संदेश से परे प्रमाणित करने में सफल रहा कि अभियुक्त रमेश परते ने अपनी पत्नी रामरती बाई की कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या की गई। अपर सत्र न्यायाधीश डॉक्टर वैभव विकास शर्मा ने अभियुक्त रमेश परते पिता बराती लाल परते (50) निवासी ग्राम सनखेड़ी थाना शाहगंज को दोष सिद्ध मानते हुए आजीवन सश्रम कारावास एवं दो हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई।

पंजाब में पराली जलाने से रोकने के लिए क्या कर रही है आप सरकार? मंत्री गुरमीत सिंह ने बताया

चंडीगढ़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की तरफ से पराली जलाने से रोकथाम के लिए क्या कदम उठाये जा रहे है इसको लेकर पंजाब सरकार से जवाब तलब किया गया था। जिसके बाद से पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। इसपर पंजाब के मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि आग एक-दो जगहों पर लग रही है। हर जगह मशीनें पहुंच गई हैं। किसान भी समझता है कि उसे पराली नहीं जलानी चाहिए। वह जानता है कि इससे मिट्टी की गुणवत्ता कम हो जाती है। मंत्री खुड्डियां ने आगे कहा कि हमने लगभग 1,37,000 मशीनें दी हैं। हमने पिछले साल हमने 350 करोड़ रुपये की मशीनरी दी थी और इस बार हम 500 करोड़ रुपये की मशीनरी दे रहे हैं, जिसमें से 60% केंद्र सरकार का है और 40% पंजाब सरकार का योगदान है। हमारे पास एक वॉर रूम है और हमारे सभी अधिकारियों ने गांवों में 2000 बैठकें की हैं। हमने अपने अधिकारियों से कहा है कि लोगों को जागरूक करें ताकि किसान समझें कि पराली नहीं जलानी चाहिए। हमने एक ऐप लॉन्च किया है जिसमें अगर किसी किसान को पराली काटनी है तो वह हमसे मदद ले सकता है। हम मुफ्त में मशीनरी भेजेंगे और पराली को पूरी तरह से काट देंगे। बता दें कि पराली जलाने की घटनाएं लगातार सामने आने से पंजाब सरकार के एक्शन प्लान पर उंगलियां उठ रही हैं, जिसके चलते अब सरकार भी एक्शन मोड में आ गई है।

जबलपुर में निर्माणाधीन मस्जिद को लेकर विवाद हिंदू संगठन ने अवैध निर्माण का आरोप लगाकर किया हंगामा

जबलपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित रांझी और मढ़ई में एक धार्मिक स्थल को लेकर विवाद शुरू हो गया है। इसे लेकर हिंदू संगठन ने प्रदर्शन किया है। संगठन का आरोप है कि मस्जिद का निर्माण अवैध रूप से किया जा रहा है। जिसके बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ता मस्जिद तोड़ने की जिद पर अड़ गए। कार सेवा करने के ऐलान के साथ मढ़ई इलाके में पहुंचे हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने काफी देर तक नारेबाजी की। वहीं पुलिस ने बैरिकेटिंग कर मढ़ई इलाके में पहुंचे हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं को रोका। इस बीच पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। हिंदू संगठनों ने कहा, दो हफ्तों से वो ज्ञापन देते आ रहे हैं कि जिस जमीन पर मस्जिद का निर्माण हो रहा है

हम तुम न जुदा होंगे : मोहम्मद रफी

जन्म शताब्दी वर्ष पर विशेष

अतुल कुमार

जब भी फिल्म गीत गायन का ज़िक्र होता है तब प्रमुख नाम मोहम्मद रफी का आता है।अपने दौर में जितने लोकप्रिय थे उससे अधिक आज के टेक्नालाजी युग में हैं । यह उनका जन्म शताब्दी वर्ष है। रफी की गायन कला आने वाली कई शताब्दियों तक अमर रहेगी । उनके गाये नग्मों को सिंगर्स , यूथ सिंगर्स , किशोर सिंगर्स और बाल गायक उसी अंदाज़ में हुबहू गा उनकी अनमोल यादो को ताज़ा कर रहे हैं । कई पीढियों के इंस्पीरेशनल आइकान सिंगर हैं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता । एक से एक बेहतरीन गानों को अपनी चुंबकीय आवाज़ में गाया जिसने श्रोताओं पर अमिट छाप छोडी । गाना प्रेमी बार बार उनको सुनने के लिये उत्सुक रहते हैं।उनकी नायाब गायन कला के बिना हिंदी फिल्मों का उल्लेख अधूरा है । दिल को छूने वाली रफी की आवाज़ में विविधता है देश भक्ति (जहां डाल डाल पर सोने की चिडिया) भजन (सुख के सब साथी दुख में न कोई) शास्त्रीय (मधुबन में राधिका नाचे रे) कव्वाली (परदा है परदा) लोरी (मैं गाउं तुम सो जाओ) और रोमांटिक (आपके हंसीन रुख पे) इत्यादि मधुर गीतों को गा जिस अद्भुत गायकी को पेश किया वह उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है ।

इस दुनिया को अलविदा कहने के 44 साल बाद भी उनके चाहने वालों की संख्या मज़बूत है और उसमें लगातार बढोतरी हो रही है । शादी की शुरुआत आज भी उनके स्वरबद्ध गीत " बहारों फूल बरसाओ मेरा महबूब आया है " से शुरु हो दुल्हन के विदाई गीत " बाबुल की दुआएं लेती जा , जा तुझको सुखी संसार मिले " पर खत्म होती है। दरअसल उनकी आवाज़ में भारतीय संस्कृति ।संस्कार , और समाज की रीत ,प्रीत और गीत की भावपूर्ण अभिव्यक्ति है जिसमें सभ्यता झलकती है ।

मोहम्मद रफी के गानों की रेंज , संयम , और स्वर का लचीलापन इतना असरदार था कि गानों में जान डाल देते । आवाज़ की गुणवत्ता ,भाव भंगिमाएं , और पकड बेजोड थी । गीतकारों के लिखे भावों में इतना डूब कर गाते कि वे बेमिसाल बनते । हिंदी फिल्मों की पहचान गीत संगीत से है और गीतों की जान मोहम्मद रफी थे । फिल्म " चित्रलेखा " के गाने " मन रे तू काहे न धीर धरे " शांति विरक्ति और अपने मन को टटोलने का लाजवाब गीत है ।इसमें गायकी की कोमलता और ,मनोभावों को जिस शैली में व्यक्त किया वह सीधे दिल में उतरती है । फिल्म " बैजू बावरा " के गाने " ओ दुनिया के रखवाले " में गायकी का अनोखा रूप पेश कर सुनने वालों का मन मोहा । सुरों को इसमें जिन उंचाइयों पर ले गये उसने कमाल किया और श्रोताओं को मंत्र मुग्ध किया । उन्ही के गाये गीत का यादगार शेर है " तुझे प्यार करते हैं , करते रहेंगे / के दिल बन के दिल में धडकते रहेंगे // मोहम्मद रफी की जादुई आवाज़ ने यही किया ।

आज इंसानियत , दया और आदर्शों के मूल्य खत्म हो रहे हैं तब उनके गाये गानों की खुराक की ज़रूरत अधिक दिखायी देती है ।गीत " भलाई कर भला होगा बुराई कर बुरा होगा " , (फिल्म : खुल जा सिम सिम) " दौलत के नशे में हो चूर ,गरीबों की दुनिया से रहते हो दूर ,दिन ऐसा आयेगा जब माटी में सब मिल जायेगा (फिल्म : ऊंची हवेली) " देखो दिल ना किसी का टूटे " (फिल्म : प्यार का रिश्ता) और " ओ माटी के पुतले इतना न कर गुमान पल भर का तू मेहमान " (फिल्म : शेरू) रफी ने इन गानों में लोगों से मानवता और ईमानदारी की प्रबल अपील की । उनकी

असाधारण गायकी ने इन गीतों को टाइमलेस ही नहीं बनाया। बल्कि ज़िंदगी की शाश्वत सच्चाइयों से रुबरू करवाया। याद कीजिये उस तराने को " वक्त से दिन और रात , वक्त से कल और आज , वक्त की हर शए गुलाम , वक्त का हर शए पे राज " इस गाने ने ज़िंदगी को मोती ज्ञान दिया ।

शब्दों का भावपूर्ण उच्चारण ,शुद्धता और लहज़ा एक महाकाव्य की तरह जीवंत हो उठता है । बेशक ! इन गानों के कवियों ,शायरों और संगीतकारों की भूमिका कम नहीं है लेकिन उनकी अभिव्यक्ति को हर दिल अज़ीज़ बनाने का श्रेय रफी को है । याद कीजीये फिल्म " जीने की राह " के गाने " एक बंजारा गाये जीवन के गीत सुनाये \ हम सब जीने वालों को जीने की राह बताए / ज़माने वालों किताब – ए – गम में खुशी का कोई फसाना ढूंढो / अगर जीना है ज़माने में तो हंसी का कोई बहाना ढूंढो " को जिस दिलकश अंदाज़ में गाया उसे कौन भूल सकता है । वास्तव में उनके गाये ऐसे गीतों में जीवन का सार होते हुए भी उन पर न कोई चर्चा होती है न कोई शोध ऐसा क्यों ? सोचिये ।

घंटों गीत गाने के बाद अपनी छत पर पतंग उडाने का बडा शौक था और उनकी पतंग कभी कट भी जाती तो छोटे बच्चे की तरह मचल जाते । जब फिल्म लैला मजनू बन रही थी तब फिल्म के नायक ऋषि कपूर चाहते कि सिर्फ किशोर कुमार ही उनके लिये गीत गाएं ।जबकि संगीत निर्देशक मदन मोहन ने कहा कि इस फिल्म में तो मोहम्मद रफी ही गाना गाएंगे नहीं तो हम फिल्म नहीं करेंगे । आखिरकार मोहम्मद रफी ने ही गीत गाए और वो इतने हिट हुए कि फिर फिल्मों में ऋषि कपूर की आवाज़ रफी बन गये । सुरों के इस बादशाह ने सिनेमा के प्रमुख अभिनेताओं दिलीप कुमार , राजेंद्र कुमार , भारत भूषण , देव आनंद ,शम्मी कपूर , धर्मेंद्र ,जीतेंद्र , और अमिताभ बच्चन के लिये पार्श्व गायन कर उनकी कामयाबी को यादगार बनाया ।

अपने सिंगिंग कैरीयर में हर मूड के गाने गाये । गाने के अर्थ और फिल्म में कैरेक्टर के अनुसार अपने स्वर को ढाल लेते । कभी भी संगीतकार से ये नहीं पूछते कि गाने के लिये कितना पैसा मिलेगा। सिर्फ आ कर गीत गा देते और कभी कभी तो सिर्फ 1 रु लेकर भी गीत गा देते । गायन उनके लिये इबादत थी । 6 फिल्म फेयर और 1 नैशनल अवार्ड उनके नाम है । रोमांटिक गाने हों या बिछडने का दर्द हर इमोशन को सुरों में ऐसे पिरोया कि मन को सुकून देते हैं । 24 दिसंबर 1924 को पंजाब के ग़ांव कोटला सुल्तान सिंह में जन्म हुआ शुरु से गायन में रुचि ने उनकी गायन साधना को जो शोहरत दी वह भारतीय फिल्म गायन इतिहास की गौरवशाली गाथा है ।किसी ने खूब लिखा " रफी की आवाज़ उस बुलंदी का नाम है / जहां सातों सुर किसी एक तान में आ जाएं तो समझो वह मोहम्मद रफी हैं / जहां उनके सिवा और कोई भी नहीं पहुंच सकता "

जीवन का पहला गाना पंजाबी फिल्म " गुल बलोच " के लिये गाया । रोमांटिक गानों के बादशाह थे उदाहरण के लिये " खोया खोया चांद खुला आसमान " " लिखे जो खत तुझे " चौदहवीं का चांद हो " दिल का भंवर करे पुकार " " तारीफ करूं क्या उसकी " और " तेरे मेरे सपने अब एक रंग हैं " इत्यादि गीतों ने धूम मचायी तो दर्द भरे गानों " मुझे तेरी मोहब्बत का सहारा मिल गया होता " " ये दुनिया ये महफिल " " दिल जो न कह सका " " रंग और नूर की बारात किसे पेश करूं " " मिले न फूल तो कांटों से दोस्ती कर ली " और " तेरी गलियों में न रखेंगे कदम " आदि को उनकी रूहानी आवाज़ ने दर्द को कुछ इस तरह बयां किया कि मन द्रवित होता है । मोटिवेशनल गानों में उनके गाये गानों की कमी नहीं है जैसे " साथी हाथ बढाना साथी रे " " मैं ज़िंदगी का साथ निभाता चला गया " " राही मनवा दुख की चिंता क्यों सताती है " और " जियो तो ऐसो जियो " आदि ।

वह संपूर्ण गायक थे जिनके तरकश में हर तरह के गाने थे । चार दशकों के कैरीयर में लगभग 25000 हज़ार से अधिक गाने गाये इस महान गायक का अपना गाया प्रिय गीत " सुहानी रात ढल चुकी " (फिल्म : दुलारी) है । उनके गाये गीत गाना प्रेमियों के दिलों में इस तरह रच ,बस गये हैं कि उनको गीतकार असद भोपाली के शब्दों और उन्हीं के गाये मनोहारी गीत की पंक्ति में कहें तो ' सौ बार जनम लेंगे , सौ बार फना होंगे / ऐ जान – ए – वफा फिर भी / हम तुम न जुदा होंगे // है।

काव्य कुंज

सजल

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

कुदरत के सामने,
इंसान की ओकात कुछ नहीं।
मां हो तो उसके समान,
ख़ुदा की सौग़ात कुछ नहीं।
छोड़ देते है बेटे,
साथ रहकर भी मां को।
ऐसे बेटों की जिंदगी रहती बर्बाद बचता कुछ नहीं।
मां की आहों में बेटों की बर्बादी होती है।
जवानी का गुरूर मत कर बीवी है हवालात,
बचता कुछ नहीं।
आँसू मत निकालो मां के बचो तुम पाप करने से,
हो जाएगी मात।
कोई कहता कुछ नहीं। खत्म हो रही सांस।
न होगी खुशी से मुलाक़ात। जीवन होगा दुःख भरा।
न होगा कभी प्रभात। सुख सजता कुछ नहीं।
ओरत का मोह छोड़, खून चूस लेगी डायन।
खुद को संभालो तात।
मार डालेगी एक रात। देख सूझता कुछ नहीं।
अब तो बेटा जाग। कर ईश से मुलाकात।
रह जाएगी लाश। रहता कुछ नहीं।

समझौता

जे गंगाधर 'गंध'
जियागुडा,हैदराबाद

समझौता समझ से करलो,
चाहे जितने हो हर उलझन
जटिल पल में ही सुलझ जायेंगे।
समझ-समझ की बात है
समझदार ही जानता है समझदारी।
समझ कर भी ना समझे,
नासमझ बन बैठे हठ कर ऐंटें,
रूठे - रूठे सबसे हटे छटे टूटें,
अपने आप में ही कब तक खो बैठे,
आओ विचार करो कुछ समझा करो।
समझ समझ की बात है,
तन्हाई त्याग कर किया करो,
समझौता।

किताब

किताबें हमें सैर कराती इतिहास का,
किताबें कराती परिचय सभ्यता का,
किताबो में गाथा निहित है शूर-वीरता की,
किताबों में है दासता गुलामी की।
किताबों में छिपे हैं चाँद-तारे,
छुपे हैं सौरमंडल के राज सारे,
किताबें खोलती हैं परत अज्ञान की,
और यात्रा कराती ज्ञान की।
किताबों में हमारी भाषा है,
किताबों में छिपी अभिलाषा है,
किताबें जीवन की आशा हैं,
किताबें इतिहास की परिभाषा हैं।
किताबों में है सारा विज्ञान,
किताबों में है जीवन-विधान,
किताबें देती हैं आदर्श ज्ञान,
किताबें दिलाती मान सम्मान।
किताबें न होती तो इतिहास ना होता,
ना ही जीवन का विकास होता,
किताबें न होती तो हर्षोल्लास ना होता,
किताबें न होती तो आदमी इंसान ना होता।
किताबें हैं जीवन का अंग,
सदा राखिए एक किताब संग,
कभी ना होगा आपका मन भंग,
बनोगे हर जगह दबंग-दबंग- दबंग,
किताब है जीवन की नई उमंग
चले, इसके ज्ञान के संग सदा आपके वश में संघ !

दत्तात्रेय दीक्षित,
भालकी

भैंस हुई गिरफ्तार !

संजय एम.
तराणेकर

तीन लोक से न्यारी नगरी मथुरा में,
अब हुआ है भई कुछ नया।
वृंदावन के संरक्षित कुंभ मेला क्षेत्र में,
एक अपनी भैंस चराने गया।
भैंसों को भी हरे पत्ते खाकर मजा आया,
नहीं पता था इसकी मिल जाएगी सजा।
ज़ब नगर निगम का ध्यान उस पर गया।
हरे पत्ते खाने पर अधिकारियों के,
माथे पर ही ऐसे बल पड़ गया।
अभी-अभी तो पौधारोपण कर,
हमने सब कुछ हरा-भरा कर दिया।
अधिकारियों ने ऐसी पकड़ी रफ्तार,
पहली बार भैया भैंस हुई गिरफ्तार।
इस घटना से जिले में खूब हो रहीं चर्चा,
भैंस का मालिक फंस गया है।
उस पर तो ज़बरदस्त धाराएं लग गई है।
अधिकारियों के चक्कर काट रहा।
लगता है उसका खूब होगा खर्चा।
अब तक तो जाती थी भैंस पानी में।
हरे पत्ते खाने से भैंस पहुँची थाने में।

बादलों भरी चांदनी

अन्जू परिहार
भोपाल

श्वेत प्रभा की फैली है किरणें,
चारों तरफ उधम मचाती हिरणें।
गरज-गरज करती गर्जना,
बिजली का यूँ कड़ कड़ाना।
बिजली लेके अंगड़ाईयाँ,
नापे समुद्र की गहराईयाँ।
बादल गरजे और रेन बरसे,
तेरे दरस को नैनन है तरसे।
रिम झिम करके बरसे बादल,
ओढ़ ली हरियाली की चादर।
रात्रि की देख ये मधुशाला,
लहरों का पानी लगे मतवाला।
सन-सन करती तेज हवायें,
महक उठी ये सारी फिजायें।
छिपा है बादलों की आड़ लिए,
चन्दा निकल आया चांदनी लिए।
सांझे सकारे चंदा उजियारे,
चारु चांदनी की छटा निहारे।
जीवन की चांदनी ऐसी चमकती,
आंखों में आरजू लिए झलकती।
स्वरचित व मौलिक कविता।

कूडादान

डॉ डी डी देसाई

कुछ अनाथ बच्चे,
मन के सच्चे,
कूडादान को फटी आँखें से देखते।
दोनों हाथों से ढूंढते।
प्लास्टिक की बोरी,
कागज की पुडिया ।
जो भी मिला
मुह में डाला।
कुछ कमर में ठूंसा..
कुछ जेब में डाला।
इतने में मुनसिपाल्टी के –
लोग आकर टपके पड़े ।
देख इनको बच्चे भागे।
एक को पकडकर लगा झाडने।
हाथ का छीना, जेब का छीना।
गाडी में भरकर कचरा शहर के बाहर फेंका।
भूखा बच्चा, लगा सोचने....।
फेंकने से तो अच्छा था,मैं ही खा लेता।
फुटपाथ पर सोने नहीं देते।
कूड़ेदान का खाने नहीं देते।
दरवाजे पर भीख माँगने नहीं देते।
क्या हमें खाने का – जीने का हक नहीं है ?
मुझसे अच्छा तो कुत्ता है।
जो घर में भी खाता है, और कुडेदान में भी खाता है।

एक सवाल?

सवाल हो जो चीरहरण का,
जाने सब इतने खामोश क्यों है।
खड़ा किया इक सवाल मैंने
उस पर बवाल क्यों न है।
मर गया ज़मीर या सो गया तुम्हारा अंतर्मन...
क्या मर चुकी है रूह तुम्हारी...
दम तोड़ रही मानवता
नीचता पाँव पसार रही,
क्या सोचा है तुमने ए बशर
क्या लेकर जी रहे हो.....
यूँ सवाल क़र लो खुद से..
कहीं तुम ज़िंदा लाश तो नहीं हो.....?
सच में तुम ज़िंदा लाश ही तो हो.....

-निकेता पाहुजा

मैं हूं नदियां की धारा

पूजा महेश
हैदराबाद

मैं अल्हड़ नदियां सी धारा
अपना जीवन जग पर वारा।
कभी मचलतीं, कभी उफनती
कभी मंद गति से भी चलती
नाप लिया मैंने जग सारा ।
कभी धरा पर कभी गगन में
खिल जातीं मैं कभी चमन में
सुंदर लगता हर एक नजारा।
पल में तोला पल में माशा
भरती हर जीवन में आशा
बाती बन करती उजियारा ।
कभी हिरणी तो कभी तितली सी
नभ में चमकू बन बिजली सी
रोशन करतीं मैं हूं जग सारा।।

हाशिए जा रहा हूं

डॉ टी महादेव राव

साजिशों का शहर है जिए जा रहा हूं मैं
भरा है पानी में ज़हर पिए जा रहा हूं मैं
सायों के साथ बेवजह लड़ने लगे हैं लोग
है फिज़ा का असर हाशिए जा रहा हूं मैं
फाड़ रहा है कौन यह मजहबी लिबास
करे होंठों की कदर सिए जा रहा हूं मैं
हालातों में मुर्दनी कब से बंटने लगी है
सबकी बातें मानकर लिए जा रहा हूं मैं
तरक्की अमन भाईचारा और मोहब्बत
लफ्जों के हवाले बशर दिए जा रहा हूं मैं ।।

गाँधी जी

टी तारासिंह
हैदराबाद

पोरबंदर मे जन्मे मोहनदास करमचंद गाँधी
इस सदी के महानेता बने महात्मा गांधी जी बने
सत्याग्रह और अहिंसा के प्रेमी बने
अहिंसा ही उनका हथियार था
सत्याग्रह ही उनका नारा था
भारत छोडो उनका नारा बुलंद रहा
देश की आजादी के लिए जेल भी गये
लाठियो की मार भी बहुत खाई
मगर अपने आजादी के नारो को बुलन्द रखा
ओर अंग्रेजो को भारत छोडने पर मजबूर किया
ये देश हमारा है ये गुलीस्ता हमारा है
हमारे रग-रग मे बसी है देशभक्ति
उनके जन्मदिन पर हम सब का नमन ।।

मां आंचल की छांव. पिता कर्मयोगी

संजीव ठाकुर,
रायपुर

पिता प्रयोग धर्मी होतें हैं,
और माँ की ममता भावुक।।
पिता सिर्फ समझते हैं,
कर्म और धर्म की बोली,
माँ दिल की धड़कने ।
माँ समझती हैं बेटे का हाल,
बेटे के अरमानों का आकाश ,
दिल के भीतर की हलचल,
ह्रदय का स्पंदन,धड़कने।
चेहरे के हाव-भाव, दोस्तों की आवारगी,
धड़कनो की सिसकियाँ, बढ़ते अरमानो की,
लम्बी लंबी फरमाईसे, प्रेमिका के सपने ,
और टूट जाना किसी के लिए दिल का,
माँ सब कुछ जान जाती हैं ।।
पिता होते हैं सख्त,मजबूत निर्विकार, कड़क,
सीधे किसी से समझौता न करने कटिबद्ध, अनुभवी,
चट्टान की तरह,
माँ होती है भोली,नादान और सहज वात्सल्य से ओतप्रोत,
उनके चेहरे पर ही होता माँ होंने का अहसास.
पिता के चहरे पर, इसकी जरुरत नहीं होती।
पिता निस्पृह,कर्मयोगी होते,
माँ गंगा सी पवित्र,निर्झरिणी,
सच पिता ऊष्मा,ऊर्जा देते,
माँ शीतलता,स्निगधता, भोलापन।
पिता सदैव चट्टान की तरह होते हैं,
मां दूब की तरह नरम ओश सी मुलायम।।
पिता आकाश की छतरी की तरह,
मां छाया की तरह शीतल, पानी की बूंदों की तरह पवित्र।।
माता-पिता दोनों को नमन, प्रणाम।।

ढूंढता फिरता हूं...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

शून्य शून्य शून्य,बहुत दूर निकल आते हैं
हांफते हैं, कांपते हैं, मुड़ेरों पर अंधेरा सजाते हैं
हार कर भी,एक नाकामयाब कोशिश जारी रहती है
अश्रुपूरित,रेत पर कृति संवारी रहती है
आगे कुआं पीछे खाई,न जाने कैसी नवाजिश हो
ढूंढता फिरता हूं अपने आप को
आप गोया मुसाफिर , आप ही मंजिल हो
कोई कहता पगला,कोई दीवाना
रंग बिरंगे फूलों से सजता रहता हूं
चाहता हूं शांत हो जाऊं,
अपने आप को समझाते रहता हूं
बहुत लंबा सफ़र,अब चला नहीं जाता है
थक भी गया हूं, कुछ समझ नहीं पाता हूं
तुम जीते, मैं हारा,कभी तो अशिषों की बारिश हो
ढूंढता फिरता हूं...
भावनाओं में बहकर,बहुत दूर बह आया हूं
जब तक समझता, गड्ढों में धस गया हूं
गजब की कहानी लिखी गई है,
क्या कहूं ,
कुछ हरफों द्वारा कलाकारी की गई है
जानना भी नहीं चाहता हूं
और न जानने की जिज्ञासा, चाहे जैसी भी गर्दिश हो
ढूंढता फिरता हूं...

जन्मदिन की बधाइयाँ

सत्यवान सौरभ

जन्मदिन की बधाइयाँ,
करें पुत्र स्वीकार।
है सबकी शुभकामना,
खुशियाँ मिले हजार।।
बहुत-बहुत शुभकामना,
तुमको प्रियवर आज।
हो प्रशस्त जीवन सुखद,
सुन्दर साज समाज।।
जीवन भर मिलती रहें, खुशियाँ सदा अपार।
मात शारदे! आपके, मरें ज्ञान भण्डार।।
शुभ सरिता बहती रहे, जीवन हो सत्संग।
घर आँगन खिलते रहें, प्रेम प्रीति के रंग।।
धर्म-कर्म अध्यात्म का, सदा करें उत्थान।
लक्ष्य प्राप्ति हेतु अनवरत, बढ़े सौरभ प्रज्ञान।।
जीवन भर प्रज्ञान को, खुशियाँ मिलें अपार।
बुजुर्ग शुभ आशीष दें, बाँटे लाड-दुलार।।
उन्नति पथ बढ़ते रहो, स्वप्न करो साकार।
ईश्वर की कृपया रहें, खुशियाँ मिलें अपार।।

कैसे दुःख हो कम

डॉ. संतोष पटेल
नई दिल्ली

राजगृह का वेणुवन
तथागत बैठे हैं ध्यानमग्न
भिक्षु और उपासक
प्रजा साथ में आये शासक
घेरा में बैठे उनके सम्मुख
तेजमय ललाट और
चमकते मुख पर अदभुत कांति
मन में है अद्वितीय शांति।
पूछा सबने समवेत स्वर में
हे शास्ता!
कैसे कम हो यह दुःख हमारा
करुणामय वाणी में शान्यमुनि ने बोला
देशना से अपने इसके भेद को खोला
उपासकों!
इसके मुख्य स्रोत को जानो
फिर मेरी बातों को मानो
काम भोग और आसक्ति
विषय -वासना क्षीण करती है शक्ति
यह अग्नि के जैसे जलती है
चित पल पल बदलती है
जैसे जैसे यह बढ़ जाएगी
तृष्णा उपर चढ़ जाएगी
इसके परित्याग का प्रयत्न करो
मन से दूर करने का यत्न करो।
पुण्यों का तुम दान करो
शील समाधि का मान करो
प्रज्ञा शनैः शनैः जाग जाएगी
तृष्णा दूर भाग जाएगी।
राग द्वेष से मुक्त हो जाओगे
संसार में ही स्वर्ग को पाओगे।
दुख का तब होगा अंत
सुख पाओगे तुम अनंत।

प्यार से बोल रे

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

प्यार से बोल रे, कंठ रस घोल रे
मीठी बोलियां बन अनमोल रे।
जिंदगी की आह को
कांटे भरी राह को
'जीतना प्यार से'
लेना बस वाह को
दिल न तू तोड़ना, दिल से दिल जोड़ना
कभी डरना नहीं, प्यार फल तोड़ना
पवित्र बांध मौलिया जगत को तोल रे
प्यार से बोल रे कंठ रस घोल रे...
शत्रु से मधुर बोल , पर न राज तू खोल
बात बना चातुर्य से, घुमा दे गोल-गोल
कड़वे शब्द चुभते सीने में घुटते
दोस्ती या दुश्मनी बचे न लुटते लुटते
प्यार की गोलियां अमृत के खोल रे।
प्यार से बोल रे कंठ रस घोल रे...
बहती रहे प्रेम धार, प्यार से मिले प्यार
क्रोध से बिगड़े काम, क्रोध का उलटवार
कड़वे शब्दों के जो तार, जीवन भर लटके तलवार
जीत कर भी लगेगा, दिल की बाजी गए हार
अच्छी हैं खामोशियां कटु शब्द पिस्तौल रे
प्यार से बोल रे,कंठ रस घोल रे...
मीठी बोलियां बन अनमोल रे।

स्पर्श

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

हृदय को भावविभोर कर,
अंतस में समोये, वो है स्पर्श।
मर्म से मर्मस्थल को भिगो दे,
वो है ,स्पर्श।
ओस की बूंद जैसा,नाजुक है स्पर्श,
सीप के मोती जैसा, शीतल है स्पर्श।
दोस्ती का हाथ मिला दे, ऐसा है स्पर्श।
अपनों को अपनों सेजोड़ने वाला है स्पर्श।
पराये भी अपने से लगे, वो धूरी है , स्पर्श।
मीरा की भक्ति सा पवित्र,
राधा के प्रेम का प्रतीक, है स्पर्श।
मेघ मल्हार की बूँदों का, पृथ्वी को है मधुमय स्पर्श,
दिलों से दिलों के तार जोड़ दे, ऐसा सप्तक है स्पर्श।।

तेरे दर पर

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

तेरे दर पर मैं भी आना चाहूँगा।
मन्दिर भीतर दीप जलाना चाहूँगा।
बन कर एक फकीर सौदाई अलबेला,
तेरे दर पर आ के गाना चाहूँगा।
यह मन मेरा टस से मस नहीं होता,
मैं तो तेरी याद भुलाना चाहूँगा।
तेरे लिए सारे दरवाज़े खुलते हैं,
मैं तुम को अब भी समझाना चाहूँगा।
तेरी ओर से ही अनुमति नहीं मिलती,
कुछ पल तेरे साथ बिताना चाहूँगा।
तेरे सदके इक बारी तू आ तो सही,
पलकें राहों बीच बिछाना चाहूँगा।
अम्बर ही बस मेरी बात नहीं मानें,
सूरज सारी रात बुलाना चाहूँगा।
दिल मांगे तो जान दूं बस इक बारी,
उस के मुंह बालम कहलाना चाहूँगा।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निज़ामाबाद, विशाखापट्टणम

हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह का अंत

इजराइली सेना का दावा- बेरूत पर हवाई हमले में हुआ ढेर; 32 साल से संगठन का चीफ था

लेबनान की राजधानी बेरूत पर शुक्रवार (27 सितंबर) को इजराइल के हवाई हमले में हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह की मौत हो गई है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने यह दावा किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, आईडीएफ ने बताया कि उन्होंने एक दिन पहले हिजुबल्लाह के हेडक्वार्टर पर हमला किया था, जहां नसरल्लाह भी मौजूद था। हालांकि, हिजबुल्लाह की तरफ से अब तक मौत की पुष्टि नहीं हुई है। नसरल्लाह 1992 से ईरान समर्थित संगठन हिजबुल्लाह का सदस्य था। वह संगठन के फाउंडर मेंबर्स में से एक था। इजराइली मीडिया हाउस चैनल 12 ने नसरल्लाह के अलावा उसकी बेटी जैनब की मौत का भी दावा किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिजबुल्लाह चीफ की बेटी का शव उस कमांड सेंटर के मलबे में मिला है जिस पर इजराइल ने हमला किया था। उन्होंने कहा कि लेबनान अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। इजराइली सेना का लेबनान में बेरूत समेत कई इलाकों पर मिसाइल हमला जारी है। इजराइल ने बेरूत के दहियाह शहर में रहने वाले लोगों को तुरंत इलाका खाली करने को कहा है। इजराइली सेना का कहना है कि इन जगहों का इस्तेमाल हिजबुल्लाह, इजराइल पर हमले के लिए कर रहा है। इससे पहले शुक्रवार देर रात इजराइल ने हिजबुल्लाह के हेडक्वार्टर पर मिसाइल हमला किया। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 घायल हुए। हमला यूनाइटेड नेशंस (यूएन) में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की स्पीच के करीब एक घंटे बाद किया गया।

हिजबुल्लाह चीफ के जिंदा बचने पर सस्पेंस

लेबनान के एक अधिकारी के अनुसार इजराइल के हमलों के बाद से हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह से संपर्क नहीं हो पाया है। हमले के कई घंटे बीत जाने के बाद भी हिजबुल्लाह ने नसरल्लाह के ठीक होने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। एक इजराइली अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इजराइल से कहा कि जहां हमला किया गया वहां हिजबुल्लाह के टॉप अधिकारी मीटिंग करते थे। हमले के वक्त हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की वहां मौजूदगी की जानकारी नहीं है। हालांकि, हिजबुल्लाह के एक करीबी सूत्र ने पहले बताया था कि नसरल्लाह जिंदा है। इससे पहले ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने भी कहा था कि वे सुरक्षित हैं। इस बीच इजराइली सेना ने कहा है कि उनके हमले में हिजबुल्लाह की मिसाइल यूनिट के कमांडर मुहम्मद अली इस्माइल और डिप्टी होसैन अहमद इस्माइल मारे गए हैं।

बेरूत पर इजराइली हमले के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने शुक्रवार रात अपने घर पर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई थी। बैठक में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने इजराइली हमले की निंदा की और इसे वॉर क्राइम बताया। खामेनेई के सलाहकार अली लारीजानी ने कहा कि इजराइल हद पार कर रहा है। लोगों की हत्या से समाधान नहीं निकलेगा। दूसरे लोग उनकी जगह ले लेंगे। उन्होंने कहा कि इजराइली आतंक का सामना करने के लिए लोग और मजबूती से एकजुट होंगे। पीएम नेतन्याहू ने बेरूत में इजराइली हमले के बाद कहा कि हमारे दुश्मन सोचते थे कि हम मकड़ी के जाल की तरह हैं, लेकिन हमारे पास स्टील की नसें हैं। गौरलतब है कि नसरल्लाह कई बार अपने भाषणों में इजराइल को मकड़ी का जाल बता चुके हैं। बेरूत में इजराइली हमले के बाद, पीएम नेतन्याहू ने अपनी अमेरिका यात्रा को छोटा कर दिया है।

उनके कार्यालय की तरफ से जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री जल्द इजराइल लौट रहे हैं। इजराइल ने राजधानी बेरूत के दहियाह शहर में रहने वाले लेबनानी नागरिकों से तुरंत वह जगह खाली करने के लिए कहा है। इजराइली सेना का कहना है कि इन साइटों का इस्तेमाल हिजबुल्लाह, इजराइल पर हमले के लिए कर रहा है।

इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच 2006 के बाद सबसे भयानक लड़ाई छिड़ी है। 2006 में लेबनान पर हुए इजराइली हमले में हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। 17 सितंबर को लेबनान पर पेजर अटैक हुआ था। इसके ठीक एक दिन बाद पेजर और वॉकी-टॉकी में भी विस्फोट हुए थे। हिजबुल्लाह और लेबनान ने इजराइल को इन हमलों का जिम्मेदार माना था। तब से इजराइल लगातार लेबनान में मिसाइल हमले कर रहा है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली मिसाइल हमलों की वजह से लेबनान में 700 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसके अलावा 5 लाख से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़कर जाना पड़ा है। इजराइल ने लेबनान में चलाए जा रहे ऑपरेशन को ₹नॉर्दर्न एरोज₹ नाम दिया है।

इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने 23 सितंबर को लेबनान पर सबसे बड़ा हमला किया था। आईडीएफ ने हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों को निशाना बनाते हुए एयर स्ट्राइक की थी। इनमें 10 हजार रॉकेट बर्बाद करने का दावा किया गया। इस हमले में 569 लोगों की मौत हुई।

ईरान के जाल में इजराइल की हुकूमत

'वैसे में आप क्या करते?' 7 अक्टूबर के बाद से इजराइल की सरकार ने दुनिया से बार-बार यही सवाल पूछा है। यह कि अगर हमास के आतंकवादी आपकी पश्चिमी सीमा पार करके सैकड़ों इजराइलियों को मार डालें, उनका अपहरण कर लें और अगले दिन उनके हिजबुल्ला सहयोगी आपकी उत्तरी सीमा पर रॉकेट दाग दें- और ईरान इसका समर्थन करे तो आप वैसी स्थिति में क्या करते? यह एक जरूरी सवाल है और इसे इजराइल के आलोचक अक्सर टालते रहते हैं। लेकिन वे अकेले नहीं हैं, जो इसे टालते हैं।

बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली यह इजराइली सरकार चाहती है कि आप और मैं और हर इजराइली और इजराइल के सभी मित्र- यहां तक कि दुश्मन भी- इस पर विश्वास कर लें कि इस प्रश्न का हमेशा केवल एक ही सही उत्तर था : गाजा पर हमला बोलकर हमास को खत्म कर देना, इस प्रक्रिया में हताहत होने वाले नागरिकों से विचलित न होना, फिर लेबनान में हिजबुल्ला पर धावा बोलकर यही सब फिर से दोहराना- और युद्ध के इन दोनों मोर्चों में से किसी से भी बाहर निकलने की रणनीति बनाने में समय बर्बाद न करना। यह एक जाल है, और बाइडेन प्रशासन इजराइल को इसमें फंसने से रोकने के लिए पर्याप्त दृढ़ नहीं था। अब हालात संगीन हो चुके हैं। इजराइल का यहूदी-राष्ट्र गंभीर खतरे में है। और उसे यह खतरा ईरान के साथ ही उसके वर्तमान इजराइली सत्तातंत्र दोनों से है। मुझे इस युद्ध के प्रमुख कारणों के बारे में कभी कोई भ्रम नहीं रहा। यह यहूदी राष्ट्र को धीरे-धीरे नष्ट करने, अमेरिका के अरब सहयोगियों को कमजोर करने और क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव को कम करने की भव्य ईरानी रणनीति का खुलासा है। इसकी एक अन्य उपकथा है, इजराइल को ईरान की परमाणु-फेसिलिटीज़ पर हमला करने से रोकना और प्रॉक्सी का उपयोग करना।

ईरान-हमास की रणनीति इजराइल के चारों ओर एक आग का घेरा बनाने की थी, जिसमें हमास, हिजबुल्ला, हूतियों, इराक की शिया मिलिशिया और वेस्ट-बैंक में जॉर्डन के माध्यम से तस्करी किए गए हथियारों से लैस उग्रवादियों का इस्तेमाल किया गया था। ईरान के अपने हितों के दृष्टिकोण से यह एक बेहतरीन रणनीति है : कि इजराइल को नुकसान पहुंचाने के लिए चाहे जितने फिलिस्तीनियों और लेबनानी लोगों की कुर्बानी देनी पड़े, लेकिन एक भी ईरानी जिंदगी जोखिम में न आए।

इजराइल को खत्म करने के लिए ईरान हरेक लेबनानी, फिलिस्तीनी, सीरियाई और यमनी की जान को जोखिम में डालने से हिचकने नहीं वाला है। इससे वह ईरानी हुकूमत द्वारा अपने ही लोगों के साथ की जा रही ज्यादतियों और लेबनान, यमन, इराक और सीरिया पर अपने नियंत्रण से भी दुनिया का ध्यान हटा सकेगा।

इजराइलियों और यहूदी लोगों के लिए समस्या यह है कि नेतन्याहू सरकार ने युद्ध को उस तरीके से संचालित करने से इनकार कर दिया, जिससे सफलता की उम्मीद की जा सकती थी- क्योंकि वह रणनीति प्रधानमंत्री के राजनीतिक हितों के विपरीत थी।

इजराइल को बाहर से अस्तित्व का खतरा है, और उसके प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी अपने राजनीतिक और वैचारिक हितों को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में इजराइल के सर्वोच्च न्यायालय को कुचलने के लिए न्यायिक तख्तापलट के प्रयासों को फिर से शुरू कर दिया है- जबकि इजराइल अपने अस्तित्व के लिए युद्ध लड़ रहा है और उसके बंधक आज भी गाजा में कहीं हैं।

देश में इलाज कराना आसान नहीं

रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे, सालाना महंगाई दर दोहरे अंकों में

एसीकेओ इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस इंडेक्स 2024 के अनुसार देश में स्वास्थ्य सेवाओं की लागत 14 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रही है। इंडेक्स रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में हर साल स्वास्थ्य सेवाएं महंगी होती जा रही है। हेल्थकेयर के मामले में महंगाई दर दोहरे अंकों में है। इंडेक्स के अनुसार, ₹भारत में स्वास्थ्य सेवा मुद्रास्फीति 14 प्रतिशत दर्ज की गई।₹ इंडेक्स ने यह भी बताया कि देश में अस्पताल के 23 प्रतिशत खर्च ही उधार के माध्यम से वित्तपोषित किए जाते हैं, जो परिवारों के वित्तीय स्वास्थ्य पर काफी दबाव डालता है। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 62 प्रतिशत खर्च खुद के जेब से चुकाए जाते हैं। इस रिपोर्ट ने अप्रत्याशित स्वास्थ्य संकटों से बचाने के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा कवरेज की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्वास्थ्य बीमा दावों में प्रमुख बीमारियों पर प्रकाश डालते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली भारत में किडनी रोग की राजधानी के रूप में उभरी है, जहां किडनी से जुड़े स्वास्थ्य बीमा दावों की सबसे अधिक हिस्सेदारी है। सूचकांक में कहा गया है कि राजधानी के बाद, किडनी रोग के लिए स्वास्थ्य बीमा में सबसे अधिक दावे कोच्चि से थे। सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार, गुर्दे की बीमारी के मामले में दिल्ली सबसे आगे है, उसके बाद कोच्चि है। दिल्ली एनसीआर में किडनी स्वास्थ्य से संबंधित सबसे अधिक दावे आते हैं। कोच्चि, सिकंदराबाद, बेंगलुरु और जयपुर के दावों का हिस्सा भी राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

सूचकांक में यह भी बताया किया गया है कि किडनी और गुर्दे की समस्याओं का दावा करने वाले रोगियों की औसत आयु 47 वर्ष है, जो स्वास्थ्य चिंता के मामले में एक महत्वपूर्ण का संकेत है। उल्लेखनीय रूप से, पिछले साल किडनी से संबंधित समस्याओं के लिए सूचकांक के अनुसार क्लेम किया गया सबसे बड़ा बिल 24,73,894 रुपये था, जो इन स्वास्थ्य स्थितियों से जुड़े वित्तीय बोझ को दर्शाता है।

किडनी स्वास्थ्य के अलावा, रिपोर्ट हृदय रोग सहित अन्य गंभीर स्वास्थ्य मुद्दों पर भी प्रकाश डालती है। रिपोर्ट के अनुसार कोलकाता और मुंबई में हृदय से जुड़ी दिक्कतों के लिए सबसे अधिक दावे किए गए। 31 से 50 वर्ष की आयु के बीच हृदय रोगों के लिए अस्पताल में भर्ती होने वालों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, कोलकाता और मुंबई हृदयाघात जैसे संचार प्रणाली के विकारों के मामले में महानगरों की सूची में सबसे ऊपर हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट ने कैंसर के मामलों में भी खतरनाक रुझान सामने आए हैं। इसमें 2020 से 2025 तक 13 प्रतिशत की वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है।

इस बीच, सरकार ने हाल ही में देश में स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। इस साल 11 सितंबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य कवरेज को मंजूरी दी थी। इस मंजूरी के साथ, 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, इस योजना का लाभ उठाने के पात्र होंगे। एबी पीएम-जेएवाई दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा योजना है, जो अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान करती है। पात्र परिवारों के सभी सदस्य, चाहे उनकी आयु कुछ भी हो, इस योजना के अंतर्गत आते हैं।

वक्फ बोर्ड की असलियत

वीरेन्द्र सिंह परिहार

मामला वक्फ बोर्ड का है जिसमें विपक्षी दलों की वोट बैंक की राजनीति के चलते वक्फ अधिनियम में संशोधन करने वाले विधेयक को जे.पी.सी. को भेज दिया गया, फिर भी आम सहमति कठिन क्योंकि सांसद पार्टी लाईन के अनुसार बंटे रहेंगे। असलियत में वक्फ के पास अरबों की सम्पत्ति होने के बावजूद मुस्लिम समाज की भलाई के लिये कुछ खास नहीं किया गया पर विपक्ष तुष्टीकरण की सस्ती राजनीति कर रहा है. सेना और रेल्वे के बाद दूसरे नम्बर पर भूमि, यहाँ तक कि पाकिस्तान जैसे देश से भी ज्यादा जमीन वक्फ बोर्ड के पास है। वर्ष 1954 में पहला वक्फ अधिनियम और वर्ष 1995 में संशोधन जिसमें भारत से पाकिस्तान गये मुसलमानों की जमीन वक्फ को दे दी गई। इसी के साथ बाबरी ढ़ांचे के विध्वंस की भरपाई के लिये अधिनियम में संशोधन कर वक्फ बोर्ड को जमीन अधिग्रहण के असीमित अधिकार दे दिये गये।

2013 में संशोधन हुआ जिसमें अहम समस्याएं उत्पन्न हुईं जैसे- कुप्रबन्धन, स्वामित्व से जुड़े विवाद, पंजीकरण और सर्वेक्षण में देरी इत्यादि। 2014 लोकसभा चुनाव के ठीक पहले दिल्ली की 123 प्रमुख सम्पत्तियों को दिल्ली वक्फ बोर्ड को उपहार में दे दिया। 2013 के संशोधन के तहत किसी की भी सम्पत्ति छीनने के असीमित अधिकार वक्फ बोर्ड को दिये गये, जिसे किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती थी। यहाँ इस तरह से इसमें प्रभावित पक्ष को न्यायपालिका तक जाने के रास्ते भी बंद कर दिये गये- जो भारतीय संविधान के समानता के अधिकार के विरूद्ध है जिसके चलते वक्फ माफिया की तरह व्यवहार करने लगा, जिसमें निजी सम्पत्ति से लेकर सरकारी भूमि, मंदिर, गुरूद्वारे तक की भूमि पर वक्फ बोर्ड कब्जा कर रहा है।

वर्ष 2009 तक लाखो एकड़ भूमियाँ तथा तीन लाख पंजीकृत सम्पत्तिया वक्फ बोर्ड के पास थी जो पिछले 15 वर्षों में दुगुनी हो गई हैं। तुष्टिकरण के तहत केजरीवाल भी 101 करोड़ रूपये वक्फ बोर्ड को दे चुके हैं। वर्तमान में देश में 32 वक्फ बोर्डो पर मात्र 200 लोग काबिज हैं। तमिलनाडु में वक्फ बोर्ड ने हाल में एक पूरे गाँव पर स्वामित्व का दावा किया है। गाँव में 1500 साल पुराना मंदिर है जिसपर वक्फ बोर्ड ने दावा कर दिया जबकि इस्लाम ही 1400 साल पहले दुनिया में आया। हरियाणा के यमुना नगर जिले में जठलाना ग्राम गुरूद्वारा की जमीन को वक्फ को हस्तांतरित कर दिया गया जबकि इस जमीन पर कोई मुस्लिम बस्ती या मस्जिद होने का प्रमाण नहीं है। नवम्बर 2021 में मुगलीमरा में सूरत नगर निगम मुख्यालय को वक्फ सम्पत्ति घोंषित कर दिया गया कि शाहजहाँ ने अपनी पुत्री को वक्फ सम्पत्ति के रूप में दान किया था। वर्ष 2018 में ताज महल पर वक्फ बोर्ड द्वारा स्वामित्व का दावा कर दिया गया।

वस्तुस्थिति यह है कि वक्फ बोर्ड की जो कार्यपद्धति है और यह जो चंद लोगो की मुट्ठी में कैद है, उसके चलते कई घोटाले इसके सामने आ चुके हैं। कर्नाटक की हाई ग्राउण्ड पुलिस ने कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड के पूर्व सी.ई.ओ. जुल्फिकरूला के विरूद्ध 4 करोड़ रूपये से अधिक की बोर्ड के मुख्य लेखाकार मीर अहमद उब्बास की कथित हेराफेरी की शिकायत पर 6 जुलाई 2024 को केस दर्ज किया। 26 साल से मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष रहे रियाज खान को गिरफ्तारी का नोटिस देते हुये प्रशासन ने 1 जुलाई 2024 को गिरफ्तार किया। रियाज पर वक्फ की मदार गेट स्थित 45 हजार वर्गमीटर पर बनी 115 दुकानों, 16 दफ्तरों, दो स्कूल और एक मैरिज हाल के किराये से प्राप्त 7 करोड़ 11 लाख 9 हजार 909 रूपये का हिसाब का घाल-मेल का आरोप है। उत्तरप्रदेश के सहारनपुर के फिरोजाबाद गांव में सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड की वक्फ संख्या 322, 121 की करीब 183 बीघा जमीन है। चिलमाना निवासी हाकिम अली ने 24 जून 2024 को कमिश्नर को शिकायत देकर अवगत कराया कि इस जमीन में सालाना करीब 50 लाख की आय होती है लेकिन 15 वर्ष में करीब 7-5 करोड़ की आय का कोई हिसाब-किताब नहीं है। कानपुर के अनवगंज थाना क्षेत्र के दलेलपुरवा इलाके में 22 जून 2024 को बक्फ बोर्ड के मुतल्लची शादाब खान के खिलाफ 20 करोड़ रूपये की जमीन को फर्जी तरीके से बेचने का आरोप है। अमरोहा (उत्तर प्रदेश) में उत्तर प्रदेश शिया सेन्ट्रल वफ्फ बोर्ड के मुतवल्ली अनवर सिप्तैन पर धोखाधड़ी कर अवैध रूप से 16 दुकाने बनाकर करोड़ो रूपये में बेचने के आरोप हैं, जिस पर प्रशासन नोटिस जारी कर चुका है। दिल्ली वक्फ बोर्ड के इमाम सिद्दीकी पर ईडी का आरोप है कि आप विधायक अमानतुल्लाह खान के कहने पर गलत कमाई से 36 करोड़ की खरीदी की गई और कुल मिलाकर 100 करोड़ रूपये की सम्पत्ति का दुरूपयोग किया गया। नई दिल्ली में वक्फ बोर्ड के पूर्व सी.ई.ओ. एस.एम. अली पर आरोप है कि संविदा कर्मियों की नियुक्ति में नियमों का उल्लंघन किया और अमानतुल्लाह के कहने पर अवैध प्रस्तावों को मंजूरी दी। नई दिल्ली वक्फ बोर्ड में 286 करोड़ का घोटाला अमानतुल्लाह के संरक्षण में किया गया। इसी तरह से दिल्ली के वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अमानतुल्लाह खान पर 32 लोगों को अवैध रूप से भर्ती करने और अवैध रूप से वक्फ बोर्ड की कई सम्पत्तियों को किराये पर देने का मामला है और उन्हें ईडी द्वारा गिरफ्तार भी कर लिया गया है। गलत कमाई से दिल्ली तेलंगाना और उत्तराखण्ड में सम्पत्तियाँ बनाई गई हैं।

भठिंडा (पंजाब) वक्फ बोर्ड के कार्यकारी अधिकारी लायक अहमद को रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। भठिंडा (पंजाब) में ही वक्फ के लोगो द्वारा 18 एकड़ जमीन की हेराफेरी की गई तो हिमांचल की राजधारी शिमला में वक्फ बोर्ड के मेम्बर सादिक मोहम्मद को विजिलेंस ने रिश्वत लेते हुये गिरफ्तार किया। अम्बेडकर नगर (असम) में असम वक्फ बोर्ड के सदस्यों द्वारा वक्फ की जमीनों को अवैध रूप से करोड़ो में बेंच दिया गया। कर्नाटक के वक्फ बोर्ड की कुल 54000 एकड़ भूमि पर 29000 एकड़ भूमि राज्य के मुस्लिम नेताओं द्वारा लूट ली गई। इसी तरह से 2.35 लाख करोड़ की सम्पत्ति भी लूटी गई। महाराष्ट्र में पुणे वक्फ बोर्ड घोटाला मामले में 7-7 करोड़ का घोटाला किया गया, जिसमें ईडी ने दो लोगो को हिरासत में लिया तो महाराष्ट्र के औरंगाबाद के अधिकारियों की मिली भगत से 20 एकड़ वक्फ भूमि की माफियाओं से सौदेबाजी की गई। कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग ने गुलबर्गा, बेंगलूरू शहरी एवं ग्रामीण रामानगरम एवं कोप्पल जैसे क्षेत्रों में वक्फ बोर्ड के पूर्व प्रमुखों द्वारा सम्पत्तियों के दुरूपयोग, अतिक्रमण और धोखाधड़ी के कृत्यों का आरोप लगाया है। मदुरै (तमिलनाडु) में वक्फ बोर्ड द्वारा नियुक्तियों में 35 लाख रूपये प्रति उम्मीदवारों से रिश्वत ली गई। हैदराबाद में 4 एकड़ वक्फ भूमि का अवैध लेन-देन किया गया।

हैदराबाद में वक्फ भूमि पट्टा करने के नाम पर रिश्वत ली गई। भोपाल मध्यप्रदेश में 6.5 करोड़ की वक्फ सम्पत्तियों को 2009 में गुफराने आजम के अध्यक्षीय कार्यकाल में घोटाला किया गया जिस पर पुलिस द्वारा 420 समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया। कोलकाता में 1000 करोड़ रूपये से वक्फ बोर्ड द्वारा किये गये घोटाले की जाँच सी.बी.आई. कर रही है, तो बेंगलूरू में 2 लाख करोड़ रूपये की भूमि के स्वामित्व से छेड़छाड़ की गई। कोलकाता में रूपये लेकर वक्फ की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कराने का आरोप है।

ऐसी स्थिति में एक सर्वे के अनुसार 10 में 9 भारतीय यह चाहते हैं कि वक्फ बोर्ड में मोदी सरकार द्वारा जो सुधार के लिये 40 संशोधन किये गये हैं, उसमें सुधार करना उचित कदम है लेकिन बोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति इस सुधार की दिशा में बड़ी बाधा है। वस्तुतः इन सुधारों को उद्देश्य वक्फ बोर्ड को न्यायिक समीक्षा के दायरे में लाना, इसे आम मुस्लिमों के लिये उत्तरदायी बनाना और गरीब मुस्लिमों के कल्याण के लिये एक व्यापक स्वरूप देना है। परन्तु मुल्ला मौलवी पूरे आक्रामक अंदाज में इसके विरोध में खड़े होकर इसे भरपूर साम्प्रदायिक रंग दे रहे हैं लेकिन परि स्थितियां पूर्व से भिन्न होने के बावजूद यह उम्मीद की जा सकती है कि तीन तलाक की तरह वक्फ बोर्ड की कार्यवाही में भी व्यापक सुधार लाने में मोदी सरकार सफल होगी।

मॉनसून और पक्षियों की अनोखी दुनिया

मॉनसून का भारतीयों से एक गहरा संबंध है। मॉनसून सिर्फ एक मौसम का बदलाव नहीं है; यह हमारे विविध देश की जीवनरेखा है। कई लोगों के लिए, बारिश की बूंदों की आवाज़ और गीली मिट्टी की खुशबू खुशी, बचपन और जीवन की यादें ताजा कर देती है। कश्मीर की धुंध भरी घाटियों से लेकर केरल के हरे-भरे वन तक, मॉनसून भारत को एक प्राकृतिक स्वर्ग में बदल देता है। मॉनसून के आने से भारत की वनस्पति और जीव-जंतुओं में भी अद्भुत बदलाव देखने को मिलता है। कई पक्षी तथा जानवर इस मौसम की खुशी में झूम उठते हैं। मोर के नृत्य और खेलते हुए हिरण, की खुशी के दृश्य मॉन्सून के मनमोहक रूपों में से कुछ हैं। और पक्षियों की बात करें तो कई प्रजातियाँ ऐसी हैं जो केवल बारिश के मौसम में और कुछ विशेष क्षेत्रों में ही दिखाई देती हैं। बारिश बटेर, जिसे अंग्रेजी में रेन क्वेल कहा जाता है, मॉनसून के मौसम का एक अनोखा और प्रतीकात्मक पक्षी है। यह पक्षी बेहद शर्मीला होता है, लेकिन इसकी एक विशिष्ट मुद्रा है—आकाश की ओर देखकर अपनी मधुर आवाज में पुकारना। बारिश बटेर का यह आकाश की ओर देखना और पुकारना मॉनसून की छटा को और भी मनमोहक बना देता है। यह पक्षी मुख्य रूप से भारत के लगभग हर हिस्से में देखा जा सकता है। यह घास के मैदानों, खुले खेतों, और गीली जमीनों पर रहना पसंद करता है, खासकर उन जगहों पर जहां बारिश के बाद हरियाली होती है। बारिश बटेर अपने छोटे आकार, धब्बेदार पंखों, और तेज़ आवाज़ के कारण पहचाना जाता है। बारिश बटेर का अस्तित्व यह दर्शाता है कि मॉनसून ने वातावरण को कितना प्रभावित किया है, और इसके आवाज से यह बताता है कि वर्षा ऋतु अपने पूरे वैभव में है।

द्वादशी श्राद्ध , तर्पण का समय और बारहवें श्राद्ध कर्म की पूजा विधि

द्वादशी श्राद्ध, पितृ पक्ष के 12वें दिन किया जाता है। विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो अपने जीवनकाल में सन्यासी बन गए थे उनके लिए द्वादशी श्राद्ध का विशेष महत्व होता है। यह माना जाता है कि द्वादशी श्राद्ध करने से पितृ दोष दूर होता है और पितरों को शांति मिलती है। पितृ देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है और मन की शांति के साथ आत्मिक शांति प्राप्त होती है। जिन लोगों के परिवार में कोई व्यक्ति सन्यासी हुआ हो या जिस परिवार पर पितृ दोष हो उन्हें इस दिन श्राद्ध कर्म जरूर करना चाहिए। जो लोग अपने पितरों को शांति देना चाहते हैं वो भी ये श्राद्ध कर सकते हैं। पितृ पक्ष का समय अपने पूर्वजों को याद करने और उन्हें श्रद्धांजलि देने का होता है। द्वादशी तिथि सितम्बर 28, 2024 को 02:49 पी एम बजे से प्रारंभ हो चुकी है जो सितम्बर 29, 2024 को 04:47 पी एम बजे तक रहेगी। इस साल द्वादशी का श्राद्ध कर्म रविवार, सितम्बर 29 को ही किया जाएगा। आप तर्पण का समय भी जान लें। हिंदू धर्म में श्राद्ध कर्म कुतुप, रौहिण मुहूर्त में करना चाहिए या आप अपराह्न काल में भी कर सकते हैं।

कुतुप मूहूर्त - 11:47 ए एम से 12:35 पी एम
अवधि - 00 घण्टे 48 मिनट
रौहिण मूहूर्त - 12:35 पी एम से 01:23 पी एम
अवधि - 00 घण्टे 48 मिनट
अपराह्न काल - 01:23 पी एम से 03:46 पी एम
अवधि - 02 घण्टे 23 मिनट

द्वादशी श्राद्ध करने की विधि

द्वादशी तिथि का शुभ मुहूर्त निकालकर उसी समय श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध विधि के बारे में किसी पंडित से सलाह लेना उचित होता है। लेकिन आप अगर घर में कर रहे हैं तो अपने पितरों की पसंद का खाना बनाएं, श्राद्ध के लिए आवश्यक सभी सामग्री तैयार करके विधिपूर्वक श्राद्ध करें। श्राद्धानंतर ब्राह्मणों को दान देना बेहद पुण्यकारी माना जाता है।

आज भी जिंदा हैं रामायण-महाभारत काल के ये 8 चिरंजीवी, जिन्हें मृत्यु छू भी नहीं सकती

हिंदू धर्म शास्त्रों में 8 चिरंजीवियों का जिक्र किया गया है जो कि धरती के अंत तक मौजूद रहेंगे। क्योंकि इन्हें अमरता का वरदान प्राप्त है।

कौन होते हैं चिरंजीवी ?

चिरंजीवी का अर्थ होता है अमर या हमेशा जीवित रहने वाला व्यक्ति। हिंदू धर्म पुराणों के अनुसार आठ चिरंजीवी हैं, जिन्हें अजरअमर माना जाता है। इनका उल्लेख प्राचीन शास्त्रों और पुराणों में मिलता है। आइए जानते हैं कौन हैं ये 8 चिरंजीवी

अश्वत्थामा

गुरु द्रोणाचार्य और कृपी के पुत्र, अश्वत्थामा को महाभारत युद्ध के बाद चिरंजीवी होने का श्राप मिला था। कहते हैं कि अश्वत्थामा आज भी धरती पर विचरण कर रहे हैं।

बलि

असुरों के राजा बलि से वामन अवतार में भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगी थी और अंततः उन्हें पाताल लोक में भेज दिया। बलि को चिरंजीवी रहने का वरदान मिला था और वह कलियुग में विष्णु के अगले अवतार कल्कि से मिलेंगे।

वेदव्यास

महर्षि वेदव्यास को महाभारत का रचयिता माना जाता है। उन्होंने वेदों का संकलन किया और पुराणों की रचना भी की। धर्म शास्त्रों के अनुसार वे भी चिरंजीवी माने जाते हैं।

हनुमान जी

भगवान राम के परम भक्त हनुमान को चिरंजीवी का वरदान प्राप्त है। हनुमान जी को वरदान मिला था कि जब तक पृथ्वी पर रामकथा सुनाई जाएगी, वे जीवित रहेंगे।

विभीषण

कुछ धर्म शास्त्रों के मुताबिक रावण के भाई विभीषण को भी चिरंजीवी माना गया है। यानि आज भी विभीषण जीवित हैं।

कृपाचार्य

कृपाचार्य, गुरु द्रोणाचार्य के साले और महाभारत के युद्ध में कौरवों की ओर से लड़ने वाले योद्धा थे। उन्हें अमरता का वरदान प्राप्त हुआ था।

परशुराम

भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम को भी चिरंजीवी कहा गया है। वे अद्वितीय योद्धा हैं और उन्हें कलियुग में भगवान विष्णु के अगले अवतार, कल्कि के गुरु के रूप में भी जाना जाएगा।

मार्कण्डेय

ऋषि मार्कण्डेय को भी चिरंजीवी होने का वरदान मिला था। वे अत्यंत तपस्वी और भक्तिमान थे, जिन्हें भगवान शिव और विष्णु की कृपा प्राप्त थी।

वाल्मीकि रामायण में कई योद्धाओं का ज़िक्र हुआ है, उसमें से एक योद्धा जिसने इंद्र को हराया वो था रावण का बेटा इंद्रजीत। उसे मेघनाद भी कहा जाता था क्योंकि ये बादलों में छुपकर युद्ध करता था। मेघनाथ इतना बड़ा वीर-योद्धा था की मरने के बाद भी उसका सिर जोर-जोर से हंस रहा था।

आइए जानते हैं कैसे:-

रामायण के युद्ध में मेघनाद ने अपनी बहादुरी का परिचय बख़ूबी दिया। उसने कई ऐसे प्रहार किये जिससे बचना श्री राम और लक्ष्मण के लिए मुश्किल था परन्तु अंत में वह लक्ष्मण के बाणों से बच ने सका। लक्ष्मण जी ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया और वह सिर श्री राम के चरणों में आकर गिरा।

श्री राम मेघनाद की मृत्यु की खबर लंका में उसके परिवार तक पहुँचाना चाहते थे इसलिए उन्होंने मेघनाद की एक बाजु तीर से लंका में पहुंचा दी। जब वह भुजा मेघनाद की पत्नी ने देखी तब उसे यकीन नहीं हुआ की मेघनाथ वीरगति को प्राप्त हो चूका है। उसने भुजा से आग्रह किया की अगर वह मेघनाद की ही भुजा है तो लिख कर उसकी उलझन दूर करे।

मेघनाद की पत्नी सुलोचना के ये कहते ही भुजा हिलने लगी। यह देख सभी हैरान हो गए। दासी से कलम मंगवाई और भुजा ने लक्ष्मण के गुणगान में कुछ शब्द लिखे। ऐसा देख कर सुलोचना को विश्वास हो गया कि उसके पति की मृत्यु हो गयी है और वह विलाप करने लगी।फिर सुलोचना ने सती होने का मन बनाया और रावण के पास मेघनाद की भुजा लेकर पहुंची। उसने रावण को सारी कहानी बताई और मेघनाथ का शीश माँगा। पूरा परिवार मेघनाथ की मृत्यु के शोक में था तभी रावण ने सुलोचना से कहा की तुम कुछ क्षण इंतज़ार करो ताकि मैं मेघनाथ के शीश के साथ-साथ शत्रु का शीश भी ले आऊँ। परन्तु सुलोचना को अपने ससुर पर विश्वास नहीं था इसलिए, मंदोदरी के कहने पर कि श्री राम ही तुम्हारी मदद करेंगे, वह श्री राम के पास चली गयी। तब विभीषण ने उसका परिचय श्री राम को कराया। सुलोचना श्रीराम के सामने अपने पति की मृत्यु का विलाप करने लगी और कहा, 'हे राम मैं आपकी शरण में आई हूं। मेरे पति का सिर मुझे लौटा दें ताकि में सती हो सकूं।'

श्रीराम सुलोचना को रोता हुआ नहीं देख पाए और कहा कि मैं तुम्हरे पति को पुनः जीवित कर देता हूँ। परन्तु सुलोचना ने मना करते हुए ये कहा, 'मैं नहीं चाहती कि मेरे पति जीवित होकर संसार के कष्टों को भोगें। मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे आपके दर्शन हो गए। मेरा जन्म सार्थक हो गया। अब जीने की कोई इच्छा नहीं रही।'

श्रीराम के कहने पर वानर-राज सुग्रीव मेघनाद का सिर ले आए। लेकिन उनका मन नहीं माना कि मेघनाद की कटी हुई भुजा ने लक्ष्मण जी के गुणगान में शब्द लिखे हैं। उन्होंने कहा कि वह सुलोचना की बात को तभी सच मानेंगे जब मेघनाद का कटा हुआ सिर हंसेगा।

सुलोचना के लिए यह बहुत बड़ी परीक्षा थी। उसने कटे हुए सिर से कहा, 'हे स्वामी! जल्दी हंसिए, वरना आपके हाथ ने जो लिखा है, उसे ये सब सत्य नहीं मानेंगे।' इतना सुनते ही इंद्रजीत का सिर ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगा।

क्या आप पैसों की तंगी से परेशान हैं ?

पहला उपाय

रोज़ सुबह जल्दी उठ कर नहाएं और नहाने के पानी में कुछ काले तिल मिलाएं। यह उपाय करने से दुर्भाग्य दूर हो जाएगा।

दूसरा उपाय

हर शनिवार को काले तिल और काली उड़द को काले कपडे में अच्छे से बांधकर किसी गरीब व्यक्ति को दान करें। ऐसा करने से पैसों से जुडी समस्याएं दूर होने के काफी लक्षण रहते हैं।

तीसरा उपाय

दूध में काले तिल मिला कर पीपल के पेड़ पर चढाने से बुरा समय दूर हो सकता है।

चौथा उपाय

प्रतिदिन एक लोटे में शुद्ध जल/पानी भरें और उस पानी में थोड़े काले तिल डालें। अब इस जल को शिवलिंग पर 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करते हुए चढ़ाएं। इस से बहुत लाभ प्राप्त होगा।

पाँचवा उपाय

यदि शनि की साढ़ेसाती या ढय्या का समय चल रहा हो तो किसी पवित्र नदी की साफ़ जगह पर हर शनिवार को काले तिल प्रवाहित करना अच्छा माना जाता है। ऐसा करने से शनि के दोषों की शांति होती है और बिगड़े काम बनने आरम्भ हो जाते हैं।

छठा उपाय

काले तिल का दान करने से राहु-केतु और शनि संबंधी लगभग सभी अशुभ योगों के बुरे प्रभाव समाप्त होते हैं।

सातवाँ उपाय

किसी किन्नर को श्रृंगार का सामान और कुछ धन का दान करें। उनके पैर छूकर उनका आशीर्वाद लें। यह उपाय करने से सभी प्रकार की परेशानियों दूर हो सकती हैं।

बिहारी जी किसी का उधार नहीं रखते

एक बार की बात है। वृन्दावन में एक संत रहा करते थे। उनका नाम था कल्याण, वे बाँके बिहारी जी के परमभक्त थे। एक बार उनके पास एक सेठ आया, अब था तो सेठ... लेकिन कुछ समय से उसका व्यापार ठीक से नही चल रहा था। उसको व्यापार में बहुत नुकसान हो रहा था।

सेठ उन संत के पास गया और उनको अपनी सारी व्यथा बताई और कहा, महाराज मेरे व्यापार में कुछ दिनों से काफी नुकसान हो रहा है आप कोई उपाय करिये। संत ने कहा सेठ जी अगर मैं ऐसा कोई उपाय जानता तो आपको अवश्य बता देता। लेकिन मैं ऐसी कोई विद्या नही जानता जिससे मैं आपके व्यापार को ठीक कर सकु, ये मेरे बस में नही है। हमारा तो एक ही सहारा है, बिहारी जी....

इतनी बात हो ही पाई थी, कि बिहारी जी के मंदिर खुलने का समय हो गया। संत सेठ जी को बिहारी जी के मंदिर में ले आये और अपने हाथ को बिहारी जी की ओर करते हुए सेठ जी को बोले, आपको जो कुछ भी मांगना है...जो कुछ भी कहना है...इनसे कह दो। ये सबकी कामनाओ को पूर्ण कर देते है।

सेठ जी ने बिहारी जी से प्रार्थना की, दो चार दिन वृन्दावन में रुके और फिर चले गए। कुछ समय बाद सेठ जी का सारा व्यापार धीरे-धीरे ठीक हो गया। अब सेठ जी समय-समय पर बिहारी जी के दर्शन करने वृन्दावन आने लगे। लेकिन कुछ समय बाद सेठ जी थोडे अस्वस्थ हो गए, वृन्दावन आने की शक्ति भी अब उनके शरीर मे नही रही। एक बार उसका एक जानकार वृन्दावन धाम की यात्रा पर जा रहा था इस बात को जानकर सेठ जी को बड़ी प्रसन्नता हुई!

सेठ जी ने उसे कुछ पैसे दिए और कहा कि ये धन तू बिहारी जी की सेवा में लगा देना और उनको पोशाक धारण करवा देना। वो भक्त जब वृन्दावन आया तो उसने सेठ जी के कहे अनुसार बिहारी जी के लिए पोशाक बनवाई और उनको भोग भी लगवाया। लेकिन इन सब व्यवस्था में धन थोड़ा ज्यादा खर्च हो गया। लेकिन उस भक्त ने सोचा...चलो कोई बात नही, थोड़ी सेवा बिहारी जी की हमसे भी बन गई।

अब इधर मंदिर बंद हुआ तो बिहारी जी रात को सेठ जी के स्वप्न में पहुच गए। सेठ जी को स्वप्न में ही बिहारी जी ने कहा, तुमने जो मेरे लिए सेवा भेजी थी वो मेने स्वीकार की... लेकिन उस सेवा में 249 रुपये ज्यादा लगे है, तुम उस भक्त को ये रुपय लौटा देना। ऐसा कहकर बिहारी जी अंतर्ध्यान हो गए।

सेठ जी की जब सुबह आँख खुली तो वे बिहारी जी की लीला देख कर आश्चर्य चकित रह गए।

सेठ जी जल्द से जल्द तैयार हो कर उस भक्त के घर पहुच गए और उसको सारी बात बताई। यह सब जानकर वो भक्त आश्चर्य चकित रह गया, कि ये बात तो सिर्फ मैं ही जनता था और तो मैने किसी को बताई भी नही।

सेठ जी ने उनको वो 249 रुपये दिए और कहा... "मेरे सपने में श्री बिहारी जी आए थे, वो ही मुझे ये सब बात बता कर गए है"... ये लीला देखकर वो भक्त खुशी से मुस्कुराने लगा और बोला जय हो बिहारी जी की इस कलयुग में भी हमारे बिहारी जी किसी का कर्ज किसी के ऊपर नही रहने देते। जो एक बार इनकी शरण ले लेता है। फिर उसे किसी से कुछ माँगना नही पड़ता, उसको सब कुछ मिलता चला जाता है।

क्यों पालना चाहिए घर में कुत्ता

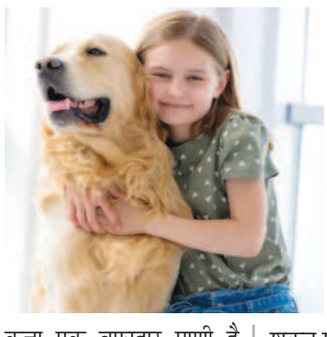

आजकल लोग घर में कुत्ता इसलिए पालते हैं कि वह उनके घर की चोरों से रक्षा कर सके।

कुत्ता एक वफादार प्राणी है और इसे घर में पालने से हमे अनेक लाभ हो सकते है। यह हर तरह के खतरे अंदाज़ा लगा लेते है और अपने मालिक की रक्षा करते है।

प्राचीन काल में जंगली जानवरों, लुटेरों और भूत आदि के भय से अपने बचाव के लिए लोग कुत्ते को अपने साथ रखते थे। आदिवासी लोग कुत्ते को पालते थे ताकि उन्हें हर तरह के खतरे का पहले ही आभास हो जाए और वे सतर्क हो जाएं।

शकुन शास्त्र में कुत्ते को शकुन रत्न माना जाता है क्योंकि कुत्ता इंसान से भी अधिक वफादार, भविष्य वक्ता और अपनी हरकतों से शुभ-अशुभ का भी ज्ञात करवाता है।

काला कुत्ता शनिदेव का वाहन है इसलिए जिस जातक की कुंडली में शनि की दशा चल रही हो ज्योतिष उस जातक को काले कुत्ते की सेवा करने की सलाह देते है। घर में काला कुत्ता पालने से और उसे खाना खिलाने से शनि अति प्रसन्न होते है और मनुष्य को उसकी परेशानियों से मोक्ष दिलाते है। साढ़ेसाती, ढैय्या या कुंडली का अन्य कोई दोष कुत्ते को पलने हेतु ठीक हो जाता है।

कुत्ता पालने से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है और कुत्ता घर के रोगी सदस्य की बीमारी अपने ऊपर लेकर उन्हें स्वस्थ्य करने में सहायक होता है।

राहु-केतु से संबंधित दोष जो की किसी को भी हानि पंहुचा सकते है, अगर उसका निवारण करना चाहते हो तो कुत्ते को तेल से चोपड़ी हुई रोटी खिलाएं। राहु-केतु के योग कालसर्प योग से पीड़ति व्यक्तियों को यह उपाय लाभ पहुंचाता है।

'धर्म जैसे विषय से दूर रहना ही बेहतर है', 'आदिपुरुष' की आलोचना पर सैफ ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

सैफ अली खान अपनी हालिया रिलीज 'देवरा' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म आज यानी 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और इसे दर्शकों की अच्छी खासी प्रतिक्रिया भी मिल रही हैं। फिल्म में सैफ अली खान विलेन की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। इससे पहले सैफ अली खान 'आदिपुरुष' में भी रावण के किरदार में नजर आए थे। हालांकि, उस फिल्म के लिए अभिनेता को कई आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब सैफ ने खुद पहली बार फिल्म को लेकर हुई ट्रोलिंग पर चुप्पी तोड़ी है।

हाल ही में, सैफ अली खान ने अपनी फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर हो रही आलोचनाओं के बारे में खुलकर बात की है। सैफ ने स्वीकार किया कि यह प्रतिक्रिया काफी परेशान करने वाली थी।

उन्होंने कहा, ₹एक मामला था और अदालत ने कुछ इस तरह का निर्णय लिया था कि एक अभिनेता स्क्रीन पर जो कुछ भी कहता है, उसके लिए वह जिम्मेदार है।

सैफ ने आगे कहा, मुझे पता है कि बहुत से लोग जो चाहें कहने या करने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं।

हम सभी को खुद पर थोड़ा नियंत्रण रखना होगा और थोड़ा सावधान रहना होगा नहीं तो परेशानी हो सकती है। धर्म जैसे कुछ विषय

हैं, जिनसे आपको दूर रहने की जरूरत है। हम यहां परेशानी पैदा करने के लिए नहीं हैं।

सैफ ने 'तांडव' सीरीज में एक राजनेता की भूमिका निभाने के अपने अनुभव को याद किया, जिसे काफी विवादों का सामना करना पड़ा था।

उन्होंने कहा, मैंने एक शो (तांडव) में एक राजनेता की भूमिका निभाई थी, जो काफी परेशानियों से घिरा हुआ था। इसलिए, आप नौकरी से सीखते हैं। आपको इन क्षेत्रों से दूर रहने की जरूरत है। सैफ ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर उनका उद्देश्य अपने काम के जरिए लोगों को एक-साथ लाना है।

करियर के पीक पर पहुंचकर तृप्ति डिमरी ने प्लान किया रिटायरमेंट

बॉलीवुड छोड़ पहाड़ों में गुजारेंगी जिंदगी

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने तृप्ति डिमरी को स्टार बना दिया है। इस फिल्म में तृप्ति और रणबीर ने कई बोल्ड सीन्स दिए, जिनकी चर्चा लोगों के बीच काफी ज्यादा हुई थी। अब तृप्ति के पास फिल्मों की लाइन लगी हुई है। हाल ही में उनकी फिल्म भूल भुलैया 3 का एक पोस्ट रिलीज हुआ है। इसके अलावा भी तृप्ति के पास कई बड़ी फिल्में हैं, लेकिन करियर के पीक पर होते हुए अभिनेत्री ने अपने रिटायरमेंट को प्लान कर लिया है

पर मेरा रिटायरमेंट होगा। ये मेरा रिटायरमेंट प्लान ही समझ लो आप लोग। मैं पहाड़ों पर जाकर ही रहने वाली हूं। वहां पर ताजा हवा और शुद्ध खाना सब कुछ मिलता है ।

और बारे में उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है। आइए आपको बताते हैं कि तृप्ति डिमरी ने क्या कहा।

तृप्ति डिमरी ने खोला रिटायरमेंट प्लान

हाल ही में तृप्ति डिमरी इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मों से लेकर एनिमल के बारे में जमकर बातचीत की। इसी दौरान तृप्ति से रिटायरमेंट की प्लानिंग के बारे में पूछा गया। तब एक्ट्रेस ने खुलकर जवाब दिया और बताया कि उन्होंने इसकी प्लानिंग पहले ही कर रखी है। तृप्ति ने बताया कि वह पहाड़ों पर ही बसने का प्लान कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं पहाड़ी हूं। उत्तराखंड से हूं। मुझे पहाड़ और नेचर दोनों ही बहुत ज्यादा पसंद हैं। मैं वहां पर खुश रहती हूं। मैं पहाड़ों पर जाकर घर जैसा महसूस करती हूं और यहीं पहाड़ों के बीच रहना ही मुझे पसंद है। इस इंटरव्यू में तृप्ति डिमरी ने यह भी बताया कि अगर वह एक्ट्रेस नहीं बनतीं तो वह जरूर वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर बनतीं।

इन फिल्मों में नजर आएंगी तृप्ति डिमरी

बता दें कि तृप्ति डिमरी ने लैला मजनू, कला और बुलबुल जैसी शानदार फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया है, लेकिन तृप्ति को असली फेम फिल्म एनिमल से मिला। इस फिल्म के बाद तृप्ति के पास कई प्रोजेक्ट आ गए हैं। वह अब भूल भुलैया 3, धड़क 2, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो जैसी कुछ फिल्मों में नजर आने वाली हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री और टीवी जगत की तमाम खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहे।

जूनियर के दीवानों का दंड बनी 'देवरा', 'बाहुबली' बनाने के चक्कर में बना दी 'साहो'

मूवी रिव्यू : देवरा पार्ट वन
कलाकार :जूनियर एनटीआर , सैफ अली खान , प्रकाश राज , रामेश्वरी , श्रुति मराठे , मुरली शर्मा , अभिमन्यु सिंह और जान्हवी कपूर
लेखक : कोरटाला शिवा और हिंदी संवाद – कौसर मुनीर
निर्देशक : कोरटाला शिवा
निर्माता :सुधाकर मिक्कीलिलेनी , कोसाराजू हरिकृष्णा और नंदमूरि कल्याण राम

तेलुगु सिनेमा के लोकप्रिय हुए अभिनेता नंदमूरि तारक रामाराव (एनटीआर) के पोते जूनियर एनटीआर इक्कीसवीं सदी में 'देवरा' बनने की कोशिश में हैं। छह साल हुए, उन्हें बड़े परदे पर कोई सोलो फिल्म किए हैं। बाल कलाकार के रूप में बनी 'ब्रह्मर्षि विश्वामित्र' और 'रामायणम' के बाद कोई 23 साल पहले जूनियर एनटीआर ने एक डबल रोल वाली फिल्म 'निन्नी चूडालनी' से ही बतौर हीरो डेब्यू किया था। फिल्म 'देवरा पार्ट वन' में भी वह डबल रोल में हैं। चूंकि इसका पोस्टर ही इसकी मुनादी कर चुका है तो इसकी चर्चा करने में यहां कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। डबल रोल वाली ये कुल मिलाकर जूनियर एनटीआर की पांचवीं फिल्म है। बीच में एक फिल्म मे वह ट्रिपल रोल भी कर चुके हैं।

लेखक से निर्देशक बने कोरटाला शिवा की दो साल पहले आई चिरंजीवी और राम चरण अभिनीत फ्लॉप फिल्म 'आचार्य' के बाद ये अगली फिल्म है। फिल्म को लेकर तेलुगु सिनेमा में जूनियर एनटीआर के दीवाने उतावले रहे हैं। फिल्म की एडवांस बुकिंग भी उत्साहजनक ही रही है, लेकिन फिल्म का पहला शो यहां सुबह सुबह साढ़े आठ बजे देखने पहुंचे दर्शकों का उत्साह करीब तीन घंटे लंबी ये फिल्म देखने के बाद आखिर तक आते आते बुझता सा नजर आया। फिल्म की कहानी बहुत खास नहीं है। बंदरगाहों की तरफ जाने वाले पानी के जहाज समंदर के जिस रास्ते से गुजरते हैं, वहां तट पर स्थित एक पहाड़ पर बसे चार गांवों की ये कहानी है। हर गांव एक अलग कला में निपुण रहा है। पहले वह इलाके के राजा के रक्षा करते रहे। फिर अंग्रेजों के भागने के बाद जन्मी पीढ़ी के लोग समंदर से निकलने वाले जहाजों से तस्करी का माल निकालने लगे। ये कहानी इन समुद्री लुटेरों, इनके परिवारों और इन गांवों की आपसी सियासत की है।

पुलिस की मदद से चलने वाले अवैध हथियारों की तस्करी वाले एक गिरोह की मदद करते करते देवरा को एक दिन समझ आता है कि जिन हथियारों की तस्करी में वह मदद करता रहा, वे हथियार ही उसके गांव का सुख लूट रहे हैं। उसको अक्ल आती है। उसके साथियों को नहीं। इस विरोधी गुट का लीडर भैरा है। देवरा और भैरा की दुश्मन बढ़ती है। देवरा को मारने

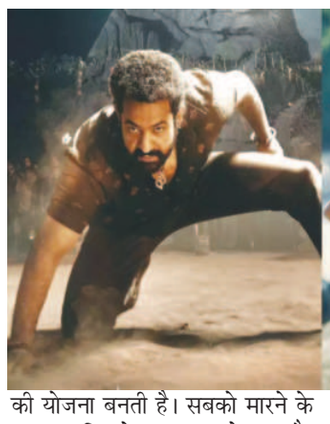

की योजना बनती है। सबको मारने के बाद एक दिन देवरा लापता हो जाता है। उसका बेटा वरा इंटरवल के बाद की कहानी आगे बढ़ाता है। झलक दिखाने भर को उसकी प्रेमिका थंगम भी है। कहानी आज के समय से शुरू होती जब क्रिकेट वर्ल्ड कप के दौरान शांति बनाए रखने के लिए पुलिस एक खास दस्ते को घोषित आतंकवादी को पकड़ने की मुहिम शुरू करती है।

फिल्म 'देवरा पार्ट वन' अपनी सीक्वल के लिए गुंजाइश छोड़कर खत्म होती है लेकिन जैसी ये 177 मिनट की फिल्म बनी है, उसे देखकर लगता नहीं कि इसे देखने वालों को इसके सीक्वल को देखने में बहुत कुछ दिलचस्पी बनी रहेगी। साउथ सिनेमा के के लिए जूनियर एनटीआर की कद काठी ठीक लगती होगी, लेकिन हिंदी सिनेमा के दर्शक ये फिल्म उनका करिश्मा देखने ही आए, जो फिल्म में कहीं इसके निर्देशक कोरटाला शिवा दिखा नहीं पाए।

फिल्म देखते समय दर्शक हर सीन के पहले ही बताते रहते हैं कि अब ये होने वाला है और फिल्म भी दर्शकों की इन टीका टिप्पणियों के साथ ही डूबती उतराती चलती है। सैफ अली खान का किरदार बहुत ही ज्यादा कमजोर लिखा गया है। विलेन जैसा कुछ उनके फिल्म मे कराया ही नहीं गया कि उनको कोई आतंक बने। 'दुल्हन वही जो पिया मन भाये' वाली रामेश्वरी को अरसे बाद बड़े परदे पर देखना अच्छा लगता है। मुरली शर्मा और अभिमन्यु सिंह अपने अपने खांचे वाले किरदार करते नजर आते हैं। प्रकाश राज को कोरटाला शिवा ने फिल्म का सूत्रधार बना दिया है। वह कहानी सुनाते चलते हैं। फिल्म आगे चलती जाती है। और हां, फिल्म में जान्हवी कपूर भी हैं। एक नहाने के सीन, एक गाने और दो तीन हंसी मजाक वाले सीन के लिए। उससे ज्यादा उनसे इस तरह की फिल्मों में किसी को कोई उम्मीद भी नहीं रही होगी। यहां ध्यान ये रखना है कि ये रोल जान्हवी के पास श्रद्धा कपूर, आलिया भट्ट और रश्मिका मंदाना के मन करने के बाद आया है।

फिल्म 'देवरा पार्ट वन' मात खाती है अपनी कहानी, अपनी पटकथा और अपने संवादों से। फिल्म की कहानी घिसी पिटी, पटकथा बहुत कमजोर और संवादों में बनावटीपन झलकता है। निर्देशक कोरटाला शिवा इस फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी हैं। न उनकी कहानी में नयापन है और न ही निर्देशन में।

कोरटाला शिवा के अपने निर्देशन मे पूरी तरह चूक जाने का ही नतीजा है कि फिल्म 'देवरा पार्ट वन' में साबू सिरिल जैसे दिग्गज कला निर्देशक, ए श्रीकर प्रसाद जैसे काबिल संपादक, आर रत्नावेलु जैसे कल्पनाशील सिनेमैटोग्राफर और अनिरुद्ध रविचंदर जैसे लोकप्रिय संगीतकार सब मिलकर भी कोई ऐसा करिश्मा नहीं दिखा पाए, जिससे देखकर सिनेमाघरों में दर्शकों के मुंह से वाह निकल जाए। फिल्म 'देवरा पार्ट वन' कुछ कुछ 'बाहुबली वन' की तर्ज पर खत्म होती है और कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा जैसा सस्पेंस भी रचने की कोशिश करती हैं, लेकिन इसी फिल्म का वर्तमान बहुत ठीक नहीं है, सीक्वल का भविष्य तो अभी बहुत दूर की कौड़ी है।

'हीरोइन' नहीं, 'साइंटिस्ट ' बनना चाहती थी दिशा पाटनी

बचपन में मैं बहुत शर्मीली थी और स्कूल जाना पसंद नहीं करती थी, क्योंकि मेरा कोई दोस्त नहीं था और मेरी शक्ल-सूरत की वजह से मुझे बहुत तंग किया जाता था- मेरे बाल बहुत छोटे थे, मैं बहुत पतली थी, खुल कर बोल नहीं पाती थी और सबसे बढ़कर, मुझमें बिल्कुल भी आत्मविश्वास नहीं था।

बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस अभिनेत्री मानी जाने वाली दिशा पाटनी अपने दिलकश अंदाज की वजह से फिल्मों ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी छाई रहती है। गत दिनों ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्की 2898 ए.डी.' में प्रभास के साथ नजर आई दिशा की अगली फिल्म 'कंगुआ' जल्द रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उसकी झोली में फिल्म 'वैल्कम टू द जंगल' भी है।

अभिनेत्री, डांसर के साथ ही वह अब निर्देशक भी बन चुकी है। निर्देशक इस तरह से, कि गत वर्ष वह म्यूजिक वीडियो 'क्यों करूं फिक्र' में नजर आई जिसे उसने ही डायरैक्ट किया था।

उत्तर प्रदेश के शहर बरेली से मुम्बई आना और गैर-फिल्मी परिवार से संबंधित होने के बावजूद उसने ग्लैमर जगत में जो लोकप्रियता बटोरी है, उसके लिए जीवन में काफी अनुशासन और फोकस की जरूरत होती है। उसके पिता पुलिस अधिकारी हैं और मां हैल्थ इंस्पैक्टर लेकिन घर से दूर मुम्बई जैसे शहर में उसने सब कुछ अपने दम पर कैसे सम्भाला, पर वह कहती है, ₹मेरे पिता हमेशा से ही बहुत व्यवस्थित रहे हैं और इस तरह के माहौल में पले-बढ़े होने से मुझे मुंबई आने पर बहुत मदद मिली जिम्मेदार होना मेरे लिए स्वाभाविक था और समय की पाबंदी जैसी बातों का ध्यान रखने से मेरे काम करने के तरीके को मजबूती मिली ,

जिसकी दूसरे लोग सराहना करते थे।

बचपन में बहुत शर्मीली थी

आज बेशक उसकी गिनती बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस अभिनेत्रियों में होती हो, बचपन में वह इससे एकदम उलट थी। बचपन की यादें ताजा करते हुए उसने कहा, ₹बचपन में मैं बहुत शर्मीली थी और स्कूल जाना पसंद नहीं करती थी, क्योंकि मेरा कोई दोस्त नहीं था और मेरी शक्ल-सूरत की वजह से मुझे बहुत तंग किया जाता था - मेरे बाल बहुत छोटे थे , मैं बहुत पतली थी, खुल कर बोल नहीं पाती थी और सबसे बढ़कर, मुझमें बिल्कुल भी आत्मविश्वास नहीं था। मैं अकेले बैठ कर खाना खाती थी लेकिन मेरी बहन, जो स्कूल में बहुत मशहूर थी, दोपहर के भोजन के समय मेरे साथ आकर बैठती थी...

लेकिन ईमानदारी से कहूं, तो यह मेरे लिए कोई बड़ी निराशाजनक बात नहीं थी क्योंकि मैं इसका ज्यादा तनाव नहीं लेती थी। मां से मिली प्रेरणा दिशा ने कभी अभिनेत्री बनने का सपना नहीं देखा था। उसकी मां ने उसे हमेशा प्रेरित किया, जिसका परिणाम उसे तब मिला, जब उसने कक्षा 10वीं में अच्छे अंक प्राप्त किए। वह भौतिकी और गणित में बहुत अच्छी थी, लेकिन उसे कभी भी जीव विज्ञान या वनस्पति विज्ञान पसंद नहीं आया।

उसने इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश लिया लेकिन मॉडलिंग करने के लिए दूसरे वर्ष में पढ़ाई छोड़ दी। तो उसके जीवन में यह बड़ा परिवर्तन कैसे और कब हुआ, के बारे में दिशा बताती है, भले ही मुझे स्कूल में तंग किया जाता था, लेकिन मेरा दृष्टिकोण बहुत सकारात्मक था, इसलिए मैं इससे बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुई। मैं खुद का दिल लगाए रख सकती थी और अपने ही माहौल में खुश रहती थी, अपनी पसंद की चीजें करती थी। साथ ही, इससे मुझे मदद मिली कि मैं हमेशा रचनात्मक थी।

खुद को खुश रखने के लिए मुझे कभी किसी बड़े समूह का हिस्सा बनने की जरूरत महसूस नहीं हुई... और जब कभी मैंने दोस्त बनाए, उनका और मेरा जीवन भर का साथ बना। इसके अलावा, मां ने वास्तव में मुझे प्रोत्साहित किया। वह एक अभिनेत्री बनना चाहती थीं और बहुत सुंदर हैं। और मुझे लगता है कि वह हमेशा चाहती थीं कि मैं कुछ बनूं। यह प्रेरणा मुझमें नहीं थी मैं तो साइंटिस्ट या ऐसा ही कुछ बनना चाहती थी। जब मैं लखनऊ में यूनिवर्सिटी में थी तो एक सहेली ने मॉडलिंग प्रतियोगिता के लिए मेरा नाम सुझाया और मुझसे कहा कि अगर तुम जीत जाओगी, तो तुम्हें मुंबई जाने का मौका मिलेगा।

मेरी किस्मत अच्छी रही और मैं जीत गई, जिसके कारण मैं मुंबई आ गई। यह बात मेरे लिए मजेदार और दिलचस्प थी कि मैं जीवन में भले ही बहुत शर्मीली और थोड़ी अंतर्मुखी थी लेकिन कैमरे के सामने मुझे किसी तरह की झिझक महसूस नहीं होती थी... कैमरे ने मुझे हमेशा ही सहज महसूस कराया।

मैं कभी ऐसी चीजों का प्रचार नहीं करुंगी जो स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं : शिल्पा

बॉलीवुड की कई मशहूर हस्तियों द्वारा अपनी ब्रांड एसोसिएशन के जरिए अस्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के बारे में बहस चल रही है, जबकि वे खुद अनुशासित आहार का सेवन करते हैं, लेकिन शिल्पा शैट्टी के मामले में ऐसा नहीं है। उसका कहना है कि वह जिस भी ब्रांड से जुड़ती है, उसके पीछे बहुत मेहनत होती है।

उसने एक सार्वजनिक हस्ती के रूप में अपनी जिम्मेदारी के बारे में खुल कर बात की और कहा कि वह कभी ऐसी चीजों का प्रचार नहीं करेगी, जो स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं हैं। एक सैलिब्रिटी के रूप में जिम्मेदारी के बारे में पूछे जाने पर, उसने स्वीकार किया कि वह अन्य सितारों की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता के बारे में थोड़ा अधिक सोचती है।

उसने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में, मैंने कुछेक उत्पादों का प्रचार किया है, जहां मैं सोचती हूं कि 'इसमें थोड़ी ज्यादा शूगर है'... लेकिन फिर मैं नर्क से आई दुष्ट चुड़ैल नहीं बन सकती। आप जानते हैं, लोग थोड़ी-बहुत चीनी खाते ही हैं लेकिन मैं बहुत ध्यान रखती हूं। मैं अपने फील्ड के अन्य लोगों की तुलना में थोड़ा अधिक सोचती हूं। मेरे लिए स्वास्थ्य एक उपहार है। रिफाइन्ड शूगर, जंक फूड और एरिएटेड ड्रिंक्स ऐसी चीजें हैं, जिनका मैं प्रचार नहीं करना चाहती। जो लोग ऐसा कर रहे हैं... यह उनकी पसंद है। शिल्पा का मानना है कि हर किसी का अपना-अपना तरीका होता है। वह इस बात पर जोर देती है कि उसे ऐसे लोगों से कोई आपत्ति नहीं, जो इस तरह के प्रोडक्ट्स का समर्थन करते हैं।

वह कहती है, लेकिन ये ऐसी चीजें नहीं हैं जो मैं अपने परिवार को खिलाती हूं। मैं जो कहती हूं, वही करती हूं। आपको अपनी बात पर कायम रहना होगा। ये ऐसी चीजें हैं जो आपको अच्छी सेहत नहीं देंगी, इसलिए मैं वहां खड़े होकर इसका समर्थन नहीं कर सकती। मैं जिस चीज का समर्थन करती हूं, उसमें काफी सावधानी बरतती हूं और यह अपने काम के प्रति सच्चाई तथा जुनून से आता है।

पिछली बार वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में नजर आई शिल्पा ने खुलासा किया कि हमेशा एक व्यक्तिगत जुड़ाव होता है, जो उसे किसी ब्रांड की ओर आकर्षित करता है। उसने कुछ वैलनैस ब्रांड्स में निवेश भी कर रखा है। वह कहती है, ₹मुझे लगता है कि जब आप एक ऐसे ब्रांड एंडोर्सर हैं, जिसने ब्रांड में अपने धन का भी निवेश किया है, तो उपभोक्ता उत्पाद पर एक तरह का दायित्व और भरोसा रखता है। शिल्पा कहती है, मैं हमेशा देखती हूं कि क्या यह वह उत्पाद है जिसे मैं अपने परिवार को देना चाहूंगी, क्या यह ऐसा कुछ है जिसे मैं अपने जीवन में इस्तेमाल करूंगी और अगर यह इन मापदंडों पर खरा बैठता है, तो उसका प्रचार करने के लिए मेरी बड़ी हां होती है।

शिल्पा जल्द ही आगामी कन्नड़ फिल्म 'केडीः द डैविल' में दिखाई देगी। फिल्म में ध्रुव सरजा, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, संजय दत्त, जीशु सेनगुप्ता और नोरा फतेही भी हैं। यह बहुभाषी फिल्म है, जो तमिल, कन्नड़ तेलुगु, मलयालम और हिन्दी में रिलीज होगी।

आरबीआई के नियम का असर, एनबीएफसी के कर्ज की तेज हुई रफ्तार

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। आरबीआई ने जब से स्केल आधारित रेगुलेशंस फ्रेमवर्क यानी एसबीआर लागू किया है, तब से गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां यानी एनबीएफसी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र ने कर्ज देने में 10 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि की है। आरबीआई रिपोर्ट के अनुसार, अक्तूबर 2022 में एसबीआर की शुरुआत के बाद से बुरे फंसे कर्जों (एनपीए) के अनुपात में कमी आई है। रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2021 में एनपीए 4.4 प्रतिशत से 10.6 प्रतिशत के बीच था।

दिसंबर 2023 तक 2.4 प्रतिशत से 6.3 प्रतिशत रह गया है। आरबीआई ने हालिया जारी बुलेटिन में कहा, एनबीएफसी को तेजी से विकसित हो रहे वित्तीय परिदृश्य, जोखिम प्रबंधन व आंतरिक ऑडिट के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। हालांकि, यह विचार आरबीआई के नहीं, बल्कि बुलेटिन के लेखकों के हैं। आरबीआई ने एसबीआर ढांचे के तहत अपर लेयर के हिस्से के रूप में 15 एनबीएफसी रखा है। इनमें एलआईसी हाउसिंग, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, टाटा संस, एलएंडटी फाइनेंस, इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस, पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस, आदित्य बिड़ला फाइनेंस, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, बजाज हाउसिंग फाइनेंस व टाटा कैपिटल फाइनेंशियल जैसे प्रमुख नाम हैं।

टाटा संस को लाना होगा आईपीओ

अपर लेयर की सूची में से अब तक टाटा संस को छोड़कर अन्य कंपनियों ने लिस्टिंग करने के लिए कदम शुरू किए हैं। हालांकि, टाटा संस अभी भी लिस्टिंग से बचने की कोशिश कर रहा है। नियमों के मुताबिक, उसे अगले साल सितंबर तक लिस्ट होना है। पर वह कर्जों को चुकाकर और अन्य कई कारणों के जरिये लिस्टिंग से बचना चाहता है।

टाटा संस को लाना होगा आईपीओ

सरकारी बैंकों में घट रहे कर्मचारी, निजी बैंकों ने तेज की भर्ती; एसबीआई को एचडीएफसी छोड़ेगा पीछे

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कोरोना के बाद से जहां सरकारी बैंक कर्मचारियों की संख्या घटा रहे हैं, वहीं निजी बैंकों ने आक्रामक भर्तियां की हैं। वित्त वर्ष 2019-20 में सरकारी बैंकों में कुल 7,70,409 कर्मचारी थे जो अब घटकर 7,64,679 रह गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार 2019-20 में निजी बैंकों में कुल 5,54,950 कर्मचारी थे।

अब संख्या बढ़कर 8.46 लाख हो गई है। यानी 2,91,580 कर्मचारियों की भर्ती हुई है। सरकारी बैंकों में इसी अवधि में 5,730 कर्मचारी घट गए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, निजी बैंकों ने दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों में शाखाएं बढ़ाकर और कृषि, माइक्रोफाइनेंस जैसे ग्रामीण इलाकों के कर्ज उत्पाद में कदम रखकर पहुंच और वित्तीय सेवाओं को मजबूत किया है। दूसरी तरफ, सरकारी बैंक उतनी तेजी से नई शाखाएं नहीं खोल रहे हैं।निजी बैंकों के कर्मचारियों की संख्या पांच सालों में 1.5 गुना बढ़ गई है। सरकारी बैंक में एसबीआई के पास 2020 में 2.49 लाख कर्मचारी थे। अब यह संख्या 17,152 घटकर 2.32 लाख रह गई है। एचडीएफसी बैंक की संख्या इसी अवधि में 96,556 बढ़कर 2.13 लाख के पार हो गई है।

कच्चे तेल की कीमत घटी तो पेट्रोल-डीजल सस्ता क्यों नहीं हो रहा?

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)।कच्चे तेल के दामों में लगातार कमी आ रही है। मार्च से लेकर अब तक इसमें 19 फीसदी की कमी आ चुकी है। वहीं दूसरी ओर तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम नहीं कर रही हैं। इससे आम लोगों को राहत नहीं मिल रही है। कच्चे तेल की कीमत का सबसे ज्यादा फायदा तेल कंपनियां उठा रही हैं। मार्च से लेकर अब पेट्रोल पर तेल कंपनियों का मुनाफा 15 रुपये प्रति लीटर बढ़ गया है।

वहीं डीजल पर यह मुनाफा 12 रुपये प्रति लीटर बढ़ा है।

अब चूंकि हरियाणा समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में सरकार तेल की कीमतें कम कर आम आदमी को राहत दे सकती है। सूत्रों के मुताबिक सरकार आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए तेल की कीमतों में 2 से 3 रुपये प्रति लीटर की कमी कर सकती है। हालांकि यह फैसला कब लिया जाएगा, इसके बारे में कोई तारीख तय नहीं हुई है। माना जा रहा है कि सरकार इस बारे में अगले कुछ दिनों में फैसला ले सकती है।मार्च में कच्चे तेल की कीमत करीब 84 डॉलर प्रति बैरल थी। अभी इसकी कीमत करीब 68 डॉलर प्रति बैरल रह गई है। ऐसे में इसकी कीमत में अब तक प्रति बैरल 16 डॉलर यानी करीब 19 फीसदी की कमी आई है। बात अगर हफ्ते भर की करें तो इसमें करीब 4 डॉलर की कमी देखने को मिली है। कच्चे तेल की कीमत गिरने के बावजूद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई कमी नहीं आई है। कच्चे तेल की कीमत में कमी से भारत को काफी बचत होती है। एक डॉलर प्रति बैरल की गिरावट से भारत के आयात बिल पर सालाना बचत 13 हजार करोड़ रुपये की होती है। चूंकि ऑइल कंपनियां खुद को घाटे में बताती रही हैं, ऐसे में उन्हें मुनाफे में लाने तक पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए गए। अब कंपनियां मुनाफा कमा रही हैं। साथ ही कच्चे तेल के दाम भारत सरकार के टारगेट 85 डॉलर से नीचे हैं। ऐसे में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं।

महिलाओं के लिए मंगलसूत्र खरीदना हुआ सस्ता

पीयूष गोयल ने क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। एक विवाहित स्त्री के लिए भारत में 'मंगलसूत्र' सबसे बेशकीमती चीज होती है। इससे जुड़ी इमोशनल वैल्यू इतनी है कि मदुरै के मीनाक्षी मंदिर में शादीशुदा महिलाएं अपने मंगलसूत्र का स्पर्श देवी मां के चरणों में करवाती हैं और फिर उसे पहनती हैं। लेकिन बीते कुछ समय में महिलाओं के लिए मंगलसूत्र बनवाना काफी महंगा हो गया था, जिस पर अब केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि देश में मंगलसूत्र बनवाना सस्ता हुआ है। आखिर क्या है इसकी वजह? मंगलसूत्र यूं तो काले मोतियों को पिरोकर बनाया जाता है, लेकिन इसमें गोल्ड का पेंडेंट सबसे अहम हिस्सा होता है। कई बार काले मोतियों की लड़ की जगह सोने की चेन भी इस्तेमाल होती है। भारत में सोना सिर्फ आयात करके ही आता है, और मोदी सरकार ने सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी कम की है।

महिलाओं के लिए मंगलसूत्र खरीदना हुआ सस्ता

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि देश में सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी में कमी आई है। इसलिए महिलाओं को अब मंगलसूत्र खरीदने में परेशानी नहीं होगी। पीयूष गोयल ने एक कार्यक्रम में कहा कि इंपोर्ट ड्यूटी कम होने से सोने के दाम में गिरावट आई है। इससे हमारी माताएं, बहनें और देश की अन्य सभी महिलाएं बड़े और भारी मंगलसूत्र अब आसानी से खरीद पाएंगी।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल जुलाई में जब पूर्ण बजट का ऐलान किया था,तब सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी में भारी भरकम कटौती कर दी थी। इससे सोने का देश में आयात सस्ता हो गया है। पीयूष गोयल ने यह भी कहा कि सोने के उद्योग में लंबे समय से शुल्क कम करने की मांग की जा रही थी। यह मुद्दा उठता था कि सोने पर लगने वाला टैक्स हटना चाहिए ताकि व्यापारी और ग्राहक फायदे में रह सकें।

विदेशों में ज्वेलरी स्टोर पर करें देश के टूरिज्म का प्रचार

पीयूष गोयल ने जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल से एक अनोखा अनुरोध किया। उन्होंने ज्वेलर्स से विदेश में सोने की दुकानों के ज़रिए भारत के टूरिज्म प्लेसेस का प्रचार करने के लिए कहा। इससे देश और पूरे क्षेत्र को मदद मिलेगी और फायदा होगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	05-19 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	तुला...	07-24 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	09-34 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	11-48 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	13-54 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	15-44 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	17-22 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-59 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	20-43 बजे
			मिथुन	22-44 बजे
			कर्क--	00-56 बजे
			सिंह---	03-08 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-09
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. -18-02
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -197294912 5
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 16 -47 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - आश्विन कृष्ण , रविवार 29 September
नक्षत्र - मघा 06 -18 अहोरात्र तक
योग - साध्य 00-26 तक उप शुभ
करण- तैतिल 16-47 तक उप गर
विशेष:- द्वादशी श्राद्ध
व्रत -त्योहार - सन्यासिनां श्राद्ध

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:35 से 18:05 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:09 - 07:37 अशुभ	शुभ.	18:02 - 19:35 शुभ
चंचल.	07:37 - 09:07 शुभ	अमृत	19:35 - 21:06 शुभ
लाभ.	09:07 - 10:36 शुभ	चंचल	21:06 - 22:36 शुभ
अमृत	10:36 - 12:06 शुभ	रोग.	22:36 - 00:06 अशुभ
काल.	12:06 - 13:36 अशुभ	काल.	00:06 - 01:36 अशुभ
शुभ.	13:36 - 15:06 शुभ	लाभ.	01:36 - 03:07 शुभ
रोग	15:06 - 16:35 अशुभ	उत्पात	03:07 - 04:37 अशुभ
उत्पात	16:35 - 18:02 अशुभ	शुभ	04:37 - 06:09 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता ।अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें । नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे । धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैंविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं । इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी । किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है । हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी ।आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा ।आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है ।आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे ।इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपकी वर्तमान जिंदगी में काफी उतार चढाव आ रहे हैं । लेकिन आपको उनसे जल्दी ही छुटकारा मिलने वाला है । अपना नजरिया हमेशा की तरह सकारात्मक बनाये रखें,स्थिति जल्दी ही बेहतर होगी । लोग आपसे सहायता मांगेंगे और आप उनकी सहायता में व्यस्त होकर अपनी चिंताएं भूल जायेंगें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

65 लाख पेंशनरों को बड़ी राहत; पेंशन मिलने में नहीं होगी देरी, महीना खत्म होने से पहले जमा होगी राशि

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अपने 65 लाख पेंशनरों को बड़ी राहत प्रदान की है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के सेंट्रल पेंशन अकाउंटिंग ऑफिस (सीपीएओ) को पेंशनभोगियों की तरफ से ऐसी शिकायतें मिल रही थी कि उनकी पेंशन राशि देरी से मिल रही है। यह भी देखने को मिला है कि कुछ पेंशनभोगियों को उसी महीने के आखिर में पेंशन नहीं मिल रही है। खाते में पेंशन राशि आने की प्रक्रिया में अगले माह के भी कुछ दिन गुजर जाते हैं। इन सबके चलते वित्त मंत्रालय ने पेंशन के भुगतान में हो रही देरी को गंभीरता से लिया है। अब सभी पेंशनभोगियों को महीने के आखिर में पेंशन मिल जाएगी। केंद्रीय पेंशन प्रसंस्करण केंद्र (सीपीपीसी) द्वारा महीने के अंतिम कार्य दिवस के पूर्वाह्न तक इलेक्ट्रॉनिक रूप से एक रिपोर्ट भेजनी होगी। ई-पीपीओ साइट पर यह बताना होगा कि महीने के आखिर में इतने पेंशनभोगियों के खाते में तय राशि भेज दी गई है। बता दें कि वित्त मंत्रालय को मासिक पेंशन और पारिवारिक पेंशन मिलने में हो रही देरी को लेकर अनेक शिकायतें मिल रही थी। चूंकि रिटायरमेंट के बाद अधिकांश लोगों का पेंशन पर ही जीवन बसर होता है, ऐसे में पेंशन का देरी से पहुंचना, उनके लिए परेशानी का सबब बन रहा है। पेंशन में देरी को लेकर उन्हें अपने बुढ़ापे की अवस्था में संबंधित विभाग या बैंक के चक्कर काटने पड़ते हैं। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के सेंट्रल पेंशन अकाउंटिंग ऑफिस (सीपीएओ) ने इस तरह की शिकायतों को गंभीरता से लिया है। सभी बैंकों के सीपीपीसी खुले हैं। विभाग से पेंशन लेकर उसे संबंधित पेंशनधारक के खाते में सीपीपीसी ही रिलीज करता है। पेंशन/पारिवारिक पेंशन, पेंशनभोगी के खाते में उस महीने के अंतिम कार्य दिवस तक पहुंच जानी चाहिए।

मार्च महीने को छोड़कर, जिसमें पेंशन को अगले महीने यानी अप्रैल के पहले कार्य दिवस पर जमा किया जाना चाहिए। बाकी के महीनों में आखिरी दिन या उससे पहले पेंशन राशि जमा हो जाए। मतलब, महीना खत्म होने से पहले ही पेंशनधारक के खाते में पैसा आ जाना चाहिए। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के सेंट्रल पेंशन अकाउंटिंग ऑफिस (सीपीएओ) द्वारा 20 सितंबर को जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि समय-समय पर पेंशनभोगियों के साथ-साथ पारिवारिक पेंशनभोगियों से उनके खातों में मासिक, पेंशन/पारिवारिक पेंशन जमा होने में देरी के बारे में शिकायतें प्राप्त होती रही हैं।

सरकार ने गैर-बासमती चावल पर से निर्यात शुल्क हटाया

उबले चावल पर शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत किया

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार ने गैर-बासमती सफेद चावल को निर्यात शुल्क से छूट दे दी है, जबकि उबले चावल पर शुल्क घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। शुल्क में यह कटौती सरकार की ओर से बासमती चावल पर न्यूनतम निर्यात मूल्य हटाने के एक पखवाड़े के भीतर की गई है। शुक्रवार को देर रात जारी एक अधिसूचना में वित्त मंत्रालय के अधीन राजस्व विभाग ने कहा कि उसने भूसी वाले (भूरे चावल) और भूसी वाले चावल (धान या कच्चा) पर निर्यात शुल्क भी घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है।चावल की इन किस्मों के साथ-साथ गैर-बासमती सफेद चावल पर निर्यात शुल्क अब तक 20 प्रतिशत था। अधिसूचना में कहा गया है कि ये शुल्क परिवर्तन 27 सितंबर, 2024 से प्रभावी होंगे।इस महीने की शुरुआत में सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य को समाप्त कर दिया था।

गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात के लिए इस शर्त का करना होगा पालन

सरकार ने शनिवार को गैर-बासमती सफेद चावल के विदेशी निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध हटा दिया है। हालांकि, निर्यात के लिए 490 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लागू कर दिया गया है। घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, गैर-बासमती सफेद चावल (अर्ध-मिल्ड या पूर्ण रूप से मिल्ड चावल, चाहे पॉलिश किया हुआ हो या नहीं) के लिए निर्यात नीति को प्रतिबंधित से मुक्त में संशोधित किया गया है, जो तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक 490 अमेरिकी डॉलर प्रति टन के एमईपी के अधीन है।

आम आदमी को उसके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए: बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी को, फिर चाहे वह तमिलनाडु का ग्रामीण हो या गोवा का मोबाइल रिपेयर करने वाला, दूरसंचार के मामले में उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय ने शनिवार को यह टिप्पणी की। उन्होंने सुझाव दिया कि बार एसोसिएशन यह पहल करें ताकि आम जनता की शिकायतें दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीएसएटी) के समक्ष उठाई जा सकें। न्यायमूर्ति उपाध्याय उत्तरी गोवा में 'दूरसंचार और प्रसारण व साइबर क्षेत्रों में विवादों के समाधान के लिए तंत्र' विषय पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। इस अवसर पर बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति नितिन जामदार, न्यायमूर्ति एमएस कार्णिक और न्यायमूर्ति नवीन चावला भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, जहां तक न्यायाधिकरण के समक्ष आने वाले मुद्दों पर निर्णय का सवाल है, इसके लिए कानून और नियम हैं। चूंकि विवादों की प्रकृति अभी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, इसलिए न्यायाधिकरण भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में हैं और निरंतर विकसित हो रहे हैं। न्यायमूर्ति उपाध्याय ने कहा कि चूंकि वकील और टीडीएसएटी के सदस्य इस क्षेत्र के नियमों, कानूनों और कानूनी बारीकियों से अच्छी तरह परिचित हैं।

दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही फ्लाइट में यात्री के खाने में निकला कॉकरोच, एयर इंडिया ने शुरू कराई जांच

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्री को परोसे गए खाने में कॉकरोच निकला। यात्री ने इसकी शिकायत एयरलाइन के अधिकारियों से की। इसके बाद एयर इंडिया ने खाद्य सेवा प्रदाता कंपनी के साथ जांच शुरू कर दी है। यात्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही फ्लाइट में मुझे ऑमलेट परोसा गया। इसमें कॉकरोच निकला। मैनें और मेरे दो साल के बेटे ने आधा ऑमलेट खा लिया, तब यह नजर आया। इसे खाने से हमें फूड प्वाइजनिंग हो गई है। उन्होंने परोसे गए खाने के वीडियो और फोटो भी एयरलाइन अधिकारियों के साथ साझा किए। पोस्ट में यात्री ने एयर इंडिया, उड्यन नियामक डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू को भी टैग किया गया। एयर इंडिया ने कहा कि नई दिल्ली से न्यूयॉर्क जा रही फ्लाइट AI 101 में सामने आई घटना से हम चिंतित हैं। ऐसे मामलों के निपटारे के लिए हमने खाद्य सेवा प्रदाता से बात की है। हम भविष्य में ऐसी किसी भी घटना की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। एयर इंडिया की ओर से कहा गया कि हम यात्री के अनुभव के बारे में चिंतित हैं।

वैसे एयर इंडिया प्रतिष्ठित कैटरर्स के साथ काम करता है, जो वैश्विक स्तर पर अग्रणी एयरलाइनों को आपूर्ति करते हैं। हम मेहमानों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कई जांच करते हैं।

धनतेरस से एक महीना पहले 3,500 रुपए महंगा हुआ गोल्ड

क्या दिवाली पर बनेगा नया रिकॉर्ड?

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। शुक्रवार को भले ही देश के वायदा बाजार में गोल्ड की कीमतों में करीब 550 रुपए की गिरावट देखने को मिली हो, लेकिन धनतेरस से करीब एक महीना पहले गोल्ड की कीमतों में करीब 5 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है. जानकारों की मानें तो दिवाली के दिन तो गोल्ड की कीमतों में और इजाफा देखने को मिलेगा. इसका प्रमुख कारण जियो पॉलिटकल टेंशन और फेड की ओर ब्याज दरों कटौती है. जानकारों का कहना है इस साल फेड की दो और मीटिंग होनी है. जिसमें 0.50 फीसदी की कटौती देखने को मिल सकती है. जिसका असर गोल्ड की कीमतों में देखने को मिलेगा. जानकारों का मानना है कि गोल्ड के दाम दिवाली 77,000 रुपए के लेवल को टच कर जाएंगे. आइए आपको भी बताते हैं बाजार में गोल्ड की कीमतें किस लेवल पर कारोबार करती हुई दिखाई दे रही हैं. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर पिछले एक हफ्ते में गोल्ड की कीमतों में 1 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. एक हफ्ते पहले गोल्ड की कीमत 74,831 रुपए प्रति दस ग्राम थी, जो कि शुक्रवार को गोल्ड की कीमतें 75,718 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई. इसका मतलब है कि गोल्ड की कीमतों में एक महीने में 1.18 फीसदी यानी 887 रुपए प्रति दस ग्राम का इजाफा देखने को मिला है. जबकि इस हफ्ते में गोल्ड की कीमतें 76 हजार रुपए के लेवल को भी पार कर गई थी. आंकड़ों के अनुसार गुरुवार को गोल्ड की कीमतें 76,527 रुपए प्रति 10 ग्राम के साथ लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गई थी.वहीं दूसरी ओर धनतेरस से पहले गोल्ड की कीमतों में जबरदस्त तेजी आ चुकी है. बीते एक महीने में गोल्ड की कीमतों में 3500 रुपए से ज्यादा का इजाफा देखा जा चुका है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर गोल्ड के दाम 28 अगस्त को 72,195 रुपए प्रति दस ग्राम पर थे. जोकि 75718 रुपए पर आ चुके हैं. इसका मतलब है कि गोल्ड की कीमत में 5 फीसदी की तेजी देखने को मिल चुकी है. इस दौरान गोल्ड के दाम में 3,523 रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है. जनकारों के अनुसार गोल्ड के दाम में और भी बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है.वैसे शुक्रवार को जब मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज बंद हुआ तो गोल्ड के दाम में गिरावट देखी गई. आंकड़ों के अनुसार गुरुवार को जब बाजार बंद हुआ था तो गोल्ड की कीमतें 76,253 रुपए प्रति दस ग्राम थी. जबकि एक दिन पहले बाजार बंद होने के दाम 75,718 रुपए प्रति दस ग्राम पर देखने को मिले. इसका मतलब है कि गोल्ड की कीमते 545 रुपए प्रति दस ग्राम की गिरावट के साथ बंद हुई हैं. वैसे कारोबारी सत्र के दौरान गोल्ड की कीमतें 75,657 रुपए के साथ दिन के लोअर लेवल पर भी गया था.जानकारों के अनुसार गोल्ड की कीमतों में और इजाफा देखने को मिल सकता है।

पत्रकार समेत 3 लोगों के घर एनआईए की रेड

कांकेर में नक्सल से जुड़े केस में एजेंसी की छापेमारी, बड़ी संख्या में फोर्स तैनात

कांकेर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एनआईए ((राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की टीम ने पत्रकार समेत 3 लोगों के घरों पर छापेमारी की है। बताया जा रहा है कि एनआईए सुबह से बड़ी संख्या में फोर्स लेकर दबिश दी है। तीनों के घरों में टीम दस्तावेज समेत अन्य सुराग खंगाल रही है। मामला आमाबेड़ा थाना क्षेत्र के उसेली गांव का है।

मिली जानकारी के मुताबिक एनआईए की टीम ने पत्रकार वीरेंद्र पटेल सहित 3 लोगों के घरों पर नक्सल से जुड़े केस में सर्चिंग कर रही है। स्थानीय पत्रकार वीरेंद्र पटेल अपने घर से बाहर बताए जा रहे हैं।

एनआईए की टीम ने तीनों संदिग्धों के घरों के बाहर स्थानीय पुलिस के जवानों की ड्यूटी लगाई है। बताया जा रहा है कि एनआईए की टीम देर रात कांकेर पहुंची थी। फिर सुबह 4 बजे से नक्सल प्रभावित इलाका आमाबेड़ा आई। स्थानीय पुलिस के साथ घरों पर सर्चिंग कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि एनआईए की टीम अचानक से गांव में पहुंची। घर-घर जाकर पूछताछ की। पत्रकार के घर पर भी विशेष रूप से तलाशी ली। हालांकि अभी तक तलाशी में क्या जानकारी सामने आई है। इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

एनआईए ने 26 जून को कांकेर के आमाबेड़ा इलाके में छापेमारी की थी। जिले के करीब आधे दर्जन इलाकों में दबिश दी गई। इसके बाद कई संदिग्ध दस्तावेजों के साथ 2 लोगों को गिरफ्तार किया था। साथ ही कई मोबाइल फोन, प्रिंटर सहित कैश बरामद किया था। बता दें कि कांकेर पुलिस ने 5 फरवरी 2024 को अपराध दर्ज किया था, जिसे 22 फरवरी को एनआईए ने हैंडओवर लिया था। इसके बाद से लगातार एनआईए अब कांकेर में छापेमारी कर जांच कर रही है।

हजारीबाग के दनुआ घाटी में फॉम लदा कंटेनर जला

जीटी रोड के सांझा में शॉर्ट सर्किट से कैबिन में लगी आग, बंगाल जा रही थी गाड़ी

चौपारण, 28 सितंबर (एजेंसियां)। चौपारण प्रखंड के जीटी रोड सांझा दनुआ घाटी में फॉम लदा कंटेनर में आग लग गई। इस अगजनी में वाहन सहित सामान जलकर राख हो गया। बताया जाता है कि कंटेनर (संख्या एच आर 55 एए 0578) में फॉम लदा हुआ था। जो सजावट सहित अन्य कार्यों के लिए कोलकाता पश्चिम बंगाल जा रही थी। कंटेनर झारखंड-बिहार के बॉर्डर पार करने के बाद दनुआ घाटी की चढ़ाई चढ़ रहा था। घाटी चढ़ने के बाद सांझा में शॉर्ट सर्किट होने से केबिन में आग लग गई और देखते-देखते आग पूरे कंटेनर में फैल गई। जिससे धूं-धूं कर फॉम सहित पूरा कंटेनर वाहन जल कर राख हो गया। झारखंड-बिहार के सीमा पर चौपारण प्रखण्ड के जीटी रोड दनुआ घाटी आम लोगों के लिए जी का जंजाल बन गया है।

झारखंड शराब घोटाला, छत्तीसगढ़ के सिंडिकेट ने रची साजिश

अपने लोगों को टेंडर दिलाने बनाई शर्तें, विधानसभा में रिजॉल्यूशन पास कराया गया

रायपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में जिस पैटर्न पर आबकारी विभाग में बड़ा घोटाला हुआ उसी तर्ज पर झारखंड में शराब घोटाला हुआ है। इस बात का खुलासा छत्तीसगढ़ एसीबी-ईओडब्ल्यू की ओर से 7 सितंबर को दर्ज की गई एफआईआर से हुआ है।

छत्तीसगढ़ में दर्ज इस एफआईआर में झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के सचिव रहे चुके आईएएस विनय कुमार चौबे और पूर्व संयुक्त आयुक्त आबकारी गजेंद्र सिंह का नाम भी शामिल है। दोनों अफसरों पर रायपुर ईओडब्ल्यू ने धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र रचने की धाराओं में नया केस दर्ज किया है। वहीं छत्तीसगढ़ के लीकर सिंडिकेट से जुड़े सभी लोगों के नाम भी सामने आए हैं।

आगे आपको बताते हैं एफआईआर में क्या है और उसके मुताबिक कैसे छत्तीसगढ़ के तर्ज पर झारखंड में भी कथित शराब घोटाले को अंजाम दिया गया- आर्थिक अपराध अन्वेषण और एंटी करप्शन ब्यूरो की ओर से यह एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें बताया गया है कि तत्कालीन आईएएस अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, अरूणपति त्रिपाठी और उनके सिंडिकेट झारखंड के अधिकारियों के साथ मिले। सभी ने मिलकर साजिश के तहत झारखंड की आबकारी नीति में फेरबदल किया। इसके बाद राज्य में देशी और विदेशी शराब का टेंडर भी सिंडिकेट के लोगों को दिलवाया। झारखंड में बिना हिसाब की डूप्लीकेट होलोग्राम लगी देशी शराब की बिक्री की गई। साथ ही विदेशी शराब की सप्लाई का काम एफ.एल.10 ए लाइसेंस के रूप में नियम बनाकर अपने करीबी एजेंसियों को दिलाया। इसके बाद उन कंपनियों से करोड़ों रुपए का अवैध कमीशन लिया। इससे करोड़ों रुपयों की अवैध कमाई की गई। प्रदेश में योजना को लागू कराने के लिए प्लानिंग के तहत अनवर ढेबर, एपी त्रिपाठी और झारखंड के आबकारी सचिव विनय कुमार चौबे और संयुक्त आबकारी आयुक्त गजेंद्र सिंह ने उनके सीनियर लोगों को विश्वास में लिया। इसके बाद झारखंड राज्य में नई आबकारी नीति लागू करने की तैयारी की।

इसके लिए झारखंड विधानसभा में रिजाल्यूशन भी पारित कराया गया। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के एम.डी. अरूणपति त्रिपाठी को कंसल्टेंट के रूप में रखा गया।

10 लाख रुपए के इनामी नक्सली ने किया सरेंडर

गिरिडीह, 28 सितंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह में भाकपा माओवादी के कुख्यात सक्रिय सदस्य सह 10 लाख के इनामी नक्सली रामदयाल महतो उर्फ बच्चन दा ने गिरिडीह पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। शनिवार को पुलिस कार्यालय में डीआईजी सुनील भास्कर ने प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी है। प्रेसवार्ता में एसपी डॉ विमल कुमार के साथ 154वी सीआरपीएफ बटालियन के सेकेंड इन कमांडर दलजीत सिंह भाटी, 35वी वाहनी एसएसबी के कमांडेंट संजीव कुमार समेत अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

डीआईजी सुनील भास्कर ने बताया कि झारखंड सरकार के आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति नई दिशा एक नई पहल से प्रभावित होकर भाकपा माओवादी के कुख्यात नक्सली रामदयाल महतो उर्फ बच्चन दा उर्फ अमर दा ने आत्मसमर्पण किया है। जिसे नामित 10 लाख रुपए के साथ घोषित पुनर्वास नीति का लाभ भी दिया जायेगा।

भागते चोर को पकड़कर खुद रख लिए पैसे

नाबालिग चोर ने कपड़ा दुकान में की थी चोरी, 2 व्यापारी भी गिरफ्तार

रायपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। रायपुर के कपड़ा दुकान से पैसों से भरा बैग लेकर भाग रहे नाबालिग चोर को 2 व्यापारियों ने पकड़ लिया। बैग में पैसे देख उनकी नीयत बिगड़ गई। उन्होंने चोर को भगा दिया और पैसों को खुद रख लिया। पुलिस दुकान में चोरी के मामले में छानबीन करते हुए नाबालिग चोर तक पहुंच गई। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने अपने साथ हुए पूरे वाक्या को रोते हुए बताया। आजाद चौक पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर नाबालिग चोर के साथ दोनों व्यापारी सत्यम विहार कॉलोनी निवासी पंकज केवलानी (25) और मंगल बाजार निवासी आयुष गंगवानी (22) को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि, इनकी मटेरियल सप्लाई की दुकान है। इन दोनों आरोपियों के पास से 1 लाख 43 हजार जब्त किया गया है। पुरानी बस्ती के लाखे नगर के पास लक्ष्मी कलेक्शन नाम के कपड़े की दुकान है। दुकान मालिक ने बताया कि, चोर ने गुरुवार सुबह 3 बजकर 56 मिनट में छत के रास्ते दुकान में एंट्री किया। आसपास के दुकानों की छत आपस में जुड़ी हुई है। चोर ने छत में लगे दो दरवाजा के लॉक को तोड़ दिया। फिर वह सीढ़ी से होते हुए नीचे आ गया। वह दुकान में काउंटर के पास पहुंचा।

सीसीटीवी वीडियो में देखा जा सकता है कि चोर ने काउंटर के पास इधर-उधर जांच पड़ताल की। फिर उसने डस्टबिन में रखी पॉलिथीन को उठा लिया। उसे हाथों में फंसा कर वह गल्ले का लॉक तोड़ने लगा। जिससे की फिंगर-प्रिंट मेटल में न आए। काफी मशक्कत के बाद उसने गल्ले को तोड़ दिया। उसमें रखे नकद रुपए को अपने जेब में रख लिया। बताया जा रहा है कि, साढ़े तीन-चार लाख की चोरी हुई है। सुबह जब दुकान का स्टाफ और मालिक अंदर गए। तो उन्होंने देखा कि, काउंटर के आसपास का सामान भी बिखरा हुआ है।

इसके अलावा ऊपर छत के दरवाजे के ताले टूटे हुए हैं। जिसके बाद आजाद चौक पुलिस को सूचना दी गई।

कब तक जेल में रहेंगी सौम्या चौरसिया

सुप्रीम कोर्ट से जमानत के बाद भी रिहाई क्यों मुश्किल, क्या है मनीष सिसोदिया कनेक्शन

रायपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कोल घोटाला मामले में राज्य सेवा की निलंबित अफसर और पूर्व सीएम भूपेश बघेल की सचिव रहीं सौम्या चौरसिया को जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 25 सितंबर को अंतरिम जमानत मंजूर कर ली। हालांकि सौम्या अभी जेल में ही रहेंगी। सौम्या को मनी लॉन्ड्रिंग केस में सशर्त जमानत दी गई है। वह करीब 21 महीने से जेल में बंद हैं। उनको दिसंबर 2022 में ईडी ने गिरफ्तार किया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट उनकी जमानत खारिज कर चुका था। एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था।

छात्र आंदोलन का असर, जेएसएससी सीजीएल की होगी जांच

आयोग ने बनाई कमेटी, सात दिनों में सौंपेगी रिपोर्ट, सबूत देने वाले स्टूडेंट्स को 30 को बुलाया

रांची, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जेएसएससी की सीजीएल परीक्षा एक बार फिर विवादों में है। पेपर लीक, प्रश्न रिपीट और बुकलेट वितरण में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थी आंदोलन कर रहे हैं। राजभवन ने भी जांच का आदेश दे दिया है। राजभवन के आदेश के बाद जेएसएससी ने जांच के लिए दो सदस्यीय कमेटी बनाई है। इसमें संयुक्त सचिव मधुमिता कुमारी और उप सचिव अरविंद कुमार लाल को शामिल किया गया है। कमेटी को जांच पूरी कर एक सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा गया है। इससे पहले गुरुवार को अभ्यर्थियों ने जेएसएससी ऑफिस के सामने प्रदर्शन किया था। परीक्षा रद्द कराने की मांग को लेकर उन्होंने जमकर हंगामा किया था। इस पर आयोग के अध्यक्ष ने उन्हें आश्वस्त किया था कि जांच कर सच सामने लाया जाएगा। इस मामले को लेकर अभ्यर्थी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। गौरतलब है कि सामान्य स्नातक स्तर के पदों पर नियुक्ति के लिए करीब एक दशक से प्रक्रिया चल रही है। आज तक नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। एक बार विज्ञापन रद्द करने के बाद दूसरी बार फिर नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है, जो विवादों में है। कर्मचारी चयन आयोग ने सीजीएल-2023 में हुई गड़बड़ी के सबूत सौंपने वाले अभ्यर्थियों को 30 सितंबर को दोपहर तीन बजे कार्यालय में बुलाया है। आयोग के सचिव की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि संबंधित अभ्यर्थी उपस्थित होकर स्थिति स्पष्ट करें। अभ्यर्थियों की ओर से आयोग को साक्ष्य के रूप में एक सीडी, एक पेन ड्राइव और 54 पेज का दस्तावेज सौंपा गया है। आयोग का कहना है कि पेन ड्राइव और सीडी का मूल स्रोत उपलब्ध नहीं कराया गया है। एग्जाम फाइटर कोचिंग के कुणाल प्रताप सिंह, अभ्यर्थी आशीष कुमार, प्रकाश कुमार, रामचंद्र मंडल, विनय कुमार और प्रेमलाल ठाकुर को 30 सितंबर को आयोग कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है।

सीबीआई ने की कार्रवाई

माइंस मैनेजर और क्लर्क को किया गिरफ्तार, घूस में ले रहे थे 20 हजार रुपए

धनबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। धनबाद में शनिवार कर देर रात धनबाद सीबीआई की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने ईसीएल के मुगमा क्षेत्र अंतर्गत श्यामपुर बी कोलियरी के प्रबंधक प्रवीण कुमार मिश्रा तथा हाजरी क्लर्क गौर रवानी को रिश्वत लेने के मामले में धनबाद सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार कर लिया।

श्यामपुर बी कोलियरी में कार्यरत मोहम्मद सलीम की शिकायत पर सीबीआई की टीम निरसा पहुंची थी। मोहम्मद सलीम की ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर प्रबंधक ने 20 हजार रुपए की मांग की थी। नाराज कर्मी सलीम ने इसकी शिकायत सीबीआई से की थी। बीती रात सीबीआई के कहने पर सलीम पैसे जब लेकर पहुंचा और हाजरी क्लर्क को बीस हजार रुपए दिए तभी वहां उपस्थित सीबीआई ने रंगे हाथ मौके से उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं पूछताछ में उसने प्रबंधक प्रवीण मिश्रा का नाम बताया। फिर उसके बाद सीबीआई प्रबंधक के गोपालपुरा स्थित आवास पहुंची। जहां से प्रबंधक को घर में रखे लैपटॉप और कुछ जरूरी कागजातों के साथ गिरफ्तार कर शनिवार को ले गई है। इधर इस घटना के बाद पूरे ईसीएल मुगमा क्षेत्र में हड़कंप सा मच गया है सीबीआई की टीम दोनों से मुगमा स्थित ईसीएल के गेस्ट हाउस में पूछताछ कर रही है।

कांग्रेस न्याय-यात्रा, विधायक और पूर्व मंत्रियों ने बनाई दूरी

बैज को दिग्गजों ने पदयात्रा में अकेले छोड़ा, फोटो के लिए भिड़े, भाजपा ने बताया नौटंकी यात्रा

रायपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस की न्याय यात्रा का आज दूसरा दिन है। कसडोल से यात्रा आज लवन के लिए निकली है। पहले दिन गिरौदपुरी से शुरू हुई इस यात्रा में कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्रियों ने दूरी बना ली। दीपक बैज को दिग्गजों ने पदयात्रा में अकेले छोड़ वापस लौट गए। वहीं नेताओं के साथ फोटो खिंचाने को लेकर कार्यकर्ता भिड़ पड़े।

इस दौरान गिरौदपुरी में दीपक बैज ने कहा था कि छत्तीसगढ़ जल रहा है। इस पर सीएम साय ने दुर्ग में कहा कि कांग्रेस 5 साल में सत्ता से बाहर आ गई। अगर अच्छे काम किए होते तो जनमत एक होता। कांग्रेस को आत्मचिंतन की जरूरत है। वहीं बीजेपी नेताओं ने यात्रा को नौटंकी बताया है। दरअसल, न्याय यात्रा शुक्रवार सुबह 11 बजे गिरौदपुरी से शुरू हुई। यात्रा सुबह 9 बजे से शुरू होनी थी, लेकिन कांग्रेस के बड़े नेताओं के समय पर नहीं पहुंचने से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को उनका इंतजार करना पड़ा। तय समय के बाद भी जब कई कांग्रेस नेता गिरौदपुरी नहीं पहुंचे, तो प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव के साथ गिरौदपुरी में पूजा-अर्चना की और यात्रा शुरू करने की बात कही। दीपक बैज ने कवर्धा पुलिस कस्टडी में हुई मौत पर हत्या का केस दर्ज करने की बात कही और कहा बलौदाबाजार आगजनी, अमर गुफा जैतखाम विवाद, विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी और कवर्धा कांड जैसे संवेदनशील मुद्दों को जनता को बताएंगे।

गिरौदपुरी से 2 किलोमीटर दूरी पर स्थित सतनामी समाज के भवन को कांग्रेस नेताओं ने अस्थाई कार्यालय बनाया था। यहां पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस नेताओं ने साय सरकार के खिलाफ पर बयानबाजी की। ध्वजारोहण करके न्याय यात्रा पर निकले। न्याय यात्रा निकलने के दौरान कांग्रेस नेताओं में तालमेल की कमी दिखी। यात्रा शुरू होने के दौरान कांग्रेस नेता दीपक बैज, टीएस सिंहदेव, चरणदास महंत, शिव डहरिया, ज्योत्सना महंत, प्रमोद दुबे, विकास उपाध्याय समेत अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक साथ यात्रा शुरू की थी। लेकिन यात्रा के आधे घंटे बाद ही कांग्रेस के सभी दिग्गज नेता दीपक बैज को पीछे छोड़कर आगे बढ़ गए। दीपक बैज को अकेला देखकर उनसे जुड़े लोगों ने उनके ईद-गिर्द घेरा बनाया और यात्रा में नारेबाजी शुरू की। पहले पड़ाव तक कुछ विधायकों को छोड़ दें, तो केवल कार्यकर्ता, जिले और प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ ही दीपक बैज चले।

एसबीआई की फर्जी ब्रांच का खुलासा

असली वालों के सामने कर्मचारी देने लगे अजब गजब जवाब

सक्ती, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिसके शिकार सैकड़ों लोग हुए हैं। आप जानकर यह सोच में पड़ जाएंगे कि ऐसा भी होता है क्या। कुछ लोगों ने छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्टेट बैंक ऑफर इंडिया की फर्जी ब्रांच खोल लिया। साथ ही कुछ स्थानीय लोगों को नौकरी भी दे दी। खुलासा होने के बाद जिले में हड़कंप मच गया है।

दरअसल, सक्ती के मालखरौदा थाना क्षेत्र अंतर्गत छपोरा गांव में फर्जी ब्रांच खुलासा है। यह ब्रांच वैभवी कॉम्प्लेक्स में खुला है। ब्रांच फर्जी होने की शिकायत कुछ दिन पहले मालखरौदा थाने में हुई थी। इसके बाद पुलिस की टीम ने मेन ब्रांच में जाकर इसके बारे में पूछताछ की। इसके बाद पुलिस की टीम एसबीआई के अधिकारियों के साथ मौके पर जांच करने पहुंची। वहां पुलिस को देखते ही कथित बैंक मैनेजर फरार हो गया। इसके बाद बैंक में काम कर रहे पांच कर्मचारियों से पुलिस ने पूछताछ शुरू की। उनलोगों ने बताया कि हमारी भर्ती इंटरव्यू के जरिए हुई है। साथ ही ट्रेनिंग भी हुई है। वहीं, इस खुलासे के बाद एसबीआई के अधिकारी हैरान हैं। पुलिस की टीम फरार मैनेजर की तलाश में जुटी है। साथ ही यह जांच कर रही है कि आरोपियों ने इस नाम पर लोगों से कितने की ठगी है। एसबीआई के अधिकारियों का कहना है कि जब भी कोई नया ब्रांच खुलता है तो शहर में मेन ब्रांच को इसकी सूचना होती है। साथ ही भर्ती एसबीआई की तरफ से होती है।

इसके साथ ही पुलिस ने फर्जी ब्रांच से सारा सामान जब्त कर लिया है। अब आगे की पड़ताल की जा रही है। जब्त कंप्यूटर से कुछ नया सुराग मिल सकता है।

भालुओं ने बच्ची और युवक को मार-डाला

एक का चेहरा नोंचा, आंखें निकाली, दूसरे के सिर से उतरी खाल, 5 घायल

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में भालुओं ने 13 साल की बच्ची और एक युवक को नोंचकर मार डाला। बताया जा रहा है कि पिछले 24 घंटे में भालू के हमले में 5 लोग घायल भी हुए हैं। भालुओं ने एक का चेहरा नोचा, आंखें निकाली तो दूसरे का सिर और पीठ को नोंच डाला। घटना मरवाही के बेलझिरिया गांव की है। मिली जानकारी के मुताबिक बिहान लाल केवट की बेटी विद्या केवट अपने घर से खेत की ओर बकरी चराने गई थी। इस दौरान शुक्रवार शाम को बच्ची का सामना भालू से हो गया। भालू ने हमला कर चेहरे और पीठ को बुरी तरह से नोच दिया। दूसरी घटना में शनिवार सुबह बेलझिरिया निवासी चरणसिंह खेरवार (50), रामकुमार (30) और सुक्कुल प्रसाद (32) मशरूम बीनने के लिए रतनजोत प्लॉट में गए थे, तभी भालू ने हमला कर दिया। इस दौरान भालू ने तीनों को बुरी तरह से नोच डाला।

बताया जा रहा है कि शरीर पर गहरी चोट है। हमले में सुक्कूल प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी घायलों को 108 की मदद से मरवाही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीसरी घटना में करगिकला निवासी सेवक लाल यादव (30) और सेमलाल गोंड (45) शनिवार सुबह खेत देखने गए थे, उन पर भी भालू ने हमला कर दिया, जिन्हें भी डायल 108 से मरवाही अस्पताल लाया गया है। बता दें कि मरवाही वनमंडल में पिछले 45 दिनों में भालू के हमले के 20 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। जानकारों का कहना है कि लगातार जंगलों की कटाई, अवैध कब्जे, अवैध उत्खनन, वन संसाधनों पर मानवीय दखल के बाद जंगली जानवर हमलावर हैं। भालू और अन्य जीव लगातार आबादी की ओर पहुंच रहे। वहीं पिछले कुछ घटनाओं में भालू को काफी आक्रामक देखा गया है। वन विभाग पर भी ग्रामीणों ने ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया है।

बीजेपी 3 अक्टूबर से झारखंड में खोलेगी 'चुनावी पिटारा'

रांची, 28 सितंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र के मुख्य बिंदुओं को तीन अक्टूबर से जारी करना शुरू करेगी। झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस वर्ष के अंत में होने हैं और तारीखों की घोषणा अगले महीने किए जाने की संभावना है।

हिमंत विश्व शर्मा ने पार्टी की चुनाव संबंधी तैयारियों की समीक्षा करने के बाद शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, 'हम अपने घोषणापत्र के मुख्य बिंदुओं को तीन अक्टूबर से जारी करना शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो अक्टूबर को हजारीबाग में भाजपा की परिवर्तन यात्रा की समापन रैली को संबोधित करेंगे।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शुरू की गई भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' का लक्ष्य दो अक्टूबर तक राज्य के 24 जिलों के 81 विधानसभा क्षेत्रों में 5,400 किलोमीटर की दूरी तय करना है। झारखंड में चुनाव के लिए भाजपा के सह प्रभारी शर्मा ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन पर घुसपैठियों को ''संरक्षण देने'' का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में आने के बाद घुसपैठियों को बाहर निकाल देगी। वहीं इसी मसले पर हाल ही में झारखंड हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई की थी। ये याचिका जमशेदपुर के एक निवासी ने दायर की थी। झारखंड हाईकोर्ट ने इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। लिहाजा लोगों की नजरें झारखंड हाईकोर्ट के आने वाले फैसले पर भी टिकी हैं।

पुलिस ने कब्र खोदकर निकाली लाश

3 दिनों से लापता युवक का शव खेत में दफन मिला, जिसकी जमीन, उसने खाया जहर

महासमुंद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में खेत में युवक की लाश मिली है। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम और कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कब्र खोदकर शव को निकाला। शव की पहचान खिलेश्वर साहू (34) के रूप में की गई है। दो दिन पहले ही परिजनों ने पिथौरा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस युवक की हत्या की आशंका जता रही है।

वहीं लाश निकाले जाने के बाद भूमि स्वामी पीताम्बर ध्रुव ने जहर खा लिया। किसान को इलाज के लिए महासमुंद मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के मुताबित डर की वजह से किसान ने जहर खाया है। पिथौरा थाना क्षेत्र के ग्राम सराईटार के ग्रामीणों ने शुक्रवार की रात किसान पीतांबर ध्रुव के खेत के आसपास से बदबू आने की सूचना दी थी। शनिवार की सुबह कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और फॉरेंसिक टीम के साथ पुलिस किसान पीतांबर के खेत पहुंची।

पुलिस ने खेत में खोजबीन की, मेड़ पर उन्हें कब्र बनी हुई दिखाई दी। पुलिस की टीम ने कब्र खोदकर लाश को बाहर निकाला। मृतक अमलीडीह का रहने वाला है। फॉरेंसिक टीम को मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले हैं।

पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। गुम इंसान की लाश खेत के मेड़ पर किसने और क्यों दफनाया गया, इन तमाम पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है। गुम इंसान की पहचान खिलेश्वर साहू के रूप में की गई है।

भारत यात्रा से पहले मुइज्जू बोले-इंडिया आउट एजेंडा नहीं चलाया

कहा- कभी भी भारत के खिलाफ नहीं था, सिर्फ सैनिकों की मौजूदगी से दिक्कत

माले, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कभी भी 'इंडिया आउट' एजेंडा चलाने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वे कभी भी भारत के खिलाफ नहीं रहे। सिर्फ भारतीय सैनिकों की मौजूदगी मालदीव के लिए एक गंभीर समस्या थी।

मुइज्जू संयुक्त संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने अमेरिका गए हुए हैं। इस दौरान वे प्रिस्टन यूनिवर्सिटी पहुंचे थे। यहां उन्होंने ये बातें कही। मालदीव पीएम ने कहा- "हम कभी भी, किसी भी देश के खिलाफ नहीं रहे। मालदीव के लोगों को विदेशी सैनिकों से दिक्कत थी। लोग देश में एक भी विदेशी सैनिक नहीं चाहते थे।"

पीएम मुइज्जू ने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर भारतीय पीएम का अपमान करने के लिए मंत्रियों पर एक्शन लिया है। उन्होंने कहा-

किसी को भी ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए। मैं किसी का भी इस तरह अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा, चाहे वह नेता हो या आम इंसान। हर किसी की अपनी इज्जत होती है। इस साल की शुरुआत में मालदीव सरकार में उप युवा मंत्री मालशा शरीफ और मरियम शिउना ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी की थी। इसके बाद भारत में सोशल मीडिया पर मालदीव के खिलाफ गुस्सा भड़क गया था।

नवंबर 2023 में मुइज्जू के सत्ता संभालने के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया था। मुइज्जू राष्ट्रपति बनने के पहले से ही मालदीव से भारतीय सैनिकों को हटाने की मांग कर रहे थे। 45 साल के मुइज्जू ने चुनाव में भारत समर्थक मोहम्मद सोलिह को हराया था।

मुइज्जू ने कहा था कि अगर भारत अपनी सेना को नहीं हटाएगा तो यह मालदीव के लोगों की लोकतांत्रिक आजादी का अपमान होगा। मुइज्जू ने भारतीय सैनिकों की मौजूदगी को मालदीव में लोकतंत्र के भविष्य के लिए खतरा भी बताया था। उन्होंने कहा कि देश में बिना संसद की इजाजत के दूसरे देश की सेना की उपस्थिति संविधान के खिलाफ है।

मुइज्जू जल्द ही भारत की पहली आधिकारिक यात्रा पर आने वाले हैं। मुइज्जू के प्रवक्ता ने 10 सितंबर को इसकी जानकारी दी थी। उनकी यात्रा पिछले महीने ही होने वाली थी, लेकिन किसी वजह से ये टल गई।

वे अब अक्टूबर में भारत आ सकते हैं। इससे पहले मुइज्जू 9 जून को प्रधानमंत्री मोदी के शपथ-ग्रहण में शामिल होने के लिए भारत आए थे।

नेपाल में 'आफत की बारिश'

विनाशकारी बाढ़ में 49 लोगों की मौत

काठमांडू, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत का पड़ोसी देश नेपाल इन दिनों भयंकर बाढ़ की चपेट में है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लगातार बारिश के कारण नेपाल में बाढ़ से कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई है। कई दिनों से हो रही बारिश के चलते नेपाल के तराई वाले इलाकों में बाढ़ आ गई है। वहीं दूसरी ओर नेपाल के तराई क्षेत्रों में हो रही बारिश से बिहार में गंडक और कोसी नदी का जलस्तर काफी बढ़ा दिया है। जहां पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। नेपाल के कई हिस्सों में भारी बारिश हो रही थी। भारी बारिश के बीच आपदा विभाग के अधिकारियों ने अचानक बाढ़ आने की चेतावनी भी जारी की थी। बाढ़ में मारे गए 49 लोगों में से 37 की मौत काठमांडू घाटी से हैं, ललितपुर में 16, भक्तपुर में पांच, कवरेपालनचौक में तीन की मौत हो गई।

जयशंकर ने सिंगापुर समेत कई देशों के विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

संबंधों को और गहरा करने पर दिया जोर

वॉशिंगटन, 28 सितंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र से इतर संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, उज्बेकिस्तान और डेनमार्क के अपने समकक्षों से मुलाकात की। नेताओं के बीच हुई वार्ता के दौरान भारत के इन देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने तथा मैत्रीपूर्ण संबंधों को विस्तार देने पर जोर दिया गया।

जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में शामिल होने के लिए अमेरिका पहुंचे हुए हैं। शुक्रवार को उन्होंने सिंगापुर के अपने समकक्ष विवियन बालाकृष्णन से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बालाकृष्णन से हुई बातचीत को शानदार बताया। कहा, 'सिंगापुर की विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ लंबी बातचीत अच्छी रही।' इसके अलावा, उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्री बख्तियार सैदोव से भी मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर कहा, 'आज न्यूयॉर्क में उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री सैदोव से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की सराहना करता हूं। क्षेत्र के बारे में उनकी समझ को महत्व देता हूं।' उन्होंने यह भी बताया, 'तुर्कमेनिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री रसित मेरेडोव के साथ गर्मजोशी भरी मुलाकात हुई। तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं दीं। हमारे मैत्रीपूर्ण संबंधों को और बढ़ाने पर चर्चा हुई।' जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, 'अपने प्रिय मित्र- यूएई के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से मिलकर हमेशा खुशी होती है। आपसी संबंधों और दुनिया के घटनाक्रम पर बातचीत हुई।'

अमेरिका में हेलेन तूफान से 49 की मौत

रेस्क्यू के लिए 4 हजार सैनिक तैनात, अस्पताल में फंसे लोगों को हेलिकॉप्टर से बचाया गया

वाशिंगटन, 28 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में शुक्रवार (27 सितंबर) को आए हेलेन चक्रवात से 5 राज्यों में अब तक 49 लोगों की मौत हो गई है।अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन के मुताबिक, तूफान की वजह से आए बवंडर और बाढ़ में कई घर ढह गए। चक्रवात का सबसे ज्यादा असर साउथ कैरोलिना और जॉर्जिया में देखने को मिला जहां कैटेगरी 4 के तूफान से 34 लोगों की मौत हुई है। पांचों राज्यों में तूफान की वजह से कई लोग फंसे हुए हैं, जिन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है। नॉर्थ कैरोलिना में कुछ जगहों पर भूस्खलन भी हुआ। यहां लोगों को रेस्क्यू करने के लिए हेलिकॉप्टरों को भेजा गया। इस दौरान करीब 59 लोगों को एक अस्पताल की छत से भी बचाया गया। अमेरिका में तूफान की वजह से 45 लाख लोगों के घरों में बिजली सप्लाई नहीं हो पा रही है। फ्लोरिडा में रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए 4 हजार नेशनल गाड्र्समेन को तैनात किया गया है। फाइनेंशियल कंपनी मूडी ने बताया कि हेलेन चक्रवात की वजह से देशभर में 2 लाख 51 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। बीबीसी के मुताबिक, गल्फ ऑफ मैक्सिको से फ्लोरिडा के तट पर टकराया यह अब तक का सबसे ताकतवर तूफान रहा है। वहीं अमेरिका के इतिहास में यह 14 सबसे खतरनाक तूफानों में से एक है। इससे पहले शुक्रवार को आए आंकड़ों के मुताबिक, तूफान से 1 करोड़ 20 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं इसकी वजह से 1 हजार फ्लाइट्स रद्द कर दी गई थीं। स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने बताया था कि अगले दो से तीन दिन में 5 करोड़ लोग प्रभावित हो सकते हैं। अमेरिकी मौसम वैज्ञानिक फिल क्लॉट्जबैक ने कहा कि पिछले 35 सालों में सिर्फ 3 तूफान हेलेन से बड़े थे। 2017 का इरमा, 2005 का विल्मा और 1995 का ओपल। वहीं, ये मैक्सिको की खाड़ी में आया 100 साल का सबसे बड़ा तूफान है।

भारतीयों से बदला लेने में लगी ट्रूडो सरकार

950 को किया गिरफ्तार

ओटावा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा में गिरती लोकप्रियता और राजनीतिक संकट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार अब भारतीयों को निशाना बनाने में लगी है।

कनाडा की बॉर्डर सिक्योरिटी एजेंसी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ब्रिटिश कोलंबिया से 950 छात्रों को गिरफ्तार किया है। इनमें अधिकांश भारत के पंजाब से हैं। इन सभी पर आरोप है कि ये स्टूडेंट वीजा पर मंजूर किए गए समय से ज्यादा काम कर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद इन भारतीय छात्रों की कनाडा में स्थायी निवास हासिल करने की संभावना खतरे में पड़ गई है।

इसके साथ ही जिन संस्थानों ने इन्हें काम पर रखा था, उनके खिलाफ श्रम कानूनों का उल्लंघन करने के लिए लाखों डॉलर का जुर्माना लगाया गया है।

पाकिस्तानी पीएम की स्पीच एक मजाक

भारत ने शहबाज को यूएन में लगाई फटकार, मुंबई हमले और बांग्लादेश नरसंहार की दिलाई याद

वॉशिंगटन, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का मुद्दा उठाया था। उन्होंने भारत के खिलाफ इंटरनेशनल मंच से जहर उगला था। इसे लेकर अब भारत ने जवाब दिया है।

भारतीय राजनयिक भाविका मंगलनंदन ने यूएनजीए में राइट ऑफ रिप्लाई के दौरान पाकिस्तानी पीएम के भाषण को मजाक बताया। साथ ही पाकिस्तान को आतंकवाद की फैक्ट्री बताया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद का इस्तेमाल जम्मू कश्मीर के चुनाव को प्रभावित करने के लिए किया है।

उन्होंने कहा, 'अफसोस के साथ आज यह असेंबली एक मजाक का गवाह बनी है। सेना की ओर से चलाया जाने वाला एक देश जिसकी प्रतिष्ठा आतंकवाद, ड्रग्स के व्यापार और अंतरराष्ट्रीय अपराध के लिए है, उसके पास दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर हमले का दुस्साहस है।' उन्होंने आगे कहा, 'लंबे समय से दुनिया जानती है कि पाकिस्तान ने सीमा पार आतंकवाद का इस्तेमाल अपने पड़ोसियों के खिलाफ किया है। इसने हमारी संसद, हमारी आर्थिक राजधानी मुंबई, मार्केट और तीर्थयात्रा के रास्तों पर हमले किए हैं। लिस्ट बहुत लंबी है।'

पाकिस्तान को लगाई फटकार

उन्होंने आगे कहा, 'पाकिस्तान के लिए दुनिया में कहीं भी हिंसा के खिलाफ बोलना पाखंड है। इसके अलावा यह भी हैरानी वाली बात है कि जिस देश का इतिहास चुनावों में गड़बड़ी वाला है वह एक लोकतंत्र में राजनीतिक विकल्प की बात करता है। सच तो यह है कि पाकिस्तान की नजर हमारी जमीन पर है। उसने लगातार आतंकवाद का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर में चुनाव में किया है, जो भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है।'

आतंकवाद पर पाकिस्तान को सुनाया

उन्होंने आगे कहा कि एक ऐसा देश जिसने 1971 में नरसंहार किया था और अब भी अपने अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार करता है, असहिष्णुता और भय के बारे में बोलने की हिम्मत करता है। उन्होंने आगे कहा, 'पाकिस्तान को यह समझना चाहिए की भारत के खिलाफ आतंकवाद के दुष्परिणाम होंगे। हम उस देश के बारे में बात कर रहे हैं, जिसने इतने लंबे समय तक ओसामा बिन लादेन को होस्ट किया। एक ऐसा देश जिसका नाम दुनिया भर की कई आतंकी घटनाओं में आया है।'

क्या बोले ये शहबाज?

पाकिस्तान ने शुक्रवार को एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र महासभा में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया और कहा कि भारत को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाने के फैसले को वापस लेना चाहिए और मुद्दे के 'शांतिपूर्ण' समाधान के लिए उसके (पाकिस्तान) साथ बातचीत करनी चाहिए।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस में 20 मिनट से अधिक के अपने संबोधन में जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाया साथ ही अनुच्छेद 370 और आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी बुरहान वानी का संदर्भ दिया।

यूएन में नेतन्याहू बोले- ईरान-इराक मिडिल ईस्ट के लिए श्राप

2 नक्शे दिखाए, जैसे ही बोलना शुरू किया असेंबली छोड़कर चले गए नेता

यरूशलम, 28 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइल और लेबनान में जारी टकराव के बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को यूएन की महासभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वे इस बार यूएनजीए में भाषण नहीं देना चाहते थे, लेकिन इजराइल को लेकर फैलाए जा रहे झूठ ने उन्हें अपने देश का पक्ष रखने पर मजबूर कर दिया।

नेतन्याहू का भाषण शुरू होते ही कई देशों के प्रतिनिधि यूएन असेंबली से उठकर चले गए। नेतन्याहू ने कहा, मैंने पिछले बार एक मैप दिखाया था, जिसमें इजराइल और उसके साथी अरब देश एशिया को यूरोप से जोड़ रहे थे, हिंद महासागर को भूमध्य सागर से जोड़ रहे थे।

नेतन्याहू ने कहा, आज एक और नक्शा दिखा रहा हूं, यह आतंक का नक्शा है। इजराइली प्रधानमंत्री ने इस नक्शे में ईरान, इराक, सीरिया और यमन को दिखाया। इन देशों को काले रंगों में रंग कर श्राप बताया गया था। नेतन्याहू ने दोनों नक्शों का हाथ में उठाकर कहा, एक तरफ भविष्य की उम्मीद है तो दूसरी तरफ भविष्य का अंधकार।

इजराइली पीएम ने कहा, इजराइल शांति चाहता है। हम शांति लाए हैं और आगे भी लाते रहेंगे। मैंने पिछले साल जब इस असेंबली को संबोधित किया था तब हम सउदी अरब के साथ ऐतिहासिक डील करने वाले थे, लेकिन हमास ने हमला कर इस डील को रुकवा दिया।

नेतन्याहू ने कहा, मैं इजराइल का पीएम होने के नाते यह समझौता करके रहूंगा। दोनों देशों के बीच पीस डील पूरे मिडिल ईस्ट की काया पलट देगी। ईरान ऐसा होने से रोक रहा है। लादेन के हमले के बाद हिजबुल्लाह ने अमेरिका और फ्रांस के सबसे ज्यादा नागरिकों को मारा है।

मैं तेहरान के तानाशाहों से कहूंगा- अगर तुमने हम पर हमले किए तो हम पलटवार जरूरी करेंगे। जंग के बाद हम गाजा को हमास के हवाले नहीं करेंगे। नहीं तो यह ऐसा होगा कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद नाजियों को राज करने दिया होता। हम एक और 7 अक्टूबर नहीं होने दे सकते। हमने हमास की 24 बटालियन में से 23 बटालियन को मिटा दिया है। हमास के लोगों ने बच्चों को जिंदा जलाया, महिलाओं से रेप किया। लोगों का सिर काट दिया, परिवारों को मार डाला। हमास 250 लोगों को बंधक बना ले गया। हिजबुल्लाह स्कूल, अस्पतालों, रसोई घरों से हम पर रॉकेट दागता है। हमने हिजबुल्लाह के रॉकेट्स को तबाह किया है जो उसने ईरान की मदद से बनाए थे। फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने भी 26 सितंबर को यूएनजीए में भाषण दिया था। इजराइल के लिए अमेरिका के सपोर्ट की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा था, इस पागलपन को खत्म करना होगा। हमारे लोगों के साथ जो हो रहा है उसके लिए पूरी दुनिया जिम्मेदार है। अब्बास ने कहा था कि गाजा में मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद अमेरिका इजराइल को डिप्लोमैटिक मदद और हथियार दे रहा है। अमेरिका ने यूएनएससी में सीजफायर प्रस्ताव पर लगातार वीटो लगाकर इजराइल को गाजा पर जुर्म करने की इजाजत दी है।

बारिश से तबाही

सीएम ने दिए राहत-बचाव के निर्देश, एनडीआरएफ ने नदी में फंसे तीन लोगों का किया रेस्क्यू

जशपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में लगातार चार दिनों से हो रही भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ने के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन को तत्काल राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन और कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल की देखरेख में राहत दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। कुनकुरी की ईब नदी में फंसे तीन चरवाहों व मवेशियों को नगर सेना के जवानों ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। नदी-नालों के उफान के कारण पुल-पुलियों पर पानी बह रहा है, जिससे कई इलाकों का संपर्क टूट गया है।

प्रशासन ने ऐसे सभी स्थानों पर सुरक्षा के लिए बैरिकेटिंग कर दी है और लोगों से अपील की है।

महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा का अपमान

फिलिस्तीनी प्रदर्शनकारियों ने मूर्ति पर झंडा लगाया

ओटावा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। गाजा का युद्ध पिछले एक साल से चल रहा है। इसी के साथ फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन भी दुनिया भर में हो रहे हैं। इस बीच कनाडा में भी एक प्रदर्शन हुआ। लेकिन इस प्रदर्शन में एक हैरान करने वाली घटना हुई, जब एक महान भारतीय राजा के हाथ में फिलिस्तीन का झंडा थमा दिया गया। कनाडा के ब्रैम्पटन में विरोध प्रदर्शन करते हुए शहर के एक चौराहे पर महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा पर चढ़कर उसे खंडित कर दिया गया। इस घटना के बाद से लोगों का घुस्सा भड़क गया है। सोशल मीडिया पर इसे जुड़े कई पोस्ट किए जा रहे हैं। महाराजा रणजीत सिंह एक महान सिख शासक थे। पंजाब में कई अफगान हमलों को उन्होंने सफलतापूर्वक रोका और देश को हमले से बचाया। महाराजा रणजीत सिंह को अक्सर 'पंजाब का शेर' कहा जाता है। वह सिख साम्राज के संस्थापक और पहले शासक थे। उन्होंने 19वीं शताब्दी की शुरुआत में अपना साम्राज्य बनाया। बचपन में चेचक के कारण उन्होने अपने एक आंख की रोशनी खो दी थी। इसके बावजूद उन्होंने कई युद्ध लड़े और अफगानों और ब्रिटिश को चुनौती दी। मिडिल ईस्ट में लगातार संघर्ष बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने इजरायल के लिए अमेरिका के सैन्य समर्थन के खिलाफ प्रदर्शन किया। दर्जनों प्रदर्शनकारी मंगलवार शाम न्यूयॉर्क शहर के हेराल्ड स्क्वायर में बैनर लेकर नारे लगाते हुए इकट्ठा हुए। इन कार्यकर्ताओं ने इजरायल के खिलाफ हथियारों के प्रतिबंध की मांग की है। ऐसा इसलिए क्योंकि अब इजरायल गाजा की जगह लेबनान पर बम बरसा रहा है। लगातार इजरायली एयर स्ट्राइक लेबनान में तबाही मचा रही है। लोगों ने अपनी तख्तियों पर 'लेबनान से दूर रहो' और 'लेबनान में कोई अमेरिकी-इजरायल युद्ध नहीं' लिखा हुआ था।

अल्पसंख्यकों ने उठाई एक अलग राजनीतिक दल की मांग

कहा- सलाह पर विस्तार से हो रही चर्चा

ढाका, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंसा तो थम गई, लेकिन तनाव अभी भी बना हुआ है। अल्पसंख्यक लगातार डर के साय में जी रहे हैं। यह लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता में हैं। अब हिंदू समुदाय के नेताओं ने एक ऐसे राजनीतिक दल के गठन की वकालत की है, जो उनके अधिकारों की रक्षा कर सके। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (बीएचबीसीओपी) और अन्य समूहों के हिंदू नेताओं ने एक अलग राजनीतिक दल की स्थापना या आरक्षित संसदीय सीटों की मांग की है। बीएचबीसीओपी के अध्यक्षीय सदस्य काजल देबनाथ ने बताया कि फिलहाल तीन राय हैं, जिन पर विस्तार से चर्चा की जा रही है।

बांग्लादेश में क्या हुआ?

नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया गया था, जो बाद में हिंसा में बदल गया। बढ़ती हिंसा को देखते हुए पांच अगस्त को हसीना ने इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थीं। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को अंतरिम सरकार द्वारा प्रतिस्थापित किया गया और 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को इसका मुख्य सलाहकार नामित किया गया। हालांकि, अंतरिम सरकार बनने के बाद भी अल्पसंख्यकों के घरों और धर्मस्थलों को निशाना बनाया गया। काजल देबनाथ ने कहा कि बीएचबीसीओपी द्वारा एकत्र किए गए आंकड़े हिंदू समुदाय पर हमलों की 2,010 घटनाओं की ओर इशारा करते हैं। इनमें हत्या और शारीरिक हमले, यौन हमले, मंदिरों पर हमले और संपत्ति को नुकसान शामिल हैं। हालांकि सरकार की तरफ से हमले के बारे में कोई आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। हिंदू समुदाय के नेता रंजन कर्मकार ने कहा कि राजनीतिक दल बनाने के बारे में चर्चा और विचारों का आदान-प्रदान हमारी प्राथमिकता है। हालांकि कुछ भी अंतिम रूप नहीं दिया गया है, आइए देखें कि यह कैसे होता है।

प्रस्तावित राजनीतिक दल परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में काम कर सकता है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि उनकी चिंताओं का प्रतिनिधित्व किया जाए तथा उनका समाधान किया जाए। गौरतलब है, 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान हिंदू बांग्लादेश की आबादी का लगभग 22 प्रतिशत हुआ करते थे, लेकिन आज करीब आठ प्रतिशत ही बचे हैं।

पीओके पर कब्जा, परमाणु हमला

भारत के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में छाती पीटने लगे शहबाज

न्यूयार्क/इस्लामाबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान के कश्मीर मुद्दे पर चुप्पी साधने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बौखलाए हुए हैं। शहबाज शरीफ सरकार की पाकिस्तान में जमकर आलोचना हो रही है और कई राजनयिक सवाल उठा रहे हैं। इस बीच भारत की सैन्य तैयारी और दुनिया में अकेले पड़ते पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बौखलाहट शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में साफ दिखाई दी। शहबाज शरीफ ने अपने वार्षिक भाषण में कहा कि भारत की मोदी सरकार एलओसी को पार करके पीओके पर कब्जा करना चाहती है। शहबाज ने गीदड़भभकी दी कि अगर भारत ऐसा करता है तो पाकिस्तानी सेना निर्णायक कार्रवाई करेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत परमाणु हमले के तहत सीमित युद्ध की तैयारी कर रहा है।

दोस्त तुर्की के भी किनारा करने के बाद कश्मीर मुद्दे को उठाने के प्रयास में पाकिस्तान अब वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ चुका है। इसको लेकर पाकिस्तान के राजनयिक हलके में बहस शुरू हो गई है। पाकिस्तान के अंदर इसे भारत की जीत करार दिया जा रहा है। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच के हवाले से कहा, 'हमें एक बयान कोई अनुचित निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए।' वहीं पाकिस्तान की पूर्व राजनयिक मलीहा लोदी ने माना कि तुर्की अपनी पुरानी नीति से पलट गया है। मलीहा लोदी ने एक्स पर लिखा, 'पिछले 5 साल से उलट राष्ट्रपति एर्दोगान ने अपने महासभा में दिए भाषण में कश्मीर का जक्रि नहीं किया। एर्दोगान ने साल 2019, 2020, 2021 2022 और साल 2023 में कश्मीर का मुद्दा उठाया था।' मलीहा लोदी संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की पूर्व राजदूत रह चुकी हैं। यही नहीं पाकिस्तान के अमेरिका में राजदूत रह चुके हुसैन हक्कानी ने भी शहबाज सरकार पर निशाना साधा है। माना जा रहा है कि तुर्की को ब्रिक्स की सदस्यता चाहिए और यह बिना भारत की सहमति के संभव नहीं है। इसी वजह से एर्दोगान ने पाकिस्तान को धोखा दे दिया। एर्दोगान के इस फैसले को भारत और तुर्की के बीच बढ़ते आर्थिक संबंधों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम से बौखलाए शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र में गीदड़भभकी दे दी। शरीफ ने दावा किया कि भारत एक औचक हमला और परमाणु हमले के तहत सीमित युद्ध की तैयारी कर रहा है ताकि वह पाकिस्तान के कब्जे में मौजूद कश्मीर के हिस्से पर कब्जा कर सके। उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान के कहानी की तरफ ध्यान आकर्षित करने के लिए काल्पनिक खतरे की बात कही। पाकिस्तानी पीएम ने कहा, 'मैं स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान किसी भी भारतीय हमले का सबसे निर्णायक तरीके से जवाब देगा।' पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध समेत तीन युद्ध की विभीषिका को देखते हुए यह अशुभ संकेत है। शरीफ ने जोर देकर कहा कि 'भारत ने बिना सोचे-समझे पाकिस्तान के पारस्परिक, रणनीतिक और 'इसके नेतृत्व ने अक्सर नियंत्रण रेखा पार करने' और उसके कब्जे वाले क्षेत्रों पर कब्जा करने की धमकी दी है।

रामगढ़ सीट पर संभावित उपचुनाव को लेकर भाजपा एक्शन मोड में

अलवर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में होने वाले उपचुनाव की तैयारियों के लिए समन्वय बैठक में अलवर पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा रामगढ़ उपचुनाव में पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी और विकास के नाम पर वोट मांगेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता सिपाही बनकर कार्य करता है।

अलवर में पार्टी के सदस्यता अभियान की धीमी गति को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल को लेकर उन्होंने कहा कि क्लास में बच्चे कितने ही अच्छे नंबर ले आएं लेकिन कम ही दिखाई पड़ते हैं उसे और मेहनत करने के लिए इस तरह से प्रेरित करने का यह भाव होता है। इसी तरह का भाव यहां भी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। विदेशों में भी भारत का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है। मोदी सरकार व भजनलाल सरकार ने मिलकर कार्य किया है।

मदन राठौड़ ने कहा कि चुनावों के लिए अधिसूचना जारी होने के बाद दावेदारों के नाम सामने आएंगे, अभी बीजेपी का संपर्क अभियान जारी है। पार्टी में चल रहे मतभेद के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी एक परिवार की तरह काम करती है। उन्होंने कहा, मोदीजी देश के लिए बेहतरीन काम कर रहे हैं। विदेशों में भी देश का नाम हो रहा है। इधर प्रदेश में भजनलाल सरकार भी अच्छा काम कर रही है। देश और प्रदेश दोनों जगह जो बजट भाजपा सरकारों ने दिए हैं, इनसे देश और प्रदेश का विकास होगा।

भाजपा सरकार के 360 डिग्री परीक्षण पर डोटासरा ने ली चुटकी

बोले- अधिकारियों को बना दिया फुटबॉल

जयपुर , 28 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक बार फिर भाजपा सरकार तीखा हमला किया। डोटासरा ने राजस्थान में बार-बार हो रहे अधिकारियों के तबादलों को लेकर भाजपा सरकार के गुड गवर्नेंस पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री की उधेड़-बुन को लेकर डोटासरा ने चुकटी लेते हुए अपने एक्स अकाउंट पर अधिकारियों के तबादले की सूची पोस्ट की।

डोटासरा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 360 डिग्री परीक्षण कर स्थानान्तरण का दावा करने वाली भाजपा सरकार ने अधिकारियों को स्थानान्तरण के नाम पर फुटबॉल बना रखा है। एक महीने में 3-3 बार इधर से उधर कर दिया। कई अधिकारी तो ऐसे हैं, जिन्हें ज्वाइन करते ही अगले ट्रांसफर का आदेश मिल गया। क्या ऐसे आएगी गुड गवर्नेंस?

5 सितंबर को जारी तबादला सूची में 108 आईएएस अफसरों के तबादले किए गए थे। अगले ही दिन 6 सितंबर को 386 आरएएस अफसरों की नई तबादला सूची जारी की गई। 22 सितंबर को पिछली सूची वाले 22 IAS अफसरों के ट्रांसफर फिर से कर दिए गए। वहीं, एक तबादला निरस्त भी किया गया। 23 सितंबर को 22 आईएएस और 58 आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए। 24 सितंबर को प्रशासनिक तबादलों की नई सूची जारी की गई, जिसमें 4 अफसरों के तबादले किए गए और 7 को नई पोस्टिंग दी गई। RAS अफसरों के भी 17 दिन में दूसरी बार तबादले कर दिए गए। ऐसे में अकेले सितंबर महीने में भजनलाल सरकार ने 200 से ज्यादा आईएएस-आईपीएस और करीब 400 आरएएस अफसरों के तबादले किए हैं।

आज होगी कैबिनेट की बैठक

ग्रेड पे बढ़ोतरी, खनन नीति और हीलिंग इन पॉलिसी का ऐलान संभव

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की भजनलाल सरकार ने रविवार को कैबिनेट की बैठक बुलाई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चुनावी दौरों में व्यस्त रहने के चलते पहले दो बार यह बैठक स्थगित की जा चुकी है और अब तीसरी बार इस बैठक का नोटिस जारी किया गया है। प्रस्तावित बैठक में कौन-कौन से बड़े ऐलान संभव हैं इस पर डालिए एक नजर-

राजस्थान में 29 सितंबर को कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है, जो कि दोपहर 3 बजे शुरू होगी। इसके बाद मंत्रिपरिषद की बैठक भी होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल के चुनावी दौरों में व्यस्त रहने के चलते पहले दो बार यह बैठक स्थगित की जा चुकी है, अब तीसरी बार इस बैठक का नोटिस जारी किया गया है।

बैठक में राज्य सरकार के मंत्रालयिक कर्मचारियों को लेकर बड़ा ऐलान हो सकता है और मंत्रालयिक कर्मचारियों की लंबे समय से ग्रेड पे में बढ़ोतरी किए जाने की मांग को मंजूरी दी जा सकती है। वित्त विभाग ने इसी सप्ताह मंत्रालयिक कर्मचारियों में संस्थापन अधिकारियों की ग्रेड को 6 हजार से बढ़ाकर 6600 किए जाने की मंजूरी दी है। अब इसे कैबिनेट के अनुमोदन के लिए भेजा गया है।

इसके अलावा राइजिंग राजस्थान से पहले प्रदेश में कुछ नई नीतियां भी लागू होनी हैं। इनमें नई खनन नीति तथा मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए हीलिंग इन पॉलिसी का अनुमोदन भी कैबिनेट में किया जा सकता है। इसके साथ ही राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट राजस्थान के मद्देनजर उद्योगों को रियायत के मामले में इन प्रस्तावों पर बात की जा सकती है- उद्योगों को जमीन आवंटन सहित अन्य प्रकरणों में छूट, ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऊर्जा उत्पादन का अनुमोदन संभव, निजी क्षेत्र के सहयोग से इसके लिए ऊर्जा संयंत्र या सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की मंजूरी।

मानूसन के जाते-जाते तीसरी बार ओवरफ्लो हो गया माही डेम

खोलने पड़े 8 गेट

बांसवाड़ा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जिले और आसपास के क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण माही डेम के गेट तीसरी बार खोले गए हैं। डेम नियंत्रण कक्ष के अनुसार 8 गेट खोले गए। जबकि इससे 4 गेट एक एक मीटर व दो गेट आधा-आधा मीटर खोले गए थे। इस तरह कुल 5 मीटर गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही थी।

डेम एक्सईएन पीसी रेगर ने बताया कि मध्यप्रदेश में हो रही तेज बारिश के कारण रात 10:00 बजे बाद 6 गेट दो-दो मीटर खोले गए हैं। जबकि दो गेट की ऊंचाई एक एक मीटर रखी गई है। इस तरह 80000 क्यूसेक पानी प्रति सेकंड छोड़ा जा रहा है। माही डेम में पानी की आवक जारी है। डेम इस समय पूरी तरह भरा हुआ है। इसलिए जितना पानी आ रहा है उतने की निकासी की जा रही है। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व डेम के गेट दोपहर बाद बंद कर दिए थे। इस सीजन तीसरी बार डेम के गेट खोले गए हैं।

दानपुर में दो इंच गिरा पानी

दक्षिण राजस्थान में मौसम में बदलाव और मानसून की वापसी के बाद भी जिलेभर में कहीं कम तो कहीं जमकर बारिश हुई। सबसे ज्यादा दानपुर में करीब दो इंच पानी गिरा। मौसम विशेषज्ञों की मानें, तो आगे दो दिन इसी तरह अस्थिर बारिश का सिलसिला रहने के आसार हैं। इससे पहले पहले की तरह दिन की शुरुआत उमस भरे वातावरण के बीच हुई। इसके चलते गर्मी से लोग परेशान रहे। इसके बाद शाम को मौसम ने फिर पलटा खाया। मौसम विभाग के अनुसार हवाओं के पैटर्न में बदलाव और नमी की अधिकता से तेज बारिश हुई। इससे वातावरण थोड़ा ठंडा हुआ।

मानसून की आखिरी बारिश का दौर

इस बीच, बाढ़ नियंत्रण कक्ष से सुबह छह बजे से शाम आठ बजे तक जिले में सर्वाधिक बारिश दानपुर में 50 मिलीमीटर दर्ज की। इसके दीगर जगपुरा में 31 मिमी, बांसवाड़ा में 8, बागीदौरा में 5, केसरपुरा और भूंगड़ा में 3-3, गढी में और शेरगढ़ में दो-दो मिलीमीटर बारिश हुई। निन दबाव प्रणाली या चक्रवाती परिसंचरण के चलते बारिश और मौसम में अस्थिरता बनी रही। विभाग के अनुसार मानसून की आखिरी बारिश का दौर 29 सितंबर तक जारी रह सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार को जिले के अधिकांश हिस्सों में थोड़ी-बहुत बरसात हुई। इसमें सर्वाधिक दानपुर में 23 और लोहारिया में 22 मिमी दर्ज की गई।

प्रेमचंद बैरवा का 24 घंटे में यू-टर्न

किया बेटे का बचाव फिर मांग ली माफी

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के डिप्टी सीएम एवं परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा का बेटा चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, 26 सितंबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद से डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की मुश्किलें बढ़ गई। वायरल हो रही रील वीडियो में उनका बेटा अपने कुछ दोस्तों के साथ एक खुली जीप में मौज-मस्ती करता दिख रहा है। इससे भी गंभीर बात ये है कि उसे पुलिस एस्कॉर्ट कर रही थी। ये वीडियो देखते-देखते वायरल हो गया।

मंत्री प्रेमचंद बैरवा ने मामले में सफाई देते हुए कहा कि 'मेरा बच्चा अभी सीनियर स्कूल में पढ़ता है। वीडियो में दिख रहे उसके साथ के बच्ची उसके दोस्त हैं। बच्चा है अभी, अभी तो 18 साल का भी नहीं हुआ। जो पीछे पुलिस की गाड़ी दिख रही है वो बच्चे का एस्कॉर्ट नहीं कर रही है बल्कि उसकी गाड़ी के पीछे चल रही थी। मैं मेरे बच्चे को कोई दोष नहीं देता हूं क्योंकि वे बच्चे स्कूल के दोस्तों के साथ थे, और उसमें उस तरह की कोई बात नहीं है।' ये बात प्रेमचंद बैरवा ने सुबह मीडिया से बातचीत के दौरान कही।

उदयपुर में दहशत फैलाने वाला एक और 'नरभक्षी' पैंथर पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

उदयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर जिले में दहशत फैलाने वाला एक और 'नरभक्षी' पैंथर पकड़ा गया है। गोगुंदा क्षेत्र के मजावद ग्राम पंचायत के कुंडाऊ गांव में छह साल की बच्ची का शिकार करने वाला पैंथर शनिवार तड़के नाले के किनारे लगाए गए पिंजरे में कैद हो गया। इसके बाद मौके पर मौजूद वनकर्मी उसे सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क ले गए। बता दें कि इस क्षेत्र में यह तीसरा पैंथर है, जिसे पकड़ा गया है। तीन पैंथरों के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

गोगुन्दा के क्षेत्रीय वन अधिकारी अर्जुन लाल मीणा ने बताया कि छह साल की बच्ची का शिकार करने वाले पैंथर की गुरुवार रात को फोटो ट्रैप कैमरे में गतिविधियां नजर आई थी। जिसके आधार पर वन विभाग ने पिंजरों की जगह बदली। घटना स्थल से कुछ दूर ऊंचाई पर भी पिंजरे रखवाए गए

हैं। विभाग दस कैमरों के जरिए पैंथर के मूवमेंट पर नजर रखी।

उसे पकड़ने के लिए मांस की गंध वाले पानी का छिड़काव कर चार पिंजरे लगाए गए हैं। हालांकि, दिनभर वन विभाग को कोई सफलता नहीं मिली। लेकिन, शनिवार तड़के आदखोर पैंथर पिंजरे में कैद हो गया। इसके बाद टीमों ने उसे पिंजरे सहित पहाड़ी इलाके से नीचे उतारा और उदयपुर के सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में ले जाया गया।

पैंथर ने 6 साल की मासूम का किया था शिकार

उदयपुर जिले के कुंडाऊ में बुधवार रात बुधवार रात पैंथर सूरज (6) पुत्री गमेरा पर हमला कर उसे उठा ले गया था। मृत मासूम का शव तीन अलग-अलग हिस्सों में मिला था। उसके एक हाथ का पंजा रात को ही घटना स्थल पर मिल गया था। जबकि बाकी शरीर को पैंथर वापस उठा ले गया था। करीब 18 घंटे बाद गुरुवार सुबह छह वर्षीय मासूम बालिका सूरज का सिर और धड़ घटना स्थल से कुछ दूरी पर अलग-अलग जगह पड़े मिले थे। पैंथर उसका आधा चेहरा और धड़ में से पेट का हिस्सा खा चुका था। इसके बाद पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरे और कैमरे लगाए गए थे।

अब तक पकड़े गए तीन पैंथर

बता दें पिछले दिनों पैंथर के बढ़ते हमलों को देखते हुए चार जिलों की वन विभाग की रेस्क्यू टीमों और आर्मी की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया था। पैरों के निशान से पता चला था कि उमरिया में डेढ़ किमी दायरे में 3 पैंथर का मूवमेंट है। इसके बाद पैंथरों को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए गए थे। उमरिया के समीप लगाए तीन पिंजरों में से दो पिंजरों में 23 सितंबर की रात दो पैंथर कैद हुए थे। जिन्हें मंगलवार को उदयपुर के बायोलॉजिकल पार्क ले जाया गया गया था। अब एक और पैंथर मिलने के बाद वन विभाग कर्मियों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

बिना परमिट की भारत निर्मित विदेशी शराब जब्त

नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के बेटे समेत 4 गिरफ्तार

सिरोही, 28 सितंबर (एजेंसियां)। समीपवर्ती गुजरात की अमीरगढ़ पुलिस द्वारा इनोवा कार में ले जाई जा रही भारत निर्मित विदेशी शराब के साथ 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में आबूरोड नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित जोशी का बेटा भी सम्मिलित है। इस मामले में आरोपियों के पास से 79 हजार 760 रुपये की भारत निर्मित विदेशी शराब, इनोवा कार एवं महंगे मोबाइल भी जब्त किए गए हैं।

गुजरात पुलिस के अनुसार प्रदेश में शराब तस्करी को सख्ती से रोकने के लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश की पालना में एलसीबी पुलिस के जवान अमीरगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। उस दौरान मिली सूचना के आधार पर अमीरगढ़ पुल के पास नाकाबंदी की गई थी।

पुलिसकर्मियों द्वारा वहां से गुजर रही इनोवा कार को रुकवाकर तलाशी ली गई तो उसमें बिना पास परमिट के 79 हजार 760 रुपये की भारत निर्मित विदेशी शराब पाई गई। पुलिस ने इस अवैध शराब समेत उपयोग में ली जा रही इनोवा कार और आरोपियों के पास से महंगे मोबाइल जब्त कर ड्राइवर अमन पुत्र अमितभाई जोशी यात्री कृष्णराज कुवरसिंह देव, विनोदकुमार दरगाराम चौधरी एवं विनायक ब्रिजेशभाई तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस पकड़े गए लोगों से शराब के संबंध में आवश्यक पूछताछ कर रही है।

राजधानी में दर्दनाक सड़क हादसा

ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो लोगों को कुचला; दोनों की मौके पर मौत

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के वाटिका रोड पर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक युवक और युवती की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब लोहे के सरिये से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल पर सवार युवक-युवती की मौके पर ही मौत हो गई। घटना वाटिका रोड पर मीणा चौक के पास की है। मृतक युवती मोना शर्मा, जो बीएड कॉलेज की छात्रा थी, को युवक ओमप्रकाश कॉलेज छोड़ने के लिए जा रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर के पहियों से कुचलने के कारण दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनका भेजा बाहर आ गया।

हादसे के बाद मौके पर जमा हुए लोगों ने गुस्से में आकर सड़क पर जाम लगा दिया। सड़क खून से लाल हो गई थी, और यह दृश्य बेहद हृदय विदारक था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को महात्मा गांधी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और ट्रैक्टर चालक की तलाश जारी है। इस हादसे से स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और उन्होंने यातायात सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं।

डेंगू का कहर, कोटा में नर्सिंग छात्रा की मौत

अलर्ट मोड़ पर आया विभाग

कोटा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कोटा जिले में डेंगू अब जानलेवा साबित होता जा रहा है। डेंगू से कोटा जिले के करवाड़ गांव में नर्सिंग छात्रा की मौत हो गई। कोटा जिले में डेंगू से मौत का पहला मामला सामने आया है। इधर, चिकित्सा विभाग अलर्ट हो गया। मृतक छात्रा के पिता सलीम मोहम्मद ने बताया कि मृतक छात्रा नाजिया (21) कोटा के नयापुरा स्थित एएनएम ट्रेनिंग सेंटर से नर्सिंग कर रही थी। बुखार आने पर उसने कोटा में ही डॉक्टर को दिखाया और बुधवार को अपने गांव आ गई। गुरुवार को उसके ड्रिप लगाई गई। बाद में तबियत खराब हो जाने पर परिजन उसे इटावा हॉस्पिटल ले गए। वहां से उसे कोटा रैफर कर दिया। कोटा मेडिकल कॉलेज के नवीन चिकित्सालय में इमरजेंसी में उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि डेंगू ने मस्तिष्क पर असर किया। सूचना पर पीपल्दा पीएचसी व इटावा चिकित्सा टीम ने करवाड़ पहुंच कर परिजनों से जानकारी ली। पीपल्दा पीएचसी चिकित्सा प्रभारी डॉ. निखिल ने भी परिजनों से बीमारी की जानकारी ली। इधर, नवीन चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आशुतोष शर्मा ने बताया कि नाजिया इमर्जेंसी में आई थी, लेकिन उसकी प्लस व बीपी नहीं आ रहा था। दो घंटे तक इलाज चला। सीएमएचओ डॉ. जगदीश सोनी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज से मृतका की रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन छात्रा को डेंगू के लक्षण थे। उसकी कार्ड टेस्ट या पॉजिटिव रिपोर्ट आई होगी, तभी तो चिकित्सा टीम ने गांव में एक्टिविटी करवाई है। कोटा जिले में डेंगू के प्रतिदिन रोजाना केस सामने आ रहे है। अब तक 178 डेंगू केस सामने आ चुके है।

हाईकोर्ट भवन में संविदाकर्मी का मिला शव

पिता ने अधिकारियों पर लगाया हत्या का आरोप, बताई वजह

दौसा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर में राजस्थान हाईकोर्ट के भवन में संविदा कर्मी का शव मिलने से हंगामा मच गया। अशोक नगर थाने की पुलिस को बिल्डिंग के बी-ब्लॉक में तीसरी मंजिल से संविदा कर्मी का शव मिला। मामले में मृतक के पिता ने अफसर पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतक कर्मी की पहचान मनीष सैनी के रूप में हुई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

राजस्थान हाई कोर्ट में शव मिलने के मामले में मृतक मनीष के पिता महेश सैनी ने हत्या का आशंका जाहिर की है। उन्होंने बताया कि मनीष की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वह अपने रास्ते जाता और अपने रास्ते आता था। आज भी सुबह करीब 4 बजे घर से जयपुर के लिए ट्रेन से गया था। मनीष सैनी के पिता महेश कहना है कि हमें करीब 10 बजे मनीष सैनी के आत्महत्या की सूचना मिली। ऑफिस के अधिकारियों पर मनीष के पिता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अफसरों ने उसे मरवाया है। जानकारी के अनुसार बांदीकुई का मनीष संविदा पर नौकरी करता था। मनीष की नौकरी का केस हाईकोर्ट से मनीष जीत चुका था। SLP सुप्रीम कोर्ट में लगा रखी थी, जिसके चलते वह तनाव था। केस काफी पैसे खर्च हो गए थे। इस वजह से वह परेशान रहता था। अब मनीष की मौत के बाद पीड़ित परिवार ने न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि मोदी के राज न्याय मिलता है। मनीष की शादी 2019 में हुई थी और मृतक मनीष सैनी की उम्र 33 वर्ष थी। बांदीकुई के गोलाडा के समीप गांव का रहने वाला है। मृतक के 2 बच्चे हैं। एक पुत्र शिवांश उम्र 2 वर्ष और एक पुत्री सुदीक्षा उम्र 4 वर्ष है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने मैनेज में नए प्रशिक्षण

एवं छात्रावास भवनों का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज) में प्रशिक्षण एवं एक्ज़ीक्यूटिव छात्रावास ब्लॉक का शिलान्यास करने के लिए पट्टिका का वर्चुअल अनावरण किया। डॉ. देवेश चतुर्वेदी, आईएएस, सचिव (कृषि एवं किसान कल्याण), भारत सरकार, विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा डॉ. योगिता राणा, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज एवं संयुक्त सचिव (आईएनएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के साथ नए निर्माण स्थल पर भूमि पूजन में शामिल हुए।

इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के

लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर कृषि पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि अनुसंधान और विस्तार प्रशिक्षण में भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्नत योजना के साथ कृषि के सभी पहलुओं को व्यापक रूप से संबोधित किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि पेशेवरों और किसानों को प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित करने के लिए पारंपरिक और आधुनिक दृष्टिकोणों को मिलाने के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नए भवन केवल एक ढांचा मात्र है वास्तव में उसकी आत्मा तो प्रशिक्षण और उससे संबंधित गतिविधियां हैं जो किसानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, वैज्ञानिकों, एफपीओ और अन्य हितधारकों का मार्गदर्शन करेगा ।

डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने अतिथियों का स्वागत किया और मैनेज में नए प्रशिक्षण और छात्रावास सुविधाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. योगिता राणा ने कहा कि मैनेज द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण की क्षमता और गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए नए भवनों का निर्माण किया जाएगा जो हमारे बढ़ती कार्यक्रमों और हितधारकों की संख्या हेतु समर्थन करेगा। डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार) मैनेज ने धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम का समापन किया।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आसिफाबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद मंडल के एक गांव में शुक्रवार की शाम करीब 4:30 बजे नाबालिग लडकी सरकारी स्कूल से घर लौट रही थी तो उसी गांव के बोम्मेना सागर पिता बालेश ने उसे रोक लिया। नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसला कर अपने घर के अंदर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने इस बारे में अपने माता-पिता को बताया और पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा 65 (1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। फॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी को आज सुबह बुरुगुडा क्रॉस रोड पर गिरफ्तार किया गया और रिमांड पर लिया गया।

न्यायालय के परिसर प्रांगण में स्वच्छ भारत कार्यक्रम

चेन्नूर, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर मैनसिफ सिविल न्यायालय के न्यायाधीश पर्वतपु रवि ने अधिवक्ताओं के साथ न्यायालय परिसर प्रांगण में स्वच्छ भारत कार्यक्रम शुरू किया। इस मौके पर न्यायालय परिसर में लगे कूड़े-कचरे एवं जंगली पौधों को हटा कर साफ-सफाई किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश पर्वतपु रवि ने कहा कि यदि सभी लोग अपने रहने वाले क्षेत्रों में स्वच्छता का कार्य करेंगे तो मौसमी बीमारियां नहीं आएंगे, सभी लोग स्वच्छ भारत का कार्यक्रम करना चाहिए। कार्यक्रम में अधिवक्ता रामबाबू, कार्तिक, महेश, मल्लेशम गौड़ एवं न्यायालय कर्मचारी ने भाग लिया है।

नेक्लस रोड स्थित मोक्ष बैंकट हॉल में मंच संस्था के तत्वदान में भारत ए जर्नी फ्रम डेवलेपिंग नेशन टू इक्नॉमिक सुपर पॉवर 2047 पर आयोजित कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए के.वी. सुब्रमण्यण साथ में मंच संस्था के प्रतिनिधि किरण बिलिगिरी, अडवकेट श्रीपद प्रभाकर आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया।

हैदराबाद में हृदय उत्तेजक दवाएं जब्त

बॉडीबिल्डिंग के लिए अत्यधिक कीमतों पर हो रही थी बिक्री

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन, तेलंगाना (टीएसडीसीए) ने हैदराबाद के आसिफनगर और कारवान में अवैध रूप से स्टॉक की गई और बेची गई हृदय उत्तेजक दवा मेफेन्टरमाइन सल्फेट इंजेक्शन को जब्त किया है। टीएसडीसीए के अनुसार, ये दवाएं बॉडीबिल्डिंग में दुरूपयोग के लिए जिम जाने वालों को अवैध रूप से बेची जा रही थीं। टीएसडीसीए के औषधि निरीक्षकों ने शुक्रवार और शनिवार को आसिफनगर और कारवान में छापे मारे और हृदय उत्तेजक दवा 'मेफेन्टरमाइन सल्फेट इंजेक्शन' के स्टॉक का पता लगाया, जिसे अवैध रूप से संग्रहीत किया गया था और जिम जाने वालों को बॉडीबिल्डिंग के लिए अत्यधिक कीमतों पर बेचा

जा रहा था। नशे के लिए इंजेक्शन की सप्लाई आसिफनगर निवासी आतिफ खान और करवान निवासी अजय सिंह द्वारा की जा रही थी।

छापेमारी के दौरान, टीएसडीसीए अधिकारियों ने मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन की 210 शीशियां भी जब्त कीं, जिनकी कुल कीमत 65,000 रुपये थी। टीएसडीसीए के महानिदेशक, वीबी कमलसन रेड्डी ने कहा कि मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन एक हृदय उत्तेजक है जिसका उपयोग मुख्य रूप से कम रक्तचाप (हाइपोटेंशन) को सामान्य करने के लिए किया जाता है जो सर्जरी के दौरान रीढ़ की हड्डी की प्रक्रियाओं में एनेस्थीसिया देने से उत्पन्न हो सकता है। इसका उपयोग हाइपोटेंसिव (कम रक्तचाप) स्थितियों के मामलों में रक्तचाप बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह दवा नॉरएड्रेनालाईन के बढ़े हुए स्राव को प्रेरित करती है, जिससे हृदय उत्पादन में वृद्धि होती है। हृदय की पंपिंग क्षमता को बढ़ाकर और रक्त वाहिकाओं को संकुचित करके, यह तेजी से रक्तचाप बढ़ाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि केवल एक डॉक्टर को प्रत्येक व्यक्ति के लिए इस दवा की उचित खुराक और अवधि निर्धारित करनी चाहिए।

पूर्व सीएम जगन के शासन में कितने दलितों से अन्याय हुआ : बंडी संजय

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने आज कहा कि यह शर्मनाक है कि पूर्व सीएम वाईएस जगन कह रहे हैं कि तिरुमाला में दलितों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि दलित हिंदू धर्म के असली रक्षक हैं। उन्होंने कहा कि दलितों पर प्यार बरसाकर उन्हें ईसाई बनाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने हैदराबाद के बंदलागुडा जागीर में श्री विद्यारण्य की नई इमारत के उद्घाटन में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने जानना चाहा कि जगन के शासन

के दौरान तिरुमाला में कितने दलितों के साथ अन्याय हुआ? उन्होंने कहा, इससे पहले जब इंदिरा गांधी पुरी मंदिर गई थीं, तो उन्हें मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया गया था, क्योंकि उन्होंने एक पारसी से शादी की थी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, जो नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर गई थीं, उन्हें भी मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया गया, क्योंकि वह ईसाई थीं। जगन के व्यवहार को देखते हुए, ऐसा लगता है कि टीटीडी लड्डू प्रसादम में भी मिलावट की गई थी। यह हिंदुत्व पर चल रहे हमले का हिस्सा है। इसे रोकना हर एक हिंदू का कर्तव्य है।

शेरीलिंगमपल्ली सीखी समाज में नवरात्रि महोत्सव 3 से

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शेरीलिंगमपल्ली स्थित पी.जे.आर.इन्कलेव में श्री आईमाता मंदिर में गुरुवार 3 अक्टुबर से शनिवार 12 अक्टुबर तक समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव एवं डी.जे. की धुन पर रंगारंग गरबा-डांडिया कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष मनोज चौधरी व कोषाध्यक्ष विनोद गेहलोत ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव व गरबा डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मूर्ति स्थापना गुरुवार 3 अक्टुबर सायं 7.15 बजे, प्रतिदिन पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ प्रात: 7.15 बजे से 10.15 बजे तक एवं शाम 8.15 बजे से 11.15 बजे तक गरबा डांडिया कार्यक्रम रहेगा। प्रतिदिन भोजन-प्रसाद की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। शनिवार 5 अक्टुबर रात्रि 8.15 बजे से एक शाम श्री आईमाताजी के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सोनु सिसोदिया, दीपिका राव एंड पार्टी भजनों के पुष्प अर्पित करेंगी। पूर्णाहुति कार्यक्रम शनिवार 12 अक्टुबर प्रात: 7.15 बजे से 11 बजे तक रहेगा। शनिवार 12 अक्टुबर को मूर्ति विर्सजन एवं समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था प्रात: 11.15 बजे से रहेगी। हवन मे बैठने के लिए समाज बन्धु अपना नाम कोषाध्यक्ष विनोद गेहलोत के पास सम्पर्क कर दे सकते है।

उपरोक्त कार्यक्रम में सीरवी समाज बन्धु ही भाग ले सकते है। सचिव मांगीलाल सोनपरा, महिला अध्यक्षा इन्द्रा गेहलोत, सचिव गीतादेवी देवड़ा, कोषाध्यक्षा पुष्पा गेहलोत ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि नवरात्रि महोत्सव में पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, भजनों के कार्यक्रम में सपरिवार भाग लेकर, माँ श्री आईजी का दर्शनकर, कार्यक्रम का लाभ लेवे।

उपेक्षित अवस्था में है ऐतिहासिक रुद्रेश्वर मंदिर

मंदिर परिसर में रिसने लगा है बारिश का पानी

गोल्ला गुड़ी के कुछ हिस्सों को बदमाशों ने कर दिया है नष्ट

मुलुगु, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु जिले के पालमपेट गांव में स्थित ऐतिहासिक रुद्रेश्वर मंदिर उपेक्षित अवस्था में है और राज्य सरकार इसके विकास और सुरक्षा पहलुओं के लिए बहुत कम काम कर रही है। मौसम की मार और प्राकृतिक आपदाओं के कारण समय-समय पर क्षतिग्रस्त हुए इस मंदिर को पिछले 10 वर्षों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा इसकी भव्यता बहाल की गई, लेकिन हाल ही में राज्य सरकार द्वारा मंदिर के आसपास के क्षेत्र को विकसित करने और पर्यटकों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए बहुत अधिक प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। मुलुगु में हाल ही में हुई भारी बारिश के दौरान मंदिर परिसर में बारिश का पानी रिसने की भी खबरें आई थीं।

सरकार की लापरवाही और सुरक्षा की कमी के कारण रामप्पा और उसके आस-पास स्थित काकतीय युग के अन्य मंदिर खरखाव के अभाव में क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। उचित सुरक्षा के अभाव में मंदिर खजाने की खोज करने वालों के लिए आसान लक्ष्य बन गए हैं। हाल ही में अज्ञात बदमाशों ने रामप्पा मंदिर के पास स्थित गोल्ला गुड़ी के कुछ हिस्सों को नष्ट

कर दिया।

पुरातत्वविदों का कहना है कि ये हालात विश्व धरोहर स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण हैं। वे चाहते हैं कि राज्य सरकार इस पर ध्यान दे और रामप्पा के आसपास के इलाकों में सुरक्षा के जरूरी इंतजाम करे। काकतीय काल में रामप्पा मंदिर तथा उसके समीप कटेस्वर, कामेश्वर, नरसिंहस्वामी तथा नंदी मंडप का निर्माण कराया गया। रामप्पा मंदिर के आसपास के परिसर में गोल्ला गुड़ी, याकूब सब मंदिर, त्रिकुटलायम तथा दो और शिव मंदिर हैं। रामप्पा तालाब के तटबंध पर एक कल्याण मंडपम, एक त्रिकुटलायम (झोपड़ियों का एक किनारा) तथा दो अन्य छोटे मंदिर हैं। पालमपेट में दो अन्य शिव मंदिर टूट रहे हैं तथा पत्थर के खंभे ढह रहे हैं। पिछले वर्ष भारी वर्षा के कारण पूर्वी द्वार से सटा प्राचीर ढह गया था।

रामप्पा मंदिर से 300 मीटर दूर शिव मंदिर पूरी तरह ढह गया है। मुख्य मंदिर के साथ-साथ आसपास के 16 छोटे मंदिर पूरी तरह नष्ट हो गए। कामेश्वर मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया। रामप्पा, लक्ष्मी देवी पेट, पेड्डापुरम, रामंजपुरम और नरसापुरम गावों में मंदिर रखरखाव की कमी के कारण अपनी प्राकृतिकता खो रहे हैं। छिपे हुए खजानों की खोज जारी रहने के कारण, संरचनाओं को लगातार खोदा और नष्ट किया जा रहा है। पुरातत्वविदों और कला प्रेमियों द्वारा बार-बार अपील के बावजूद, अधिकारी इन संरचनाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कदम नहीं उठा रहे हैं।

डकैती गिरोह के तीन सदस्य पकड़े गए

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स, वेस्ट जोन और मधुरा नगर पुलिस ने तीन आरोपियों को पकड़ा। ये लोग मधुरा नगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में डकैती के मामले में शामिल थे। टास्क फोर्स, वेस्ट जोन और मधुरा नगर पुलिस ने उनके कब्जे से एक मोबाइल फोन और एक मोटर साइकिल जब्त की। गिरफ्तार आरोपियों में परसा राहुल निवासी शाम लाल बिल्डिंग लेन के सामने, बेगमपेट, हैदराबाद, डोंडू राकेश निवासी केवी बॉयज हॉस्टल, एमएमटीएस लेन, चंदानगर, मुत्याला अजय रेड्डी निवासी श्री साई पीजी फॉर जेंट्स, डी-33, मधुरा नगर, एसआर नगर, हैदराबाद शामिल हैं। बीते 26 सितंबर रात शिकायतकर्ता एम. नवीन अपने दोस्त के कमरे से एसआर नगर मेट्रो स्टेशन पर अपने हॉस्टल में वापस लौट रहा था। इसी दौरान तीनों व्यक्तियों ने शिकायतकर्ता के साथ मारपीट की और एसआर नगर मेट्रो स्टेशन के सामने फेडरल बैंक के सामने शिकायतकर्ता से मोबाइल फोन लूट लिया और अपनी बाइक से मौके से भाग गए। सूचना के आधार पर पश्चिम क्षेत्र टास्क फोर्स टीम ने मधुरा नगर पुलिस के साथ मिलकर तीनों व्यक्तियों को पकड़ लिया, मोबाइल फोन (पीड़ित का मोबाइल) बरामद किया और उनके कब्जे से एक दोपहिया वाहन और तीन मोबाइल फोन जब्त किए।

कांस्टेबल ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस के एक सशस्त्र रिजर्व कांस्टेबल ने शनिवार तड़के आदिबटला में रंगारेड्डी जिला कलेक्टर कार्यालय में अपनी सर्विस बंदूक से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान डी बालकृष्ण गौड़ (28) के रूप में हुई है। वह आरआर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में गार्ड सेक्शन में कार्यरत था। शुक्रवार की रात को वह ड्यूटी पर आया और अपनी शिफ्ट पूरी करने के बाद बालकृष्ण वॉशरूम गया और सुबह करीब 3 बजे अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। आवाज सुनकर अन्य कांस्टेबल मौके पर पहुंचे और बालकृष्ण को खून से लथपथ पाया। एसीपी इब्राहिमपट्टनम के राजू ने कहा कि बालकृष्ण कुछ निजी मुद्दों से परेशान था और इसी वजह से वह डिप्रेशन में चला गया था। पहले भी उसने अपनी जान लेने की कोशिश की थी। मामला दर्ज कर लिया गया है और हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर उसने यह कदम क्यों उठाया? कांस्टेबल के शव को ओजीएच शवगृह में रखवा दिया गया है।

ईओ गुट्टा मनोहर रेड्डी, मंदिर के मुख्य पुजारी वेणु माधव शर्मा और रामतीर्थ शर्मा ने हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर को सचिवालय में श्री उज्जैन महाकाली देवस्थानम, सिकंदराबाद में श्रीदेवी शरद नवरात्रि महोत्सव-2024 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

तेलंगाना में भवन, लेआउट की अनुमति में देरी, लोग परेशान

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में रियल एस्टेट सेक्टर की अपनी अलग-अलग खूबियां हैं, जिनमें सबसे बड़ी खासियत है तेज और समयबद्ध बिल्डिंग और लेआउट स्वीकृति प्रणाली, लेकिन ऐसा लगता है कि अब यह इतिहास बन चुका है। पिछले कुछ महीनों से बिल्डरों, डेवलपर्स और यहां तक कि व्यक्तिगत मकान मालिकों को अपने आवेदनों को संसाधित करने और स्वीकृत कराने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। विभिन्न श्रेणियों के आवेदक आवेदन प्रक्रिया और अनुमोदन जारी करने में अत्यधिक देरी की शिकायत कर रहे हैं।

राज्य में, विशेषकर हैदराबाद में, रियल एस्टेट क्षेत्र मंदी के दौर से गुजर रहा है, इसलिए आवेदन प्रक्रिया में अत्यधिक देरी से आवेदक अधिक चिंतित हो रहे हैं। आवेदकों द्वारा सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने तथा स्थानीय स्तर पर अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किए जाने के बावजूद, विभिन्न कारणों का हवाला देकर आवेदनों को कई दिनों तक रोके रखा जा रहा है। यह केवल ऊंची परियोजनाओं या विशाल लेआउट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अलग-अलग कॉलोनियों में अलग-अलग घरों और पांच मंजिल वाले अपार्टमेंटों तक भी सीमित है।

कुछ मामलों में आवेदकों ने शिकायत की है कि अधिकारियों ने भवन निर्माण का निरीक्षण किया था तथा सभी दस्तावेजों की जांच की थी, फिर भी उनके आवेदन, जिनमें अधिभोग प्रमाण पत्र जारी करना भी शामिल है, लंबित रखे गए। पूछे जाने पर अधिकारियों ने दावा किया कि संबंधित अधिकारी छुट्टी पर है और आवेदन पर तभी कार्रवाई की जाएगी जब अधिकारी ड्यूटी पर वापस आ जाएगा।

शिव कथा में मनाया गया गणपति महोत्सव

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से मुन्नूरु कापु भवन (म्याडम अंजय्या हॉल), काचीगुड़ा में भगवान शिव कथा के अंतिम दिवस कथा पंडाल में गणपति महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सारा पंडाल गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंज उठा। भक्तजनों ने नृत्य कर उत्सव का आनंद लूटा। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर जी ने शिव भक्तों को श्री गणेश उत्पत्ति प्रसंग सुनाया। भगवान शिव और माता पार्वती की परिक्रमा को संपूर्ण ब्रह्मांड की परिक्रमा के समान बताते हुए गणेश जी ने 'मातृ देवो भव' व 'पितृ देवो भव' का सुंदर संदेश दे इस समाज को भारतीय संस्कारों से सुसज्जित होने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि भारत के पुनरुत्थान के लिए हमें अपने भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर होना होगा और भारतीय संस्कृति के प्राण तो बसते ही आध्यात्मिकता में हैं। अत: दम तोड़ती हुई मानवता के उत्थान का मार्ग केवल अध्यात्म के पास ही है। अध्यात्म को अपनाकर ही हम प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को सुंदर संस्कारों से सुसज्जित कर एक सभ्य मानव के रूप में परिवर्तित कर सकते हैं। सर्व श्री आशुतोष महाराज जी आज समाज में प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को विभिन्न नैतिक मूल्यों यथा प्रेम, दया, सहिष्णुता, मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, अतिथि देवो भव इत्यादि से सुसज्जित करने के लिए ब्रह्मज्ञान प्रदान कर एक संस्कारित समाज की रचना कर रहे हैं। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान इसी ब्रह्मज्ञान के लिए समाज के हर वर्ग का आह्वान करता है जिससे समाज में पुन: ऐक्य, शांति, प्रेम व संस्कारों की स्थापना हो सकती है।

कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर जी ने बताया कि कार्तिक मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व दीपावली की तरह ही विशेष महत्त्व रखता है। जिस प्रकार हम सब कार्तिक मास की अमावस्या को दीपावली का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाते हैं, उसी प्रकार कार्तिक मास की पूर्णिमा को देवता स्वर्ग में दीपावली का पर्व मनाते हैं। इस दिन देवाधिदेव महादेव ने त्रिपुरारी रूप धारण कर त्रिपुर दहन किया था और देवताओं को त्रिपुरासुर के आतंक से मुक्त किया था। इसी प्रसन्नता में देवों ने उस दिन स्वर्ग में दीपावली पर्व मनाया, जिसे देव दीपावली पर्व के नाम से जाना जाता है। कथा व्यास जी ने बताया कि ये त्रिपुर प्रतीक हैं सत्व, रज, और तम के त्रिगुणों के, जिन्होंने हमारी देह राज्य पर आधिपत्य स्थापित कर सदगुणों को निष्कासित कर दिया है। पूर्ण सतगुरु वो क्रोधाजित महायोगी होते हैं जो साक्षात शिव रूप धारण कर हमारे भीतर आदि नाम के सुमिरन बाण से इन तीनों गुणों का अंत कर अपने शिष्य को त्रिगुणातीत अवस्था प्रदान करते हैं। उसके बाद साधक के भीतर भी सदगुणों के दीप जगमगाते हैं और वह पूर्ण ब्रह्म में स्थित हो जाता है।

अत: देव दीपावली का पर्व यहीं सन्देश देता है कि हम भी अपने जीवन में एक ऐसे सद्गुरु का आश्रय ग्रहण करें जो हमारी श्वांसों के भीतर उस आदिनाम का सुमिरन प्रकट कर हमें ब्रह्म में स्थित कर दें।

कथा के मुख्य यजमान स्व. सीता देवी व बगदाराम कुमावत एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी व श्री ओंकार राम चौधरी हैं। सप्तम दिवस की कथा के उत्सव यजमान रितेश संगी, श्रीमती सुलोचना एवं रामुलु नाथमाडीवाल, श्रीमती वंदना चौहान एवं रणविजय चौहान तथा दैनिक यजमान श्रीमती नेहा शर्मा एवं श्री वरुण शर्मा जी रहे। कथा स्थल पर श्रीमती मेघारानी अग्रवाल, बहुराम चौधरी, मेघराज चौधरी, जुजर कुमावत, सोहन लाल, मोहन लाल राम जी एवं ओमप्रकाश कुमावत भी उपस्थित थे।

केसीआर ने डॉ. विजया के निधन पर जताया शोक

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने प्रसिद्ध कवि, लेखक और अंबेडकरवादी डॉ. विजया भारती के निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। एक साहित्यिक और सामाजिक विद्वान के रूप में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. विजया भारती ने तेलुगु अकादमी के निदेशक के रूप में कार्य किया था। उन्होंने कहा कि वह डॉ. बीआर अंबेडकर के लेखों और भाषणों की संपादक थीं। उन्होंने महात्मा ज्योतिराव फुले की जीवनी भी लिखी, जिसे पहली बार तेलुगु समुदाय के सामने पेश किया। इन क्षेत्रों में उनके प्रयास बहुत बड़े और अत्यधिक मूल्यवान थे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। डॉ. विजया भारती प्रख्यात कवि और लेखक पद्म भूषण स्वर्गीय बोई भीमन्ना की बेटी थीं। वे मानवाधिकार कार्यकर्ता बोज्जा तारकम की पत्नी और राज्य सिंचाई विभाग के प्रधान सचिव राहुल बोज्जा की माँ थीं।

इंसानों की तरह जानवरों का टीकाकरण जरूरी -वीपी गौतम

विश्व रेबीज रोकथाम दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर निगम प्रशासन निदेशक वीपी गौतम ने कहा कि तेलंगाना को रेबीज मुक्त बनाने के लिए कुत्तों के लिए एंटी-रेबीज टीकाकरण अनिवार्य किया जाना चाहिए। विश्व रेबीज रोकथाम दिवस के अवसर पर शनिवार को खैरताबाद जोन केबीआर पार्क में ब्लू क्रॉस ऑफ हैदराबाद, मिशन रेबीज, डब्ल्यूवीएस और जीएचएमसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि जानवरों के लिए भी विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीका लगवाना उतना ही जरूरी है जितना इंसानों के लिए। उन्होंने कहा कि खासकर अगर कुत्तों में रेबीज है, तो उनके काटने पर यह मनुष्यों में भी फैल सकता है। इसलिए, सभी कुत्तों को रेबीज का टीका लगाया जाना चाहिए। तभी हम सुरक्षित रहेंगे। कुत्तों को मारना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से हमने अपनी जनसंख्या को नियंत्रित किया है, उसी तरह पशु जन्म नियंत्रण भी जरूरी है ताकि वे सुरक्षित रहें और उनसे कोई खतरा न हो। मालिकों को सलाह दी जाती है कि वे पालतू कुत्तों के लिए एंटी-रेबीज टीकाकरण करवाएं।

उन्होंने कहा कि जीएचएमसी के साथ-साथ सभी नगर पालिकाओं में पशु जन्म नियंत्रण केंद्र हैं और सभी जिलों में एबीसी केंद्र स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 142 नगर पालिकाओं में जहां करीब 2.5 लाख कुत्ते हैं, वहीं अब तक 92 हजार कुत्तों का परिवार नियोजन ऑपरेशन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बाकी कुत्तों की नसबंदी की जा रही है। आवारा कुत्तों के जन्म पर नियंत्रण और रेबीज की रोकथाम के लिए राज्य भर में विशेष कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अब्दुल वकील ने बताया कि आवारा कुत्तों के जन्म को नियंत्रित करने और रेबीज की रोकथाम के लिए जीएचएमसी के तत्वावधान में कई उपाय किए जा रहे हैं। रेबीज टीकाकरण सभी अस्पतालों में उपलब्ध है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत-बांग्लादेश टेस्ट बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल रद्द

पहले दिन सिर्फ 35 ओवर फेंके गए थे, कल भी बारिश के 59% आसार

कानपुर, , 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-बांग्लादेश दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल बारिश के कारण रद्द कर दिया गया है। कानपुर में शनिवार सुबह से रुक-रुककर बारिश होती रही। ऐसे में अंपायर्स ने ग्राउंड स्टाफ से बात करके दिन का खेल रद्द करने का फैसला किया। रविवार, 29 सितंबर को भी यहां 59% बारिश के आसार हैं।

शुक्रवार, 27 सितंबर को मुकाबले के पहले दिन भी बारिश के कारण जल्दी स्टंप्स कर दिया गया था। सिर्फ 35 ओवर का ही खेल हो सका। आमतौर पर एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने 3 विकेट खोकर 107 रन बना लिए हैं। मोमिनुल हक 40 और मुश्फिकुर रहीम 6 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

2 मैचों की सीरीज में भारत 1-0 से आगे है। टीम इंडिया ने ग्रीन पार्क स्टेडियम में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। बांग्लादेशी कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें रविचंद्रन अश्विन ने एलबीडब्ल्यू किया। उन्होंने शांतो और मोमिनुल की फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की। इससे पहले, आकाश दीप ने शादमान इस्लाम (24 रन) और जाकिर हसन (शून्य) को आउट किया।

भारत-बांग्लादेश मैच का स्कोरकार्ड

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और जसप्रीत बुमराह।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास (विकेटकीपर), मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, हसन महमूद और खालिद अहमद।

कार दुर्घटना में घायल मुशीर खान कौन हैं ?

8 की उम्र में युवराज सिंह को किया आउट, तोड़ चुके हैं सचिन के 2 बड़े रिकॉर्ड

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। ऋषभ पंत दिसंबर 2022 में एक भयानक कार हादसे का शिकार हुए थे. इस हादसे में वो बाल-बाल बचे थे. उनके दोबारा खेल पाने की भी उम्मीद कम ही थी. हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और रिकवरी के बाद एक बार फिर से इंटरनेशनल क्रिकेट में जलवा बिखेर रहे हैं. पंत के हादसे के करीब दो साल बाद अब एक और भारतीय क्रिकेटर मुशीर खान कार दुर्घटना की चपेट में आ गए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुशीर ईरानी कप मुकाबले के लिए अपने पिता नौशाद खान के साथ आजमगढ़ से लखनऊ जा रहे थे. तभी उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया. इस दौरान उनकी कार करीब 4 से 5 बार पलटी, जिसके चलते उनके गर्दन में चोट आई है. इस वजह से वो 1.5 से 3 महीने तक मैदान से बाहर रह सकते हैं.

कौन हैं मुशीर खान ?

19 साल के मुशीर खान का जन्म यूपी के आजमगढ़ जिले में हुआ था. हालांकि, उन्होंने अपना बचपन मुंबई में बिताया है. मुशीर

घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए खेलते हैं, जबकि उनके भाई सरफराज खान टीम इंडिया के लिए खेलते हैं. महज 17 साल की उम्र में उन्होंने 2022 में मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में डेब्यू कर लिया था. घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद उनका सेलेक्शन अंडर-19 वर्ल्ड कप लिए भी हुआ था, जहां उन्होंने 7 मुकाबलों में 60 की औसत से 360 रन ठोक दिए थे. इसमें 2 शतक और एक अर्धशतक भी शामिल था.

तोड़ चुके हैं सचिन के दो रिकॉर्ड्स

मुशीर छोटी सी उम्र में सचिन का रिकॉर्ड तोड़कर अपनी अलग पहचान बना चुके हैं. 2024 से रणजी ट्रॉफी फाइनल में उन्होंने शतक ठोककर मुंबई को ट्रॉफी जीतने में मदद की थी. इसके साथ ही सचिन के रिकॉर्ड तोड़ते हुए वो रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए थे. वहीं दलीप ट्रॉफी के डेब्यू मैच ही मुशीर खान 181 रन की पारी खेली थी. इस पारी से उन्होंने सचिन का एक और रिकॉर्ड तोड़ दिया था.

सचिन ने दलीप ट्रॉफी के डेब्यू मैच में 159 रन की पारी खेली थी.

युवराज को किया आउट, फिर प्लेटफॉर्म पर बिताई रात

मुशीर खान बचपन से ही अपने टैलेंट की छाप छोड़ते रहे हैं. इसमें उनके पिता बहुत बड़ा योगदान रहा है. मुशीर जब महज 8 साल के थे, तब उन्होंने युवराज सिंह को आउट कर दिया था. दरअसल, साल 2013 में कांगा क्रिकेट लीग से पहले मुशीर खान एक प्रैक्टिस मैच खेलने गए थे. इसमें भारत के दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह भी आए हुए थे.

इस प्रैक्टिस मैच में युवराज के सामने मुशीर को गेंदबाजी करने का मौका मिला. तब उन्होंने युवराज को आउट कर दिया था. इसके बाद मुशीर रातों-रात मशहूर हो गए थे. इस मैच के बाद उनके पिता और मुशीर को रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर ही सोना पड़ा था. क्योंकि मुशीर खान को उसी रात वापस अपने घर लौटना लेकिन उनकी ट्रेन छूट गई. उनके पिता के पास होटल ने रुकने का पैसा नहीं था. इसलिए दोनों को प्लेटफॉर्म पर ही सोना पड़ा था.

यूपी भारोत्तोलन चैंपियनशिप में घटी अनोखी घटना

डोप टेस्ट के डर से आधे लिफ्टर टूर्नामेंट छोड़कर भागे

लखनऊ, 28 सितंबर (एजेंसियां)। डोप टेस्ट के डर से टूर्नामेंट छोड़कर भागने की घटनाएं पहले भी हुई हैं, लेकिन यूपी वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में जैसा हुआ वैसा उदाहरण अब तक सामने नहीं आया है। चैंपियनशिप में नाडा की टीम के पहुंचने की सूचना मिलते ही आधे से भी ज्यादा वेटलिफ्टर टूर्नामेंट छोड़कर भाग गए। नतीजा यह निकला कि चैंपियनशिप में कई भार वर्गों में कोई लिफ्टर नहीं होने के चलते मुकाबला ही नहीं हुआ, कई भार वर्गों में सिर्फ एक या दो लिफ्टर ही उतरे।

कुछ दिन पूर्व मोदीनगर में अश्मिता खेलो इंडिया जोनल लीग और यूपी वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। इन खेलों के लिए 519 वेटलिफ्टरों की एंट्री आई। खेलो इंडिया जोनल लीग में भारतीय भारोत्तोलन संघ की ओर से डोप टेस्ट के लिए नाडा को बुलाया गया। इस दौरान लीग से भी कुछ लड़कियां भागीं।

भारोत्तोलन संघ ने जब यह देखा कि लिफ्टर प्रतियोगिता छोड़कर भाग रहे हैं तो उन्होंने नाडा से गुजारिश की कि लीग के खत्म होते ही यूपी वेटलिफ्टिंग होनी है। उन्हें इस चैंपियनशिप में भी टेस्ट करने चाहिए। अमूमन राज्य चैंपियनशिप में टेस्ट नहीं किए जाते हैं। नाडा टेस्ट के लिए तैयार हो गया, लेकिन इसकी सूचना तत्काल वेटलिफ्टर को नहीं दी गई।

चैंपियनशिप शुरू होने से पहले लिफ्टरों के वजन के दौरान उन्हें पता लगा कि नाडा डोप सैंपल भी लेगी। यहीं से भगदड़ मच गई। चैंपियनशिप के लिए 252 पुरुष लिफ्टरों की एंट्री आई थी, जिसमें 126 लिफ्टर प्रतियोगिता छोड़कर भाग गए। 177 लड़कियों को चैंपियनशिप में खेलना था, जिसमें 93 ने हिस्सा नहीं लिया।

वर्ल्ड चैंपियन का बुरा हाल, 8 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा

इंग्लैंड ने 186 रन के अंतर से हराया

मैनचेस्टर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है. दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है. इस सीरीज के शुरुआती दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ने दमदार खेल दिखाया था और 2-0 की बढ़त बना ली थी. लेकिन इंग्लैंड ने सीरीज में धमाकेदार वापसी की है. इंग्लैंड ने भी लगातार दो मैच जीतकर सीरीज बराबरी पर ला खड़ी की है. सीरीज के चौथे मैच में वर्ल्ड चैंपियन टीम ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ी हार का सामना करना पड़ा. इस मुकाबले में उनका कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर मैदान पर नहीं टीक सके.

ऑस्ट्रेलियाई टीम की करारी हार

दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा वनडे मैच लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला गया. बारिश की वजह से ये मैच 39-39 ओवर का

ही खेला गया. मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जो पूरी तरह से गलत साबित हुआ. टॉस गवांने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने ताबड़तोड़ रन बनाए और निर्धारित 39 ओवरों में पांच विकेट खोकर 312 रन बनाए. लेकिन इस टारगेट के जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 24.4 ओवर में महज 126 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और उसे 186 रनों से हार का सामना करना पड़ा.

8 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की ओर से इस मुकाबले में काफी खराब प्रदर्शन देखने को मिला. लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत शानदार रहीं और मिशेल मार्श और ट्रैविस हेड ने पहले विकेट के लिए 68 रन जोड़े. लेकिन इसके बाद कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा देर नहीं टीक सका, जिसके चलते 8 बल्लेबाज तो दहाई का आंकड़ा छूने में भी नाकाम रहे.

ट्रैविस हेड ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाए और मिशेल मार्श ने 28 रनों की पारी खेली. वहीं, इंग्लैंड की ओर से तेज गेंदबाजों ने काफी घातक गेंदबाजी की. मैथ्यू पॉट्स ने सबसे ज्यादा चार विकेट चटकाए. इसके अलावा ब्रायडन कारसे तीन विकेट और जोफ्रा आर्चर ने दो विकेट अपने नाम किए.

हैरी ब्रुक की कप्तानी पारी

इंग्लैंड के लिए इस मुकाबले में सबसे ज्यादा रन उनके कप्तान हैरी ब्रुक ने बनाए. हैरी ब्रुक ने 87 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा. वहीं, बेन डकेट ने 63 रन बनाए और लियाम लिविंगस्टोन ने 27 गेंदों पर 62 रन बनाकर पारी को खत्म किया. इस दौरान लियाम लिविंगस्टोन ने तीन चौके और सात छक्के जड़े. इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब सीरीज का पांचवां और आखिरी मैच रविवार यानी 29 सितंबर को ब्रिस्टल के काउंटी ग्राउंड स्टेडियम में खेला जाएगा, जो सीरीज का फैसला भी करेगा.

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा की हुई अन्य सदस्यों से बहस, बैठक में गर्म रहा माहौल

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा की अन्य सदस्यों से बहस हो गई। संघ के अधिकांश सदस्यों ने रघुराम अय्यर की सीईओ के रूप में नियुक्ति का विरोध किया जबकि पूर्व महान खिलाड़ी ने उन्हें हटाने की मांग को खारिज कर दिया।

आईओए अध्यक्ष का बयान

उषा द्वारा बुलाई गई बैठक का मुख्य एजेंडा पांच जनवरी को सीईओ के रूप में अय्यर की नियुक्ति का अनुमोदन करना था, लेकिन इसे बीच में ही समाप्त करना पड़ा। बैठक के बाद उषा ने कहा- वे पूरी प्रक्रिया को फिर से शुरू करना चाहते हैं, वे नए सिरे से विज्ञापन देना चाहते हैं। यह

ऐसा है जैसे कह रहे हों कि हमें यह व्यक्ति नहीं चाहिए और हम प्रक्रिया को फिर से शुरू करें।

उषा ने दी चेतावनी

अन्य सदस्यों को चेतावनी देते हुए आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा- इस प्रक्रिया (सीईओ की नियुक्ति) में दो साल लग गए और अब वे इसे फिर से शुरू करना चाहते हैं। इस के (आईओसी से) गंभीर नतीजे होंगे। यह भारत के 2036 ओलंपिक के लिए बोली लगाने और मेजबानी करने की संभावनाओं को खतरे में डाल सकता है। मैं इसे स्वीकार नहीं करने जा रही हूं। मैंने आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति) को यह बता दिया है। मैं हार मानने वाली नहीं हूं, मैं आईओए को साफ किए बिना कहीं नहीं जा रही हूं।

10 सदस्यों ने जारी किया बयान

आईओसी के निदेशक जिरोम पोइवी भी ऑनलाइन बैठक में शामिल रहे। उषा की चेतावनियों के बावजूद बैठक में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित कार्यकारी परिषद के 10 सदस्यों ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि उन्होंने सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। बयान में कहा गया- सीईओ के रूप में अय्यर के अनुमोदन को मंजूरी नहीं दी गई। इसके अलावा यह निर्णय लिया गया कि सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया को नई शर्तों के साथ फिर से शुरू किया जाए।

न्यूजीलैंड के साथ ये क्या हुआ

श्रीलंका ने की बुरी हालत, 88 रन पर ढेर हुई पूरी टीम

गाले, 28 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच गाले स्टेडियम में हो रहा है. इस मुकाबले में श्रीलंका की ओर से कमाल का प्रदर्शन देखने को मिला है. श्रीलंका की टीम ने इस मुकाबले की पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 602 रन बनाए थे और पारी को घोषित कर दिया है. लेकिन इसके जवाब में न्यूजीलैंड की इतनी बुरी हालत हुई है कि उसे फॉलो ऑन का सामना करना पड़ा है.

सस्ते में ढेर हुई न्यूजीलैंड की टीम

गाले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में महज 88 रन पर ढेर हो गई और श्रीलंका ने पहली पारी के आधार पर 514 रनों की बढ़त हासिल की. जिसके चलते न्यूजीलैंड को फॉलो ऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा. स्पिनर प्रभात जयसूर्या के आगे न्यूजीलैंड की पूरी टीम फ्लॉप नजर आई. न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन अपनी पारी 22/2 के स्कोर से आगे शुरू की थी. लेकिन वह ज्यादा देर मैदान पर नहीं टीक सकी. प्रभात जयसूर्या इस पारी के सबसे सफल गेंदबाज रहे. प्रभात जयसूर्या ने 18 ओवर में दो 22 रन देकर 6 बल्लेबाजों

को अपना शिकार बनाया. जयसूर्या ने करियर में नौवीं बार एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा किया.

प्रभात जयसूर्या के अलावा निशान पेइरिस ने तीन और असिथा फर्नांडो ने एक विकेट हासिल किया और टीम को 514 रनों की बढ़त दिलवाई. टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली पारी के आधार पर हासिल की गई 5वीं सबसे बड़ी लीड है. वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ ये दूसरी सबसे बड़ी लीड है.

इससे पहले पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ साल 2002 में 570 रन की लीड हासिल की थी.

न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों का हुआ बुरा हाल

न्यूजीलैंड का कोई भी बल्लेबाज इस पारी में 30 रन का आंकड़ा नहीं छू सका. वहीं, सिर्फ 3 बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके. मिचेल सैंटनर ने सबसे ज्यादा 29 रनों की पारी खेली. वहीं, डेरिल मिचेल ने 13 रन बनाए. रचिन रविंद्र भी 10 रन ही बना सके. बाकि सभी खिलाड़ी 10 रन तक भी नहीं पहुंच सके. ऐसे में अब न्यूजीलैंड पर पारी से मुकाबला हारने का खतरा भी मंडरा रहा है.

चाइना ओपन : अल्कारेज और मेदवेदेव ने बरकरार रखी लय, चीन ओपन के दूसरे दौर में जगह बनाई

बीजिंग, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया के तीसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने फ्रांस के गियावनानी पेरीकार्ड को 6-4, 6-4 से हराकर चीन ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

अल्कारेज ने ब्रेकप्वाइंट के दोनों मौके भुनाए, जबकि पेरीकार्ड ने अपनी दमदार सर्विस से अंक भुनाए लेकिन बेजा गलतियों के कारण उन्हें दोनों सेट गंवाने पड़े।

पुरुष सिंगल्स वर्ग के पहले दौर में रूस के डेनियल मेदवेदेव ने फ्रांस के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी गेइल मोनफिल्स को 6-3, 6-4 से हराया। पिछले साल यहां उपविजेता रहे मेदवेदेव ने पहले सेट में तीन बार सर्विस ब्रेक की। दूसरे सेट में भी सर्विस ब्रेक के साथ दुनिया के पूर्व नंबर एक मेदवेदेव ने मैच अपने नाम कर लिया। क्वालिफाइंग दौर से मुख्य ड्रॉ में पहुंचे रोमन सैफियूलिन ने तीन बार के ग्रैंडस्लैम विजेता स्टेन वावरिंका को 6-3, 6-4 से हराया और अब उनकी टक्कर शीर्ष वरीय जानिक सिनर से होगी।

छठी वरीयता के लोरेंजो मुसेटी और सातवीं वरीयता के करेन खाचनोव भी आगे बढ़ने में सफल रहे। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता की जेसिका पेगुला ने फ्रांस की डियने पैरी को 6-1, 7-6 से हराकर अपना अभियान शुरू किया। अब उनकी टक्कर अमेरिका की वेरोनिका कुदरेमेतोवा से होगी जिसने चीन की वैंग जिशनयू को 3-6, 6-4, 7-5 से हराया।

चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका एक सेट से पिछड़ने के बाद यूलिया पुतिनत्सेवा को 3-6, 6-4, 6-2 से पराजित किया। छठी वरीय एमा नवारो को चीन की वाइल्ड कार्डधारी झांग शुएई ने 75 मिनट में 6-4, 6-2 से हराया।

भारत को लगा तगड़ा झटका

अंडर-20 एएफसी क्वालिफायर में हारा, ईरान ने 1-0 से दी मात

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत को अंडर-20 एएफसी क्वालिफायर फुटबाल टूर्नामेंट में चार बार के विजेता ईरान से कड़े संघर्ष में 1-0 से हार मिली। ग्रुप सी में भारत ने खेल के 88वें मिनट तक ईरान को बराबरी पर रोके रखा, लेकिन युसुफ माजरेह ने गोलकीपर प्रियांश दुबे को छकाते हुए गोल कर ईरान को जीत दिला दी।

भारत एक मैच जीत चुका है और 4-2 के गोल अंतर के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। उसे अब मेजबान लाओस से खेलना है, जिसे ईरान के हाथों 0-8 से हार मिल चुकी है। 10 ग्रुपों में शीर्ष पर रहने वाली और दूसरे स्थान पर रहने वाली पांच श्रेष्ठ टीमों को 2025 में चीन में होने वाले अंडर-20 एएफसी चैंपियनशिप के लिए सीधे प्रवेश मिलेगा।

भारत-पाकिस्तान मैच के लिए आईसीसी का बड़ा ऐलान

महामुकाबले में कौन संभालेगा अंपायरिंग की भूमिका ?

अरब अमीरात, 28 सितंबर (एजेंसियां)। यूएई में होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान की टीमें छह अक्टूबर को आमने-सामने होंगी। इस मैच को लेकर आईसीसी ने बड़ा ऐलान कर दिया है। अगले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिला टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान मैच के लिए मैदानी अंपायरों की घोषणा कर दी गई है। ऑस्ट्रेलिया की एलोइस शेरिडन और दक्षिण अफ्रीका की लॉरेन एजेनबैग को इस हाई-प्रोफाइल मैच के लिए मैदानी अंपायर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा वेस्टइंडीज की जैकलीन विलियम्स छह अक्टूबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मैच की टेलीविजन अंपायर होंगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने तीन से 20 अक्टूबर तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए मैच अंपायरों की लिस्ट जारी की। इस वर्ल्ड कप के लिए सभी मैच अंपायर्स महिलाएं हैं। आईसीसी ने बताया कि टूर्नामेंट में भारत की ओर से जीएस लक्ष्मी मैच रेफरी होंगी, जबकि वृंदा राठी एकमात्र भारतीय अंपायर होंगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 3 अक्टूबर को बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच शुरुआती मुकाबले से होगी।

भारतीय अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा। इस मैच में विलियम्स और इंग्लैंड की अन्ना हैरिस अंपायरिंग करेंगी और पोलोसाक टीवी अंपायर होंगी।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने दशहरा से पहले पीईटी पदों पर भर्ती का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने शारीरिक शिक्षा शिक्षक (पीईटी) पदों के नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को आश्वासन दिया है कि दशहरा उत्सव से पहले भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों ने शनिवार को यहां गांधी भवन में टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ से मुलाकात की और उनसे टीएसपीएससी द्वारा जारी 16/2017 तेलंगाना गुरुकुलम अधिसूचना में उल्लिखित 616 शारीरिक शिक्षा शिक्षक (पीईटी) पदों की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछली बीआरएस सरकार, जिसने 2017 में अधिसूचना जारी की थी, अपने कार्यकाल के दौरान परिणाम घोषित करने में विफल रही। जैसे ही कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, उन्होंने इस मुद्दे को प्राथमिकता दी और 19 सितंबर को परिणाम घोषित किए, साथ ही एक मेरिट सूची भी तैयार की। उम्मीदवारों ने आगे बताया कि कुछ व्यक्ति जो मेरिट सूची में जगह नहीं बना पाए, वे अब अदालती मामले दायर करके भर्ती प्रक्रिया को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने और सही तरीके से चयनित लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। जवाब में, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने तुरंत संबंधित अधिकारियों से बात की और उम्मीदवारों को आश्वासन दिया कि दशहरा उत्सव से पहले भर्ती प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। उम्मीदवारों ने टीपीसीसी अध्यक्ष के सक्रिय प्रयासों की सराहना करते हुए जयकारों के साथ अपना आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मंत्री सीताक्का, पोन्नम प्रभाकर, मुख्य सचिव शांतिकुमारी और अन्य ने हैदराबाद बेगमपेट हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने लेखिका विजय भारती के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को प्रसिद्ध लेखिका बी. विजय भारती के निधन पर शोक व्यक्त किया, जो प्रसिद्ध नागरिक अधिकार आंदोलन के नेता बोज्जा तारकम की पत्नी और आईएएस अधिकारी बोज्जा राहुल की मां थीं। मुख्यमंत्री ने याद किया कि प्रख्यात लेखक बोई भीमन्ना की पुत्री विजया भारती ने तेलुगु अकादमी की उप-निदेशक के रूप में कार्य किया और प्राचीन साहित्य कोषम तथा आधुनिक साहित्य कोषम का प्रकाशन किया। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि साहित्य के लिए उनकी सेवाएं सराहनीय हैं।

ईमानदारी और साहस के मूल्यों पर टिके रहना चाहिए : द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति ने नलसर में छात्रों को संबोधित किया

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 28 सितंबर को यहां नलसर विधि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, हमारे संविधान में हमारे स्वतंत्रता संग्राम, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श शामिल हैं। प्रस्तावना और मौलिक अधिकारों में निहित समानता का आदर्श न्याय प्रदान करने से संबंधित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में से एक में भी अभिव्यक्त होता है। निर्देशक सिद्धांतों में समान न्याय और निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रयास किया गया है। यह राज्य को यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार बनाता है कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय प्राप्त करने के अवसरों से वंचित न किया जाए। दुर्भाग्य से, एक गरीब व्यक्ति को न्याय तक उतनी ही पहुंच नहीं मिलती जितनी एक अमीर व्यक्ति को मिलती है। इस अनुचित स्थिति को बेहतर के लिए बदलना होगा। उन्होंने युवा कानूनी पेशेवरों से बदलाव के वाहक बनने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि अधिवक्ताओं के रूप में उनका कर्तव्य होगा कि वे अपने मुवक्किलों के हितों का ख्याल रखने के अलावा न्याय देने में अदालत की सहायता करें। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशेवर के रूप में वे जो भी भूमिका चुनें, उन्हें हमेशा ईमानदारी और साहस के मूल्यों पर टिके रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सत्ता के सामने सच बोलना उन्हें और अधिक शक्तिशाली बनाता है। राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि नलसर ने कई क्षेत्रों में नेतृत्व किया है। उन्होंने विकलांगता, न्याय तक पहुंच, जेल और किशोर न्याय और कानूनी सहायता से संबंधित मुद्दों की देखभाल में नलसर के प्रयासों की सराहना की। उन्हें यह जानकर भी खुशी हुई कि नालसर ने एक पशु कानून केंद्र स्थापित किया है।

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को पशु-पक्षियों, पेड़ों और जल-निकायों की रक्षा मानवता की भलाई के लिए आवश्यक है और नालसर का पशु कानून केंद्र उस दिशा में एक अच्छा कदम है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को बढ़ावा देने में समाज का हर वर्ग एक हितधारक है। उन्होंने एनएएलएसएआर और उसके पूर्व छात्रों से आग्रह किया कि वे सभी हितधारकों का समर्थन प्राप्त करें और महिला अधिवक्ताओं और विधि छात्रों का एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क स्थापित करने में मदद करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह नेटवर्क महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों को रोकने और ऐसे अत्याचारों के मामलों से निपटने के लिए ठोस प्रयास करने के लिए जनादेश के साथ काम करेगा।

मानव मृत्यु को कम करने के यूएनजीए के फैसले का स्वागत

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के जाने-माने स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर और सार्वजनिक स्वास्थ्य के नेता, भारतीय संक्रमण नियंत्रण अकादमी के सदस्य और संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप (जी-स्पार्क) पर ग्लोबल साउथ कॉन्फ्रेंस के आयोजन सदस्यों ने 2030 तक एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) से होने वाली मानव मृत्यु को 10 प्रतिशत तक कम करने के संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के फैसले का स्वागत किया। यह परिणाम एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि संक्रमण नियंत्रण अकादमी के अध्यक्ष और जी-स्पार्क के अध्यक्ष डॉ. रंगा रेड्डी बुरी, हैदराबाद स्थित गैर-लाभकारी संगठन प्रज्ञान सस्टेनेबल हेल्थ आउटकम्स फाउंडेशन के अध्यक्ष और जी-स्पार्क के सह-अध्यक्ष आर. गोविंद हरि ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में हुए समझौते का स्वागत करते हैं, जिसमें 2030 तक एएमआर से होने वाली मौतों में 10 प्रतिशत की कमी लाने का लक्ष्य शामिल है। वैश्विक नेताओं ने एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) पर 79वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) उच्च स्तरीय बैठक में एक राजनीतिक घोषणा को मंजूरी दी है, जिसमें स्पष्ट लक्ष्य और कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता जताई गई है, जिसमें 2030 तक बैक्टीरियल एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (एएमआर) से जुड़ी अनुमानित 4.95 मिलियन मानव मौतों को 10 प्रतिशत तक कम करना शामिल है।

घोषणा में स्थायी राष्ट्रीय वित्तपोषण और उत्प्रेरक निधि में 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की भी मांग की गई है, ताकि 2030 तक एएमआर पर राष्ट्रीय कार्य योजनाओं को वित्तपोषित करने वाले कम से कम 60 प्रतिशत देशों के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिल सके।

उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को, उदाहरण के लिए, फंडिंग स्रोतों में विविधता लाने और एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध मल्टी-पार्टनर ट्रस्ट फंड में अधिक योगदानकर्ताओं को सुरक्षित करने के माध्यम से प्राप्त किया जाना है। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में आयोजित एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध पर उच्च स्तरीय बैठक में एएमआर से निपटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। अनुप्रिया पटेल ने अप्रैल 2017 में राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी एएमआर) के शुभारंभ के बाद से एएमआर से निपटने में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला।

आग लगने से इलेक्ट्रिक बाइक जलकर खाक

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के जीडीमेटला के सुरराम में शनिवार को एक इलेक्ट्रिक बाइक में आग लग जाने से वह जलकर खाक हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, ई-बाइक सुरराम रोड पर एक मेडिकल स्टोर के पास खड़ी थी, तभी उसमें आग लग गई। इससे पहले कि दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच पाती, आग मेडिकल स्टोर तक फैल गई और स्टोर के सामने वाले हिस्से में रखा सामान आंशिक रूप से जल गया। स्थानीय लोगों ने पास की एक इमारत से पानी इकट्ठा करके आग बुझाने की कोशिश की। दमकलकर्मी पहुंचे और आग बुझाई। अधिकारियों को संदेह है कि आग बैटरी में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर हुआ हादसा

नलगोंडा, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-विजयवाड़ा हाईवे पर येल्लमबावी गांव के पास शनिवार तड़के एक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। एक कंटेनर लॉरी हाईवे के किनारे खड़ी एक निजी ट्रैवल्स बस से टकरा गई, जिसके परिणामस्वरूप दो यात्रियों की तत्काल मौत हो गई। मृतकों की पहचान खम्मम जिले के येलंडु निवासी 55 वर्षीय सतीश कुमार और 24 वर्षीय तेजा के रूप में हुई है। टक्कर में ग्यारह अन्य यात्री भी घायल हो गए, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

श्री चैतन्य सेंट्रल किचन पर दो लाख रुपये का जुर्माना

निरीक्षण के दौरान मिली कमियां

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त स्वास्थ्य आयुक्त पंकजा ने कहा कि जीएचएमसी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने माधापुर में श्री चैतन्य सेंट्रल किचन में निरीक्षण किया। एक शिकायत के बाद कि परिसर में भोजन विषाक्तता के कारण छात्र बीमार पड़ गए थे। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों श निरीक्षण के दौरान कई खामियां देखी गईं, जैसे उचित स्वच्छता, स्वच्छता प्रबंधन, खाद्य गुणवत्ता मानकों का अनुपालन न करना, खाद्य पदार्थों पर लेबल की कमी, भंडारण क्षेत्र में तिलचट्टे की उपस्थिति मिली। माधापुर सहायक चिकित्सा अधिकारी श्री चैतन्य सेंट्रल किचन संगठन पर 2 लाख का जुर्माना लगाया। इसी तरह, उन्होंने कहा कि एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है जिसमें प्रबंधन को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

हरीश राव ने सीएम रेवंत रेड्डी की आलोचना की

मूसी मोर्चे के विध्वंस अभियान के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी बीआरएस

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक हरीश राव ने आज आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी अवैध निर्माण ढहाने के नाम पर गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों को इतना परेशान कर रहे हैं कि उनकी आंखों से आंसू बहने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को गरीबों का आशीर्वाद मिलना चाहिए न कि उनकी पीड़ा। उन्होंने कहा, "गरीबों के आंसुओं पर शहर का विकास करने का क्या मतलब है।" हरीश राव ने बीआरएस पार्टी के कानूनी प्रकोष्ठ के प्रतिनिधियों और पूर्व मंत्री सबिता इंद्र रेड्डी के साथ हैदराबाद के तेलंगाना भवन में हाइड्रा के पीड़ितों के साथ बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के अधिकारी कह रहे हैं कि गरीबों के घर तोड़ दिए जाएंगे और मूसी नदी पर बड़ी इमारतें बनने दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी के विधायकों की एक टीम पीड़ितों के पास जाएगी और उनकी समस्याओं का पता लगाएगी। राव ने दावा किया कि पूर्व सीएम केसीआर ने अपने शासन के दौरान लोगों को परेशान नहीं किया। उन्होंने गलत फैसले लेने के लिए सीएम रेवंत की आलोचना की। उन्होंने कहा कि 100 दिनों में छह गारंटी लागू करने के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने लोगों पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में नहीं सोचा जब वे बीमारियों से पीड़ित थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम रेवंत हैदराबाद की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सीएम सर्वदलीय बैठक के बाद ही मूसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना को आगे बढ़ाएं बैठक। उन्होंने कुक्टपल्ली निवासी बुचम्मा की आत्महत्या को आत्महत्या नहीं बल्कि सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा की गई हत्या बताया और कहा कि पीड़िता ने अपने तीन बच्चों के लिए घर बनवाया था और उनकी शादी करवाई थी। राव ने कहा कि हाइड्रा के सभी पीड़ित उनके परिवार के सदस्य हैं और उन्होंने कहा कि तेलंगाना भवन के दरवाजे हमेशा उनकी किसी भी तरह की मदद के लिए खुले रहेंगे।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने टीडीपी मुख्यालय में याचिकाएं प्राप्त कीं

अमरावती, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने आज मंगलगिरी में टीडीपी मुख्यालय में लोगों की याचिकाएं प्राप्त कीं। सीएम ने विभिन्न क्षेत्रों के लोगों, दिव्यांगों, छात्रों और राज्य भर से बड़ी संख्या में मदद के लिए आए लोगों की पीड़ा को धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने उनके ध्यान में लाए गए मुद्दों और शिकायतों को हल करने का वादा किया। कई लोगों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया है। अनुरोध प्राप्त करने से पहले, नायडू ने जोशुआ की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।गुंटूर शहर के गोरंटला की दिव्यांग महिला थन्नीरू साम्राज्यम ने नायडू को अपनी समस्याएं बताईं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें दिव्यांग कोटे से लंबे समय से पेंशन मिल रही थी और उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार के सत्ता में आने के बाद, उनकी पेंशन इस आधार पर हटा दी गई कि उन्होंने 300 यूनिट से अधिक बिजली की खपत की है। उन्होंने कहा कि उन्हें जीवनयापन करने में कठिनाई हो रही है और वे चाहती हैं कि उनकी पेंशन बहाल हो। कृष्ण धर्म रक्षण समिति के हिंदू समुदाय के नेताओं ने भी सीएम से मुलाकात की। उन्होंने मांग की कि गुंटूर और विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच असुरक्षित गायों की तस्करी को रोकने के लिए मंगलगिरी के पास एक गौशाला स्थापित की जानी चाहिए। थुलूर के अल्लूरी वेंकट राव और अल्लूरी आदिनारायण ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 50,000 रुपये का दान दिया। एम श्यामला राव ने 25,000 रुपये, के राजेश्वरी ने 25,000 रुपये और विजयनगरम की के हरिका ने 15,000 रुपये का दान दिया। सीएम चंद्रबाबू ने उनके दान की प्रशंसा की।

कांग्रेस सांसद चामला ने हैदराबाद में हाइड्रा गतिविधियों की प्रशंसा की

नई दिल्ली, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने आज कहा कि तिरुमाला लड्डू मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लड्डू में मिलावट के कारण तिरुमाला को नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब से भक्तों को इस बारे में पता चला है, उनकी भावनाएं आहत हुई हैं। हाइड्रा गतिविधियों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद को बचाने के लिए अपने शब्दों को अमल में लाया है और उन्होंने कहा कि वे पूर्व मंत्री हरीश राव द्वारा हाइड्रा कार्यक्रमों की आलोचना की निंदा करते हैं। सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि पूर्व सीएम केसीआर ने पहले भी हाइड्रा के बारे में बात की थी और कहा था कि हैदराबाद में 28,000 नालों पर मकान बनाए जा रहे हैं। उन्होंने मीडिया से अवैध ढांचों को ध्वस्त करने में सरकार का समर्थन करने का आग्रह किया। रेड्डी ने कहा कि रेवंत रेड्डी सीएम बनने के बाद शहर को झीलों वाले शहर जैसी ही स्थिति में रखने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हर साल हैदराबाद में भारी बारिश के कारण बाढ़ आती है। हाइड्रा हमारा भविष्य है," उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को हैदराबाद में रहना चाहिए।

अयोध्या-काशी पुण्य क्षेत्र यात्रा' पर्यटक ट्रेन ने दक्षिण मध्य रेलवे से यात्रा शुरू की

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थलों को प्रदर्शित करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई भारत गौरव पर्यटक सर्किट ट्रेन रेल यात्रियों के बीच काफी सफल रही है। भारत गौरव की एक और यात्रा, अयोध्या-काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा ने 28 सितंबर, 2024 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू की है। 24वीं भारत गौरव ट्रेन को दक्षिण मध्य रेलवे की प्रिंसिपल चीफ कमर्शियल मैनेजर के. पद्मजा ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अयोध्या-काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा, भारत गौरव ट्रेन ने आज अपनी यात्रा शुरू की और पुण्य क्षेत्र यात्रा का नौ दिवसीय दौरा गया, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज के दिव्य/तीर्थ स्थलों को कवर करेगा। पुण्य क्षेत्र यात्रा: अयोध्या - काशी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रेल यात्रियों को आध्यात्मिक ज्ञान के लिए नवनिर्मित राम जन्मभूमि (अयोध्या) और ज्योतिर्लिंग (काशी विश्वनाथ मंदिर) के दर्शन करने या गया में पिंडदान अनुष्ठान (अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करने) का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। सिकंदराबाद के अलावा, ट्रेन में तेलंगाना के भोंनगीर, जनगांव, काजीपेट, वारंगल, महबूबाबाद, दोर्नाकल, खम्मम, मधिरा और आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, एलुरु, राजमुंदरी, समालकोट, तुनी, विजाग (पेंडुर्थी), विजयनगरम में यात्रियों के लिए बोर्डिंग / डी-बोर्डिंग की सुविधा प्रदान की गई है। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने एससीआर से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के लिए यात्रियों से प्राप्त अच्छी प्रतिक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त की उन्होंने रेल उपयोगकर्ताओं से सांस्कृतिक रूप से प्रमुख और ऐतिहासिक स्थानों पर जाने के अवसर का उपयोग करने की अपील की।

श्री लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी देवस्थानम के गोपुरम में सोने की परत चढ़ाने की अनुमति मिली

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हास्वामी देवस्थानम को उज्ज्वल बनाने के लिए मंत्री कोंडा सुरेखा द्वारा आयोजित समीक्षाओं और बैठकों की एक श्रृंखला के सफल परिणाम मिले हैं। मंत्री सुरेखा की पहल पर सीएम रेवंत रेड्डी ने मंदिर के विमान गोपुरम के लिए सोना चढ़ाने का काम शुरू करने की अनुमति दे दी और मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को तुरंत काम शुरू करने का आदेश दिया। सरकार ने सोना पैनिंग की जिम्मेदारी मेसर्स स्मार्ट क्रिएशंस कंपनी को सौंपी है। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को सुझाव दिया कि ये काम ब्रह्मोत्सव से पहले मार्च 2025 तक पूरे हो जाने चाहिए।

इन कार्यों की निरंतर निगरानी के लिए, सरकार ने देवदाय धर्मार्थ विभाग के मुख्य सचिव शैलजा रामअय्यर को अध्यक्ष, बंदोबस्ती विभाग के निदेशक को संयोजक, सरकारी बुनियादी ढांचे और परियोजना सलाहकार, वीटीडीए के उपाध्यक्ष जी किशन राव की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया है।

सदस्य के रूप में यादगिरी गुट्टा देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी और बिजली विभाग के मुख्य अभियंता होंगे। यह समिति सोने की परत चढ़ाने के काम की निगरानी करेगी और सुझाव एवं सलाह देगी। सरकार ने सोने की परत चढ़ाने के कार्यों और इन कार्यों की निगरानी के लिए एक विशेष समिति गठित करने के संबंध में दो अलग-अलग अध्यादेश जारी किए हैं। सरकार ने भद्राद्रि कोत्तागुडेम जिले में श्री सीतारामा चंद्रास्वामी मंदिर के विकास और विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण की अनुमति देते हुए एक और परिपत्र जारी किया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.